सुधी पाठकों को 'द फोटोन न्यूज' के तृतीय स्थापना दिवस पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Monday, 13 January 2025 ● Year : 03 ● Issue : 01 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Triptii Dimri Hints That A Hero...
12

SARAFA

सोना	:	7,495
चांदी	:	101.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

श्रीलंकाई नौसेना ने आठ मछुआरों को किया अरेस्ट

NEW DELHI : श्रीलंकाई नौसेना ने द्वीपीय राष्ट्र (श्रीलंका) के जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में आठ भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार करने के साथ ही मछली पकड़ने वाली दो नौकाओं को जब्त कर लिया है। यह जानकारी श्रीलंकाई नौसेना द्वारा रविवार को जारी एक विज्ञप्ति से मिली। श्रीलंका की नौसेना ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि ये गिरफ्तारियां शनिवार रात को मन्नार के उत्तर के समुद्री क्षेत्र में शुरू किए गए एक विशेष अभियान के दौरान हुईं। बयान में कहा गया है कि इन गिरफ्तारियों के साथ ही इस वर्ष अब तक 18 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया जा चुका है और तीन नौकाएं जब्त की जा चुकी हैं। श्रीलंकाई नौसेना ने बताया कि 11 जनवरी की रात को उसकी उत्तर-मध्य कमान ने भारतीय मछुआरों की कुछ नौकाओं को देखा जो श्रीलंका के समुद्री क्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ रहे थे। उसने कहा कि कमान ने मन्नार के उत्तर समुद्री क्षेत्र से भारतीय मछुआरों की नौकाओं खदेड़ने के लिए अपने गश्ती जहाजों को भेजा।

मलेशिया में गिरिडीह के प्रवासी श्रमिक की मौत

GIRIDIH : जिले के डुमरी थाना क्षेत्र के एक प्रवासी मजदूर उमेश सिंह (35) की मलेशिया में मौत हो गई। रविवार को सुबह में उसकी मौत होने की सूचना परिजनों को मिली । बताया गया कि शनिवार रात 10 बजे ही युवक ने वीडियो कॉल से अपने परिजनों से बात की थी। परिजनों को क्या पता था कि सात घंटे बाद उन्हें उसकी मौत की खबर मिलेगी। मृतक डुमरी थाना क्षेत्र के चीनो निवासी चेतलाल सिंह के पुत्र हैं। वह मलेशिया में एफजीभी कंपनी में काम करता था।उसकी मौत कैसे हुई इसकी जानकारी परिजनों को नहीं मिली है। मृतक परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था। उमेश सिंह अपने पीछे पत्नी और बेटी किरन कुमारी (17), पूजा कुमारी(13)और बेटा पप्पू कुमार (15) को छोड़ गया है। घटना की खबर मिलते ही परिवार में मातम पसर गया है और गांव में भी शोक की लहर है। इस बीच प्रवासी श्रमिकों के हितों को लेकर अनवरत काम करने वाले सिकन्दर अली ने सरकार से शव मंगवाने की मांग की है।

डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण में शामिल होंगे जयशंकर

NEW DELHI : पिछले साल 5 नवबंर को हुए अमेरिकी राष्ट्रपति पद के चुनाव में निर्वाचित होने वाले डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर करेंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, ट्रंप-वेंस उद्घाटन समिति के निमंत्रण पर विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करेंगे। यात्रा के दौरान विदेश मंत्री आने वाले प्रशासन के प्रतिनिधियों के साथ-साथ उस अवसर पर अमेरिका का दौरा करने वाले कुछ अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ बैठकें भी करेंगे। उल्लेखनीय है कि 78 वर्षीय ट्रंप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के तौर पर वे 20 जनवरी को दोपहर 12 बजे (भारतीय समयानुसार रात्रि 10.30) शपथ लेंगे।

प्रयागराज में तैयार हो चुके हैं महाकुंभ स्नान के लिए सभी घाट

MAHAKHUMBH NAGAR @ PTI : संगम की रेती पर हो रहा विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक समागम महाकुंभ सोमवार के स्नान पर्व से प्रारंभ होने जा रहा है। इसके लिए मेला प्रशासन ने पूरी तरह से तैयारी का दावा किया है। हालांकि अभी कई जगहों पर कार्य प्रगति पर है। स्नान से एक दिन पूर्व सभी घाट स्नान के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इस बार संगम तट के अलावा नदी के बीच में कई ह्यचेंजिंग रूमह्न बनाए गए हैं और सभी नाविकों को यात्रियों के लिए ह्यलाइफ जैकेटह्न दिए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नाव के किराए की दर का बोर्ड भी लगाया गया है। बता दें कि महाकुंभ का स्नान पर्व 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा के साथ प्रारंभ होकर 26 फरवरी को महाशिवरात्रि तक चलेगा। इस अवधि में मुख्य स्नान पर्व 14 जनवरी (मकर संक्रांति) 29 जनवरी (मौनी अमावस्या) और तीन फरवरी (बसंत पंचमी) का है। संगम क्षेत्र में स्नान के लिए भारी संख्या में आ रहे श्रद्धालुओं को लेकर उत्साहित नाविक विष्णु निषाद ने कहा, इस बार का कुम्भ मेला हम नाविकों के जीवन में खुशी की लहर लेकर आया है। मेला प्रशासन द्वारा किराया बढ़ाने से सभी नाविक उत्साहित हैं। स्नान घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा को विशेष महत्व देते हुए महाकुंभ में पहली बार अंडर वॉटर ड्रोन तैनात किया गया है, जो 24 घंटे पानी के भीतर हर गतिविधियों की निगरानी करने में सक्षम है।

आज से शुरू हो रहा दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक समागम, संगम तट के अलावा नदी के बीच में बनाए गए हैं कई चेंजिंग रूम

35 करोड़ श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद

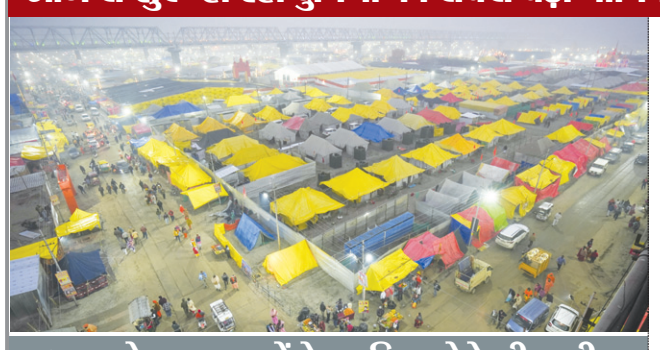

महाकुंभ-2025 में प्रमुख स्नान की शुरुआत से पहले, उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि संगम (गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों) के आसपास होने वाले 45 दिवसीय इस महा आयोजन में 35 करोड़ श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। सिंह ने यह भी कहा कि मौनी अमावस्या के दौरान, अनुमानित 4-5 करोड़ भक्तों के प्रयागराज में पहुंचने और स्नान में भाग लेने की उम्मीद है। सिंह ने बताया कि महाकुंभ के लिए राज्य का बजट लगभग 7,000 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा, पिछला कुंभ स्वच्छता के लिए जाना जाता था। इस बार यह स्वच्छता, सुरक्षा और डिजिटल कुंभ है।

24 घंटे तैनात रहेंगे गोताखोर

प्रभारी पुलिस महानिरीक्षक (पूर्वी जोन) डॉक्टर राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि पानी के अंदर बेहद तेज गति से काम करने वाले इस ड्रोन की सबसे खास बात यह है कि यह अंधेरे में भी लक्ष्य पर सटीक नजर रखने और पानी के नीचे 100 मीटर गहराई तक टोह लेने में सक्षम है। उन्होंने बताया कि यहां 700 झंडे लगी नावों पर 24 घंटे प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) व राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के जवान तैनात रहेंगे।

नागा साधुओं से मिल रहे लोग

सेक्टर 18 में अखाड़ों विशेषकर जूना अखाड़ा के शिविरों की कुटिया में धुनी रमाए नागा साधुओं को देखने और उनसे मिलने के लिए बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं। महाकुंभ के मुख्य आकर्षण इन अखाड़ों को बसाने में मेला प्रशासन ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। इसी प्रकार, अपनी दिव्यता और भव्यता के लिए चर्चा में रहे पायलट बाबा, जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि और निरंजनी अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि के शिविरों में देसी और विदेशी अतिथियों का आगमन प्रारंभ हो चुका है और इनके शिविर पूरी तरह से तैयार हैं।

कटरा से प्रयागराज चलेंगी तीन विशेष ट्रेनें : जितेंद्र सिंह

NEW DELHI : रविवार को प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि प्रयागराज महाकुंभ के लिए माता वैष्णो देवी कटरा से तीन विशेष ट्रेनें संचालित की जाएंगी। डॉ. सिंह ने एक्स पोस्ट में कहा कि महाकुंभ में भाग लेने के लिए प्रयागराज के लिए विशेष ट्रेन की घोषणा की जा रही है। उन्होंने कहा कि रेलवे अधिकारियों ने महाकुंभ में भाग लेने वालों की सुविधा के लिए कटरा-प्रयागराज के बीच 3 विशेष ट्रेनों की योजना बनाई है। पहली विशेष ट्रेन 24 जनवरी के लिए तय की गई है जो कटरा श्री माता वैष्णो देवी रेलवे स्टेशन से प्रयागराज के लिए रवाना होगी और 26 जनवरी को प्रयागराज से कटरा के लिए वापस आएगी। अगली दो ट्रेनों की समय-सारणी समय पर बता दी जाएगी।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर 3000 युवाओं के साथ संवाद में पीएम बोले-

भारत को जल्द विकसित राष्ट्र बनाएगा युवा शक्ति का सामर्थ्य

NEW DELHI @ PTI : रविवार को राष्ट्रीय युवा दिवस (विवेकानंद जयंती) पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश के नौजवानों के साथ उनका परम मित्र वाला नाता है और साथ ही विश्वास जताया कि युवा शक्ति का सामर्थ्य ही भारत को जल्द से जल्द विकसित राष्ट्र बनाएगा। भारत मंडपम में आयोजित विकसित भारत युवा नेता संवाद 2025 को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि बड़े सपने देखना, एक मजबूत प्रतिबद्धता बनाना और एक निर्धारित समयसीमा के भीतर उन सपनों को प्राप्त करना पूरी तरह से संभव है। प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम में 30 लाख से अधिक प्रतिभागियों में से योग्यता-आधारित, बहु-स्तरीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से चुने गए 3,000 युवाओं के साथ संवाद भी किया। मोदी ने कहा, किसी भी देश की प्रगति के लिए उसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। एक लक्ष्य के बिना जीवन अकल्पनीय है। लक्ष्य हमें उद्देश्य और प्रेरणा प्रदान करते हैं। जब हम महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करते हैं, तो हम उन्हें पूरा करने के लिए अथक प्रयास करते हैं। आज भारत इसी भावना को मूर्त रूप दे रहा है।

देश के नौजवानों के साथ 'परम मित्र' वाला बताया अपना नाता

- 30 लाख से अधिक प्रतिभागियों में से बहु-स्तरीय चयन प्रक्रिया के जरिए चुने गए युवा
- भारत मंडपम में 'विकसित भारत युवा नेता संवाद 2025' कार्यक्रम का हुआ आयोजन
- प्राइम मिनिस्टर ने युवाओं को राजनीति में आने के लिए किया प्रेरित
- प्रगति के लिए महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त करने पर फोकस करना जरूरी

सपने को पूरा करने का खुला आसमान

प्रधानमंत्री ने कहा, जहां अच्छी कमाई और पढ़ाई के ज्यादा से ज्यादा अवसर होंगे। जहां दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी कौशल से लैस होगी। जहां युवाओं के पास अपने सपने पूरा करने के लिए खुला आसमान होगा। उन्होंने कहा, मुझे आप पर बहुत विश्वास है और इसी विश्वास ने मुझे ह्यमाय भारतह्न के गठन की प्रेरणा दी। इसी विश्वास ने विकसित भारत युवा नेता संवाद का आधार बनाया। मेरा विश्वास कहता है कि युवा शक्ति का सामर्थ्य भारत को जल्द से जल्द विकसित राष्ट्र बनाएगा।

विकास के लिए 25 साल का स्वर्णिम समय

प्रधानमंत्री ने महिला सशक्तीकरण, खेल, संस्कृति, स्टार्टअप, बुनियादी ढांचे आदि जैसे विषयों पर प्रेरक प्रस्तुतियां सुनी। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि केवल बात करने से ही विकसित भारत नहीं बनेगा। हमारे पास 25 साल का स्वर्णिम समय है। इस अमृत काल में आत्मविश्वास से भरी युवा शक्ति ही विकसित भारत का सपना सरकार करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश आज पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है और अगले दशक के अंत में यह 10 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी।

एमसीए ने महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर व विनोद कांबली को किया सम्मानित

वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर समारोह का किया गया आयोजन

MUMBAI @ PTI : रविवार को मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर और पूर्व खिलाड़ी विनोद कांबली समेत मुंबई के कुछ क्रिकेट नायकों को वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया। मुख्य समारोह 19 जनवरी को वानखेड़े स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। गावस्कर रविवार को सम्मानित होने वाले मुंबई के पहले कप्तान थे, उन्हें एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने स्मृति चिह्न भेंट किया। गावस्कर ने कहा, इस प्रतिष्ठित स्टेडियम में यहां आना मेरे लिए वास्तव में बहुत बड़ा सम्मान है जिसने भारतीय क्रिकेट को बहुत कुछ दिया है और 2011 क्रिकेट विश्व कप का आयोजन तो सोने पर सुहागा रहा। वानखेड़े स्टेडियम के 50 साल पूरे होने के जश्न की शुरूआत का हिस्सा बनना, सम्मानजनक है। उन्होंने कहा, एक सलामी बल्लेबाज के रूप में मैं शुरूआत को मिस नहीं कर सकता था इसलिए मैं यहां उपस्थित हूं। मैं एमसीए को शुभकामनायें देना चाहता हूं और स्कूल क्रिकेट के बाद से मुझे मौका देने के लिए अपनी कृतज्ञता भी व्यक्त करना चाहता हूं। मैं जो कुछ भी हूं वह एमसीए के मुझे आगे बढ़ाने की वजह से हूं। मुझे यहां बुलाने के लिए मैं आप सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं। पूर्व भारतीय बल्लेबाज विनोद कांबली भी इस मौके पर मौजूद थे। स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण 21 दिसंबर को उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया था, वह अब भी अपनी बीमारी से उबर रहे हैं, उन्हें अन्य लोगों द्वारा ले जाते हुए देखा गया। सम्मानित किये जाने के बाद कांबली ने प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में खेलने के दिनों के बारे में बात की।

इंग्लैंड के खिलाफ यहीं लगाया था दोहरा शतक

कांबली ने कहा कि, मुझे याद है कि मैंने इंग्लैंड के खिलाफ अपना पहला दोहरा शतक यहीं लगाया था और फिर अपने करियर में कई और शतक लगाए। उन्होंने कहा, अगर कोई भी मेरे या सचिन (तेंदुलकर) की तरह भारत के लिए खेलना चाहता है तो मैं सलाह दूंगा कि आपको कड़ी मेहनत करते रहना चाहिए और ऐसा करना कभी नहीं छोड़ना चाहिए क्योंकि सचिन और मैंने बचपन से ही ऐसा किया था। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर को कांबली का अभिवादन करते देखा गया। पूर्व एमसीए अध्यक्ष विजय पाटिल को भी सम्मानित किया गया। सचिन तेंदुलकर, रोहित शर्मा और दिलीप वेंगसरकर जैसे अन्य महान क्रिकेटर भी वानखेड़े स्टेडियम की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर एमसीए के भव्य समारोह का हिस्सा होंगे।

अभी एक सप्ताह तक सर्दी से राहत मिलने की नहीं दिख रही संभावना

दोपहर में अचानक छाए बादल, बढ़ने लगी कनकनी

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को राजधानी रांची सहित झारखंड के विभिन्न इलाकों में कड़ाके की ठंड के बीच अचानक बदलाव देखने को मिला। दोपहर में आसमान में बादल छा गए। मौसम विभाग के मुताबिक, ठंड से फिलहाल राहत मिलने की संभावना नहीं है। अगर न्यूनतम तापमान में ज्यादा गिरावट नहीं आती है, तो एक हफ्ते के बाद ही ठंड से राहत मिल सकती है। इस दौरान सुबह के समय कोहरा और दिन में कनकनी का एहसास जारी रहेगा। इस बीच 14 जनवरी को छोड़ 18 जनवरी तक आसमान में बादल छाए रहेंगे। वहीं न्यूनतम तापमान में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा।

न्यूनतम तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी के बावजूद कम नहीं हुई ठंड

- 18 जनवरी तक सुबह में छाया रहेगा कोहरा
- रांची के न्यूनतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस की हुई बढ़ोतरी
- जगन्नाथपुर में 7.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया न्यूनतम तापमान

कल साफ रहेगा झारखंड का मौसम

मौसम विभाग की मानें तो अगले कुछ दिनों तक सुबह के समय कोहरा छाया रहेगा। इसके बाद दिन में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है, जिससे ठंड और बढ़ेगी। 13 जनवरी को आसमान में बादल रहने की संभावना जताई गई है, जबकि 14 जनवरी को सुबह में कोहरा और दिन में मौसम साफ रहेगा। 15 जनवरी से सुबह में कोहरा और दिन में बादल छाए रहेंगे। यह सिलसिला 18 जनवरी तक जारी रहेगा। राज्य के विभिन्न हिस्सों में ठंड की स्थिति गंभीर बनी हुई है। जगन्नाथपुर में न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जबकि सरायकेला में उच्चतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस रहा। राजधानी रांची में न्यूनतम तापमान 09.6 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 24.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

बिहार में बैंक घोटाले में ईडी ने चार को दबोचा

PATNA : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का राष्ट्रीय जनता दल के विधायक और पूर्व मंत्री रहे आलोक मेहता पर शिकंजा कसता जा रहा है। उनकी कई कंपनियों से जुड़े करोड़ों रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में तफ्तीश के दौरान मिले सबूतों और दर्ज बयानों के आधार पर चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। यह मामला बिहार स्थित वैशाली शहरी कॉरपोरेशन बैंक से करोड़ों रुपये का फर्जीवाड़े का है। इस घोटाले में बैंक के चेयरमैन सहित सीईओ और कई अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध है। इस मामले की तफ्तीश के दौरान मिले सबूतों और दर्ज बयानों के आधार पर चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों में एक को दिल्ली से दूसरे को कोलकाता से और बाकी दो प्रमुख आरोपितों को बिहार से ही गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों में बिहार के वैशाली शहरी कॉरपोरेशन बैंक के सीईओ विपिन तिवारी और उनके ससुर राम बाबू शांडिल्य (पूर्वांचल सहकारिता बैंक के फाउंडर सदस्य) शामिल हैं। इनके अलावा मनी लॉन्ड्रिंग करने में प्राइवेट पर्सन संदीप सिंह की गिरफ्तारी कोलकाता से हुई है जबकि मनी लॉन्ड्रिंग में सहयोगी प्राइवेट पर्सन नितिन मेहरा को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है।

- वैशाली शहरी कॉरपोरेशन बैंक से करोड़ों रुपये के फर्जीवाड़े का मामला
- बैंक के चेयरमैन सहित सीईओ और कई अफसरों की भूमिका संदिग्ध

सेहत की चिंता इंफेक्शन होने पर बेअसर होने लगती हैं एंटीबायोटिक दवाएं

ऑपरेशन होने के बाद खतरनाक होता है सुपरबग का अटैक

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : सेहत संबंधी विकारों को प्रारंभिक तौर पर दवाओं से दूर करने का प्रयास किया जाता है। खांसी, सर्दी, बुखार तथा अन्य छोटी-मोटी बीमारियां दवा खाकर दूर करने की सलाह डॉक्टर देते हैं। एक्सीडेंट की स्थिति में अथवा बहुत बार गंभीर शरीर के भीतर के अंगों में बीमारी होने पर सर्जरी के बिना काम नहीं चलता है। सर्जरी होने के बाद घाव को सूखने के लिए एंटीबायोटिक दवाई दी जाती हैं। इस स्थिति में मरीजों को खुद भी सावधानी बरतनी पड़ती है, ताकि किसी प्रकार का घाव में इंफेक्शन न हो। कई इंफेक्शन से घाव ठीक होने में परेशानी आती है। डॉक्टरों के अनुसार, ऑपरेशन के बाद अगर सुपरबग का अटैक घाव पर हो जाए, तो स्थिति गंभीर हो जाती है।सर्जरी के विशेषज्ञ डॉक्टर बताते हैं कि सुपरबग ऐसे बैक्टीरिया और फंगस हैं, जो मुश्किल से ठीक होने वाले संक्रमण का कारण बनते हैं। अधिकतर सुपरबग ऐसे बैक्टीरिया होते हैं, जिन्होंने एंटीबायोटिक प्रतिरोध विकसित कर लिया होता है।

सर्जरी के बाद मरीजों के घावों में घुसकर संक्रमण फैलाने लगते हैं जीवाणु

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की रिपोर्ट में दी गई है विस्तृत जानकारी

- देश में हर साल 15 लाख मरीज आ रहे हैं इस स्थिति की चपेट में
- प्रत्येक वर्ष छोटी-बड़ी मिलाकर लगभग 3 करोड़ होती है सर्जरी
- सभी तरह की सर्जरी के बाद मरीजों में 5.2% है संक्रमण की दर
- हड्डियों के ऑपरेशन या विच्छेदन के बाद होता है सर्वाधिक 54.2% संक्रमण

सर्जिकल साइट की मुकम्मल देखभाल में कमी

हाल में नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की रिपोर्ट में यह चिंताजनक स्थिति उभर कर सामने आई है कि सर्जरी के बाद होने वाले संक्रमण यानी सर्जिकल साइट संक्रमण (एसएसआई) के कारण देश में हर साल तकरीबन 15 लाख मरीजों के घाव खतरनाक सुपरबग की चपेट में आ रहे हैं। रिपोर्ट में यह विस्तार से जानकारी दी गई है कि सभी तरह के ऑपरेशन के बाद मरीजों में सर्जिकल साइट संक्रमण की दर 5.2 फीसद पाई गई है। देश में हर साल छोटी-बड़ी सर्जरी को मिलाकर करीब तीन करोड़ से अधिक मरीजों के ऑपरेशन होते हैं। सर्वाधिक 54.2 फीसदी संक्रमण हड्डियों के ऑपरेशन या विच्छेदन के बाद होता है।

डेवलप किया गया है डाटाबेस

आईसीएमआर ने अस्पताल में मरीजों के रहने और छुट्टी मिलने के बाद एसएसआई के लिए डाटाबेस विकसित किया है। ऐसा सिस्टम स्थापित करने का भारत में यह पहला प्रयास है। रक्त प्रवाह संक्रमण (बीएसआई), मूत्र पथ संक्रमण (यूटीआई) और वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया (वीएपी) को ध्यान में रखते हुए सर्जरी के बाद होने वाले संक्रमण का जोखिम कम करने में सहायता मिल सकती है।

घटनास्थल से मिले ऑटोमेटिक हथियार

छत्तीसगढ़ में जवानों ने मुठभेड़ में तीन नक्सलियों को किया ढेर

BIJAPUR @ PTI : रविवार को छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में मद्देड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत बंदेपारा-कोरंजेड नेशनल पार्क एरिया में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में तीन वर्दीधारी नक्सलियों को जवानों ने ढेर कर दिया है। सर्चिंग में अब तक तीन वर्दीधारी नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं। मारे गए नक्सलियों के शव के साथ मुठभेड़ स्थल से ऑटोमेटिक हथियार सहित अन्य हथियार एवं विस्फोटक पदार्थ व नक्सल सामाग्री बरामद हुआ है ' बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि मौके से तीन वर्दीधारी नक्सलियों का शव बरामद हुआ है, मारे गये नक्सलियों की पहचान की जा रही है। विस्तृत जानकारी अभियान पूरा होने के बाद पृथक से जारी की जाएगी। पुलिस के अनुसार जिले के नेशनल पार्क के जंगल में नक्स्लियों की उपस्थिति की आसूचना पर सुरक्षा बल की टीम नक्सल विरोधी सर्च अभियान में 11 जनवरी को अभियान पर रवाना हुई थी। सर्चिंग अभियान के दौरान नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के जवानों को अपनी ओर बढ़ता देखकर फायरिंग शुरू कर दी।

मोबाइल चुराने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के चार सदस्य धराए, जेल

बासुकीनाथ पहुंचे जयपुर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस का चुराया था फोन

AGENCY DUMKA : वर्तमान समय में हर हाथ में मोबाइल फोन रहता है और आए दिन मोबाइल चोरी की प्राथमिकी थाना में दर्ज होती है। बहुत कम लोग ऐसे होते हैं, जिसका चोरी हुआ मोबाइल वापस मिल पता है। लेकिन जब किसी वीवीआईपी का मोबाइल चोरी हो जाए तो पुलिस महकमा काफी सक्रिय हो जाती है और मिलों दूर चोर को पकड़ कर मोबाइल बरामद कर लेती है। ऐसा ही एक मामला दुमका में सामने आया है। जब कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच एक जनवरी को पूजा करने बासुकीनाथ पहुंचे जयपुर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के मोबाइल पर चोर ने हाथ साफ कर दिया था। मामला चीफ जस्टिस का था, तो पुलिस भी तत्परता दिखाते हुए बिहार, पश्चिम बंगाल और बांग्ला देश के बॉर्डर से अंतरराज्यीय मोबाइल चोर गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से चीफ जस्टिस का मोबाइल सहित चोरी के कुल आठ मोबाइल फोन पुलिस बरामद करने में सफल रही। गिरफ्तार अपराधियों में साहिबगंज जिला के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के बाबुपुर गांव निवासी शिवदर्शन महतो, आकाश महतो और बिहार के किशनगंज जिला के किशनगंज थाना क्षेत्र के मछमारा गांव निवासी विजय महतो, पश्चिम बंगाल के वर्द्धमान जिला के आसनसोल थाना क्षेत्र के नया क्वार्टर कमरबाग गांव निवासी बिरजु नुनिया शामिल है। मामले में जरमुंडी थाना प्रभारी श्यामानंद मंडल ने रविवार को बताया कि एक जनवरी 2025 को बासुकीनाथ धाम मंदिर में भीड़ भाड़ का फायदा उठाकर चोरों ने राजस्थान से आए जयपुर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के मोबाइल सहित अन्य कई श्रद्धालुओं का मोबाइल चुरा लिया था। इस संबंध में जरमुंडी थाना में मोबाइल चोरी से संबंधित मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पदाधिकारीयों के निर्देश पर अनुसंधान एवं कार्रवाई के लिए छापेमारी टीम का गठन किया गया।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी ● फोटोन न्यूज

साहेबगंज जिला का शामिल था गैंग

तकनीकी साक्ष्य से साहिबगंज जिला के तीन पहाड़ के मोबाइल चोर गैंग की संलिप्तता का पता चला। इसके आधार पर तीन पहाड़ के बाबूपुर गांव से दो मोबाइल चोर को गिरफ्त में लिया गया। इनकी निशानदेही पर बिहार, पश्चिम बंगाल एवं बंगलादेश बार्डर से अपराधियों को गिरफ्तार करते हुए चोरी का मोबाइल फोन बरामद कर लिया गया । गिरफ्तार अपराधियों को न्यायालय में बयान दर्ज कराते हुए जेल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों का आपराधिक इतिहास रहा है। सभी का साहिबगंज के तीन पहाड़ से संबंध रहा है। देवघर एवं बासुकिनाथ मंदिर सहित भीड़-भाड़ वाले इलाकों में लोगों का मोबाइल गायब करने का काम करते थे। चोरी की मोबाइल को साहिबगंज के तीन पहाड़ भेजा जाता था। जहां से विभिन्न राज्यों एवं बांग्लादेश में बेचा जाता था।

जेईई मेन 2025 : सेंटर इंटीमेशन स्लिप जारी

JAMSHEDPUR : नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन-2025 के पहले सेशन की परीक्षा शहर एवं परीक्षा की तिथियां जारी कर दी गई हैं। इस वर्ष जेईई-मेन पहले सेशन के लिए इतिहास में सर्वाधिक 13 लाख 95 हजार विद्यार्थियों ने आवेदन किया है, जो गत वर्ष के मुकाबले एक लाख से अधिक है। वहीं झारखंड से इस वर्ष लगभग 22 हजार से अधिक छात्रों ने आवेदन किया है। राज्य में इस परीक्षा के लिए कुल छह शहरों में केंद्र बनाया गया है। इसमें जमशेदपुर, रांची, धनबाद, हजारीबाग, बोकारो व रामगढ़ शामिल है। इस वर्ष जेईई-मेन जनवरी परीक्षा 22 से 30 जनवरी के मध्य संपन्न होगी, जिसमें 22, 23, 24 व 28 एवं 29 जनवरी को दो शिफ्टों में बीई-बीटेक की परीक्षा एवं 30 जनवरी को एक शिफ्ट में बीआर्क की परीक्षा होगी। इस परीक्षा के सेंटर सिटी इंटीमेशन जारी कर दिए गए हैं, जिसमें स्टूडेंट्स के लिए परीक्षा दिनांक एवं परीक्षा शहर का पता जारी किया जा चुका है।

पुल के नीचे मिला युवक का शव, सड़क किया जाम

- मृतक की पहचान महागामा थाना के जगन्नाथपुर निवासी रंजीत पंडित के रूप में हुई

PHOTON NEWS GODDA : जिले के महागामा-ललमटिया मुख्य मार्ग पर केचुआ चौक के पास एक पुल के नीचे रविवार को एक युवक का शव और बाइक मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृत युवक की पहचान महागामा थाना क्षेत्र के जगन्नाथपुर निवासी रंजीत पंडित (31) के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि रंजीत पंडित शनिवार शाम करीब छह बजे अपनी पत्नी से 10 मिनट में लौटने की बात कहकर घर से निकले थे। जब वे रात तक वापस नहीं लौटे, तो परिवार ने उन्हें ढूंढने की कोशिश की, लेकिन उनका कुछ पता नहीं चला। रविवार सुबह उनकी पत्नी द्रौपदी देवी ने महागामा थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। वहीं रविवार को ही दोपहर करीब तीन बजे पुल के नीचे रंजीत का शव और बाइक मिला। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर एसडीपीओ चंद्रशेखर आजाद, पुलिस निरीक्षक उपेंद्र कुमार महतो, एसआई मनोज पाल पहुंचे और छानबीन शुरू की। घटना को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताते हुए शव को मुख्य मार्ग पर रखकर सड़क जाम कर दिया। पुलिस अधिकारियों के समझाने और कार्रवाई के आश्वासन के बाद करीब डेढ़ घंटे बाद जाम हटाया गया। परिजनों का आरोप है कि रंजीत की हत्या कर शव को पुल के नीचे फेंका गया है, जबकि पुलिस प्रथम दृष्टया इसे सड़क दुर्घटना मान रही है। रंजीत पंडित मूर्तिकार, गायक और अपना डीजे चलाते थे और इन्हीं कार्यों से अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। घटना की सूचना मिलने पर उनकी पत्नी और दो छोटे बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस कई बिंदुओं पर जांच कर रही है।

BRIEF NEWS

कराटे कलर बेल्ट टेस्ट का सफल समापन दिखाई अपनी प्रतिभा

RAMGARH : रामगढ़ शहर के गोरियारीबाग स्थित 'द टेम्पल ऑफ वॉरियर्स' में रविवार को कराटे कलर बेल्ट टेस्ट का समापन हुआ। यह कार्यक्रम शोतोकान कराटे-डो फेडरेशन ऑफ इंडिया और रामगढ़ ब्रांच के संयुक्त तत्वाधान में संचालन आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में आत्मरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उनके शारीरिक एवं मानसिक कौशल का विकास करना था। कार्यक्रम में 150 कराटेकारों ने भाग लिया, जिन्होंने अपनी प्रतिभा और कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। छात्रों की मुख्य प्रशिक्षक मानस सिन्हा (ब्लैक बेल्ट 8वीं डैन) ने ली, जिन्हें तकनीकी सहयोग शिहान नरेंद्र सिन्हा (ब्लैक बेल्ट 7वीं डैन) ने प्रदान किया। आयोजन का समग्र संचालन और मार्गदर्शन शिहान शशि पांडेय (ब्लैक बेल्ट 6वीं डैन) के जरिये किया गया। कार्यक्रम में गुरुद्वारा प्रधान परमदीप सिंह कालरा, रामगढ़ जूडो एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय मेवाड़ आदि ने रेखांकित किया।

गुमटी से 115 ग्राम गांजा बरामद

KODERMA : एसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर रविवार को तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत रेलवे स्टेशन स्थित बजरंगबली मंदिर के समीप एक गुमटी से 115 ग्राम गांजा बरामद किया गया। गांजा के साथ मडवाटांड़ निवासी संतोष कुमार चौधरी को गिरफ्तार किया गया।

जख्मी डीएसपी की हालत में सुधार, जल्द होगी छुट्टी

- डॉक्टर ने किया स्वास्थ्य परीक्षण, रीढ़ की हड्डी में हुआ है माइनर क्रैक ऑपरेशन की जरूरत नहीं

PHOTON NEWS DHANBAD : बाघमारा में हिंसक सड़क में गंभीर रूप से जख्मी हुए डीएसपी पुरुषोत्तम कुमार सिंह की हालत में तेजी से सुधार है। सिर में गंभीर चोट लगने के बाद मिशन अस्पताल दुगार्पुर में उनकी सर्जरी की गई। मिशन अस्पताल दुगार्पुर के डॉक्टरों की मानें तो उनकी स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है।

ब्रेन की सर्जरी के बाद उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। शनिवार को ही वेंटिलेटर से उन्हें आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया है। रविवार को उनके स्वास्थ्य का परीक्षण डॉक्टरों की टीम ने किया। डॉक्टर की मानें तो एक सप्ताह के बाद अस्पताल से उन्हें छुट्टी मिल सकती है। फिलहाल डीएसपी को भोजन में तरल पदार्थ ही दिया जा रहा है।

जिले के अधिकारी दुर्गापुर जाकर मिले

डॉक्टर के अनुसार डीएसपी की रीढ़ की हड्डी में माइनर क्रैक हुआ है। हालांकि इसके लिए उन्हें ऑपरेशन की जरूरत नहीं होगी। डॉक्टर के अनुसार उसके लिए मात्र एक स्टिच करना है। फिलहाल इसके लिए और विचार-विमर्श किया जा रहे हैं। डीएसपी के शरीर में भी फिलहाल मूवमेंट हो रहा है। जिले के प्रशासनिक अधिकारी भी डीएसपी से मिलने दुर्गापुर गए। ज्ञात हो कि पिछले दिनों बाघमारा में हिंसक झड़प के दौरान डीएसपी पर भीड़ ने पथराव कर दिया था। इससे उनके सिर पर गंभीर चोट लगी थी। सिर की हड्डी टूट गई थी और अंदर में खून का थक्का जम गया था।

वाहन जांच में बरामद हुई विदेशी शराब

PALAMU : एसपी के निदेर्शानुसार जिले में लगातार वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार रात को एक बाइक से 4 पेटी विदेशी ब्रांड की बीयर बरामद की गई। पुलिस ने बताया कि रेहला थाना अंतर्गत महावीर मंदिर रेहलाकला के पास वाहन चेकिंग अभियान के दौरान संदिग्ध बाइक को रोकने का प्रयास किया गया। बाइक सवार ने चेकिंग से बचने के लिए भागने का प्रयास किया, जिसे पुलिस दल ने तत्परता दिखाते हुए पकड़ लिया।

राहुल तुरी के शव से मामा ने झाड़ा पल्ला पोस्टमार्टम कराने नहीं पहुंचे भाई-बहन

शनिवार को पुलिस ने मुठभेड़ में मारा था, चली थीं 48 गोलियां

AGENCY RAMGARH : मोस्ट वांटेड अपराधी राहुल तुरी उर्फ आलोक के एनकाउंटर में मौत के बाद परिवार वालों ने उससे अपनी दूरी बना ली। राहुल के मामा गणेश तुरी भुरकुंडा ओपी क्षेत्र के कुर्से गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने सबसे पहले अपना पल्ला झाड़ा है। उन्होंने कहा कि भांजे राहुल से उसका कोई लेना देना नहीं है। ना ही उनकी बहन संगीता देवी और उनके बच्चों से उनका कोई लेना देना है। पुलिस जब उन्हें पोस्टमार्टम हाउस के पास बुलाई तो वे वहां पहुंचे और राहुल के परिवार वालों से अपना नाता तोड़ने की बात स्वीकार की। उन्होंने कहा कि वह ना तो राहुल तुरी का शव स्वीकार करेंगे और ना ही वह उसके अंतिम संस्कार में शामिल होंगे। कहते हैं बेटा कितना बड़ा भी अपराधी हो, मां की ममता कम नहीं होती। बेटे की मौत की सूचना पाकर राहुल की मां संगीता देवी अपनी बहन के साथ रामगढ़ पहुंची। उन्होंने पोस्टमार्टम हाउस के बाहर जमीन पर बैठकर बिलखना शुरू किया। लेकिन उनका साथ देने वाला कोई नहीं था। मूल रूप से बालूमाथ की रहने वाली संगीता देवी वर्तमान में रांची जिले के खलारी क्षेत्र में रहती हैं। दूसरे के घरों में झाड़ू, पोछा और बर्तन धोकर वह अपना पेट पाल रही हैं। लेकिन जब बेटे की मौत की खबर उनके कानों में पहुंची, वह सब छोड़कर यहां आ गई। लेकिन उनके सामने एक बड़ी विडंबना यह थी कि उनके बेटे के अंतिम संस्कार में कोई भी शामिल होने को तैयार नहीं था। यहां तक की उनके गांव समाज के लोगों ने पहले ही उनका बहिष्कार कर रखा था। बिलखती हुई मां ने कहा कि बाप बेटे ने मिलकर पूरा परिवार बर्बाद कर दिया है। उनके तीन बच्चों की जिंदगी नर्क बन गई थी। राहुल तो चला गया, शेष दो बच्चों की जिंदगी अब पहाड़ की तरह ही कटेगी। राहुल के शव का पोस्टमार्टम हो रहा था, तब मां तो पहुंच गई, लेकिन उसकी बहन बरखा और छोटा भाई सत्यम नहीं आया।

पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

बेटियों ने निभाया बेटे का फर्ज पिता की अर्थी को दिया कंधा

PHOTON NEWS CHATRA : समाज में बेटियां अब हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। घर की देहरी लांघकर पुरुष के कंधा से कंधा मिलाकर समाज को आगे बढ़ा रहे हैं। गांव समाज में अंतिम संस्कार, श्मशान घाट से लेकर कर्मकांड तक पुरुषों का वर्चस्व रहा है। अब महिलाएं भी आगे आकर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला रहे हैं।

पत्थलगडा प्रखंड के सिंघानी में एक बुजुर्ग का कोई बेटा नहीं था ऐसे में देहांत होने के बाद उनकी तीनों बेटियों ने कंधा देकर पुत्र का फर्ज निभाया है। बेटियों के इस दायित्व का आसपास के लोगों ने सराहना की है।

गांव के बुजुर्ग महावीर बैठा की तीन पुत्रियां हैं। कोई भी पुत्र नहीं रहने के कारण जब कंधा देने के लिए कोई सामने नहीं आया तो बेटियों ने अर्थी को कंधा ही नहीं दिया बल्कि गांव के कहुआ घाट शवयात्रा में भाग भी ली। रविवार को बुजुर्ग की बेटी शकुंतला देवी, दिप्ती देवी और डिम्पल देवी के साथ उनकी भतीजी और अन्य महिलाओं के साथ ग्रामीण भी शव यात्रा में भाग लिए। दिवंगत के भतीजा वशिष्ठ रजक ने मुखाग्नि दी। जब कंधा देने के लिए महावीर बैठा की बेटियां आगे आईं तो गोतिया परिवार सहित गांव के अन्य लोग भी सामने आ गये और सामाजिक रीति रिवाज से अग्नि संस्कार का रश्म पूरा हुआ । महिलाओं के इस कदम की आसपास के लोग काफी सराहना और चर्चा कर रहे हैं।

अर्थी को कंधा देतीं बेटियां ● फोटोन न्यूज

वाहन चालक किए गए जागरूक

KODERMA : पुलिस अधीक्षक, कोडरमा के नेतृत्व में रविवार को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। इसमें एसपी ने लोगों को वाहन चलाने समय हेलमेट और सीट बेल्ट पहनने का महत्व बताया। यातायात नियम का पालन करने वाले चालकों को गुलाब फूल भेंट किया गया। अभियान में पुलिस उपाधीक्षक (प्रशासन) कोडरमा एवं जिला परिवहन पदाधिकारी की टीम भी मौजूद थी।

बंद हुआ भूली रेलवे फाटक ओवरब्रिज से परिचालन शुरू

PHOTON NEWS DHANBAD : भूली रेलवे फाटक अब हमेशा के लिए बंद हो गया है। इसके बगल में बनाए गए रेलवे ओवरब्रिज से आम लोगों का आवागमन शुरू कर दिया गया है। ओवरब्रिज का स्थानीय लोगों को लंबे समय से खुलने का इंतजार था। नए वर्ष पर लोगों को ओवरब्रिज का उपहार मिला है। स्थानीय लोगों में इससे काफी खुशी है। इधर रेलवे प्रबंधन में रेलवे फाटक के दोनों और बैरियर लगाकर इसे पूरी तरह से बंद कर दिया है। जल्द ही रेलवे की ओर से आधिकारिक उद्घाटन भी किया जाएगा।

रेलवे फाटक पर करना पड़ता था इंतजार : हावड़ा-दिल्ली रेलवे लाइन होने की वजह से भूली रेलवे फाटक पर काफी देर लोगों को इंतजार करना पड़ता था। व्यस्त रेलवे लाइन होने के कारण अक्सर लोग फाटक के पास खड़े रहते थे। सबसे ज्यादा परेशानी मरीज को ले जा रहे एंबुलेंस को होती थी। कई बार रेलवे फाटक भी तकनीकी वजह से खराब हो जाती थी। इसे लेकर अक्सर हो हंगामा भी होता था। लेकिन अब इन सभी समस्याओं से लोगों को निजात मिल गई है।

भूली से केंदुआ व रांची जाना हुआ आसान : भूली से गोधर लगभग 4 किलोमीटर की दूरी पर है। ओवरब्रिज बनने के बाद अब यहां भारी वाहन भी आवागमन कर सकते हैं।

अब जल्द कुसुंडा रेलवे फाटक के पास भी सड़क की मरम्मत कराई जाएगी। इससे भूली से केंदुआ होते रांची जाने का रास्ता भी सुगम होगा। कई भारी वाहन को शहर आने से बचेंगे, भूली के रास्ते ही राष्ट्रीय उच्च पथ जा सकते हैं।

बंद पड़ा रेलवे फाटक ● फोटोन न्यूज

प्रबंधन ने शुरू की तैयारी, सोमवार को सफेद, मंगलवार को गुलाबी, बुधवार को दी जाएगी हरे रंग की बेडशीट

सदर अस्पताल के मरीजों को हर दिन मिलेगी रंगीन चादर

PHOTON NEWS DHANBAD: सरकारी अस्पतालों में सबसे बड़ी शिकायत मरीजों के बेड पर चादर नहीं बदलने की होती है। अस्पताल में चार से पांच दिनों तक एक ही चादर मरीज के पास रह जाते हैं, लेकिन अब सदर अस्पताल धनबाद में नई व्यवस्था शुरू होने वाली है। इस व्यवस्था के तहत सप्ताह के सात दिन मरीजों को अलग-अलग रंग के चादर दिए जाएंगे। हर दिन के हिसाब से अलग-अलग रंग के बेडशीट मिलेंगे।

इस दिशा में अस्पताल प्रबंधन ने तैयारी शुरू कर दी है। अस्पताल के नोडल प्रभारी डॉ. राजकुमार सिंह ने बताया कि हर दिन मरीजों को अलग-अलग रंग के चादर दिए जाएंगे। वार्ड के बाहर बोर्ड पर भी हर दिन कौन-कौन से रंग के चादर दिए जाएंगे, इसका उल्लेख होगा। इसके पीछे का कारण यह है कि जिस दिन बेड नहीं बदला जाएगा, उस दिन यह पता चल जाएगा कि मरीज गंदे बेड पर है।

सदर अस्पताल की फाइल फोटो

7 दिन में अलग-अलग रंग की होंगी चादर

उन्होंने बताया कि सोमवार को सफेद, मंगलवार को गुलाबी, बुधवार को हरा, गुरुवार को पीला, शुक्रवार को बैंगनी, शनिवार को नीला और रविवार को हल्के भूरे रंग की चादर बिछाई जाएंगी। हर दिन सुबह में मरीजों के चादर बदले जाएंगे। दूसरे दिन फिर दूसरे रंग की चादर दी जाएगी। मरीज को पूरी तरीके से साफ चादर उपलब्ध कराई जाएगी।

सभी मेडिकल कॉलेजों में भी शुरू होनी है व्यवस्था

स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव ने सरकारी अस्पताल सहित सभी मेडिकल कॉलेज को भी निर्देश देकर हर दिन रंगीन चादर देने को कहा है। इसकी शुरुआत पहले सदर अस्पताल से की जा रही है। धीरे-धीरे यह व्यवस्था मेडिकल कालेज पर भी लागू होगी। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में फिलहाल 570 बेड हैं, जबकि सदर अस्पताल में 100 बेड है।

इस माह रिटायर हो जाएंगे मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य समेत पांच प्रोफेसर

DHANBAD : शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज-अस्पताल के प्राचार्य समेत पांच प्रोफेसर 31 जनवरी को रिटायर हो रहे हैं। रिटायर होने से प्राचार्य समेत कई विभागों के प्रोफेसर के पद खाली हो जाएंगे। इस संबंध में मेडिकल कॉलेज प्रबंधन में मुख्यालय को पत्र लिखकर प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर की बहाली की मांग रखी है। 31 जनवरी को मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. केके लाल, सर्जरी विभाग के प्रोफेसर डॉ. तारक बाखला, प्रोफेसर डॉ. ज्योति रंजन प्रसाद, नाक कान गला रोग के डॉ. आशुतोष कुमार और सर्जरी के प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार सेवानिवृत हो जाएंगे। इसके बाद यह सभी पद खाली हो जाएंगे।

मेडिकल कॉलेज का कौन बनेंगे प्राचार्य, शुरू हुई खोज : मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. लाल के रिटायर होने से पहले स्वास्थ्य विभाग ने नए प्राचार्य की खोज शुरू कर दी है। इसके लिए मेडिकल कॉलेज से भी कई नाम भेजे जा रहे हैं, जबकि दूसरे मेडिकल कॉलेज से भी यहां प्राचार्य के आने की संभावना है। फिलहाल मुख्यालय रांची में इसे लेकर तैयारी हो रही है। डॉ. लाल यहां मात्र 5 महीने ही प्राचार्य के पद पर रहे। वह 31 जनवरी को पूरा हो रहा है।

मेडिकल कॉलेज में 30 प्रतिशत शिक्षकों की कमी : फिलहाल मेडिकल कॉलेज में 30 प्रतिशत प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर की कमी है। 100 एमबीबीएस सीट के लिए यहां शिक्षकों के 189 पद सृजित किए गए हैं, लेकिन 30 प्रतिशत शिक्षक नहीं हैं। इसके साथ ही यहां सीनियर रेजिडेंट और जूनियर रेजिडेंट के भी 20 प्रतिशत पद खाली हैं। प्राचार्य डॉक्टर डॉ. लाल ने बताया कि जल्द शिक्षकों की बहाली की जाएगी। वहीं, मुख्यालय रांची अनुबंध के आधार पर रिटायर होने वाले शिक्षकों की सेवा ले सकता है, इसकी भी तैयारी हो रही है।

पुलिस ने 7 एकड़ में अफीम की खेती को किया नष्ट

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिला पुलिस ने बदंगांव थाना क्षेत्र के ग्राम कोनसिया गांव में लगभग 7 एकड़ में लगी अफीम की खेती को नष्ट कर दिया। पुलिस अफीम की खेती में शामिल लोगों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने खेत में ट्रैक्टर चला कर फसल को पूरी तरह खत्म कर दिया।

श्री श्याम मंदिर पहुंचे सांसद मनीष जायसवाल, हुआ भव्य स्वागत

सांसद का स्वागत करते लोग ● फोटोन न्यूज

RAMGARH : रामगढ़ शहर के नेहरू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में रविवार को सांसद मनीष जायसवाल पहुंचे। यहां उन्होंने श्री बाबा के दरबार में मत्थाटेक कर क्षेत्र की जनता की खुशहाली की कामना की। मंदिर के निर्माण कार्य को देखकर उन्होंने प्रशंसा की। इसके बाद उन्होंने मंदिर का निरीक्षण कर ट्रस्ट के पदाधिकारी को भरोसा दिलाया कि मंदिर के लिए जो भी सहयोग यथासंभव जो भी होगा पूरा कराया जाएगा। इस दौरान श्री श्याम सेवा ट्रस्ट समिति ने उन्हें प्राण प्रतिष्ठा में उपस्थित होने का निमंत्रण दिया।इस अवसर पर श्री श्याम सेवा समिति ट्रस्ट के अध्यक्ष सांवर कुमार अग्रवाल, सचिव अनिल कुमार गोयल, उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, भवन निर्माण मंत्री रमेश कुमार अग्रवाल, कमल बगड़िया जी, सुशील गर्ग जी, शिव कुमार अग्रवाल, दीपक मंगलम, शंभू अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, श्री श्याम परशुरामपुरिया, बाल किशन जलान, इंद्र अग्रवाल सहित अन्य शामिल थे।

BRIEF NEWS

राकेश सिंह बने कांके विधायक के प्रतिनिधि

RANCHI : कांके विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेश बैठा ने कांग्रेस पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता राकेश सिंह को आई एवं ई-गवर्नेंस विभाग का विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया। यह नियुक्ति राकेश सिंह द्वारा पिछले 18 वर्षों से कांग्रेस पार्टी के प्रति निष्ठा, सक्रियता और 2024 के झारखंड विधानसभा चुनाव में कांके क्षेत्र से जीत में महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए की गई है। राकेश सिंह ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। विधायक प्रतिनिधि के रूप में मैं अपनी पूरी जिम्मेदारी निभाऊंगा और क्षेत्र के लोगों की सेवा करूंगा। वहीं झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष कुमार रोशन ने कहा कि यह हमारे क्षेत्र के लिए गर्व का पल है

रश्मि प्रकाश बनीं राजद की प्रदेश महिला अध्यक्ष

RANCHI : झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने पार्टी मुख्यालय में रश्मि प्रकाश को प्रदेश महिला अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया। इस अवसर पर राजद महासचिव एवं मीडिया प्रभारी कैलाश यादव भी मौजूद थे। संजय सिंह यादव ने रश्मि प्रकाश को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए कहा कि वह एक सक्रिय और सक्षम नेता हैं। उन्होंने पिछले विधानसभा चुनाव में चतरा विधानसभा से राजद के प्रत्याशी के रूप में अपनी उम्मीदवारी प्रस्तुत की थी। इस चुनाव में उन्होंने लोजपा उम्मीदवार जनार्दन पासवान को कड़ी टक्कर दी। राजद महासचिव कैलाश यादव ने बताया कि रश्मि प्रकाश एक शिक्षित, कर्मठ और संघर्षशील नेता हैं।

ठगी का अरोपी मुंबई में बेच रहा था चाउमीन, अरेस्ट

RANCHI : राजधानी रांची में 22 लाख 50 हजार रुपये की ठगी करने वाला फरार हो गया था। इसके बाद मुंबई में चाउमीन बेच रहा था। सूचना मिलने पर आरोपी रविंद्र राणा को रांची पुलिस ने मुंबई से अरेस्ट कर लिया है। रांची के सुखदेव नगर पुलिस में मुंबई में छापेमारी कर ठगी के आरोपी रविंद्र राणा को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को सुखदेव नगर पुलिस ने टेक्निकल सेल की मदद से मुंबई से गिरफ्तार किया है। सुखदेव नगर थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि आरोपी सुखदेव नगर इलाके में एचआर एंटरप्राइजेज नाम की दुकान चलाता था।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के महासम्मेलन को राज्यपाल ने किया संबोधित

पूर्व सैनिकों का जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पण अनुशासन व सेवा भावना का प्रतीक : गवर्नर

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार रांची स्थित गुरुनानक स्कूल सभागार में आयोजित अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के 'पूर्व सैनिक महासम्मेलन' में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिक राष्ट्र के प्रति समर्पण, अनुशासन और सेवा भावना के प्रतीक होते हैं। उनका योगदान समाज और राष्ट्र के लिए अनुकरणीय है, जो हमेशा प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्व सैनिकों ने सीमा पर अपनी जान की बाजी लगाकर देश की रक्षा की है। उनका अनुशासन, साहस और समर्पण हम सभी के लिए मार्गदर्शन है। उन्होंने परिषद की सराहना करते हुए कहा कि इस संस्था ने वीर सैनिकों को एकजुट किया है, जिससे वे समाज और राष्ट्र की सेवा में निरंतर योगदान दे सकते हैं।

गुरुनानक स्कूल में आयोजित दो दिवसीय महासम्मेलन संपन्न, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने भी कार्यक्रम में लिया हिस्सा

कार्यक्रम में भाग लेते राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार व अन्य। ● फोटोन न्यूज

प्राकृतिक आपदा में भी भूमिका अहम

पूर्व सैनिकों के योगदान का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने बताया कि उनका योगदान सिर्फ युद्धक्षेत्र तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि प्राकृतिक आपदा जैसे हालात में भी उनकी भूमिका अहम रही है। 1965, 1971 और कारगिल युद्ध जैसी ऐतिहासिक घटनाओं के साथ-साथ प्राकृतिक आपदाओं में सहायता और दूरदराज क्षेत्रों में सामाजिक उत्थान में उनकी भूमिका अद्वितीय है। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लागू की गई वन रैंक, वन पेंशन योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इससे पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को वित्तीय स्थिरता मिली है, जो सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

देशभर में फैला है संगठन

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल वीके चतुर्वेदी ने कहा कि हमारा संगठन देश भर में फैला है। इसके माध्यम से पूर्व सैनिकों और वीर मातृ शक्तियों को मदद पहुंचाई जा रही है। देशभर के कॉलेज और विश्वविद्यालय में नए जेनरेशन से संपर्क कर उनको भारत की विरासत, धरोहर, संघर्ष की क्षमता और राष्ट्र निर्माण के बारे में जानकारी दे रहे हैं। परिषद के अध्यक्ष कर्नल अखौरी रंजन सिंह ने संगठन की कार्य प्रणालियों पर प्रकाश डाला और झारखंड में संगठन का विस्तार करने की बात कहीं। उन्होंने पूर्व सैनिकों और मातृशक्तियों की परेशानियां के बारे में भी जानकारी देते हुए उसका समाधान करने की बात कहीं। इस अवसर पर जीओसी 23 माउंटेन डिविजन मेजर जनरल परमवीर सिंह डागर, संगठन के वरीय उपाध्यक्ष 2022 मार्शल एचपी सिंह, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद मातृशक्ति संयोजक माया कौल, कर्नल पीतांबर झा, राजेश पांडे समेत झारखंड राज्य के 10 जिलों से पूर्व सैनिक और मातृशक्ति उपस्थित थी।

समाज की प्रगति में सहायक

राज्यपाल ने आगे कहा कि पूर्व सैनिकों का अनुशासन और नेतृत्व कौशल अब विभिन्न क्षेत्रों में समाज की प्रगति में सहायक बन सकता है, जैसे कि शिक्षा, ग्रामीण विकास और आपदा प्रबंधन। उन्होंने यह भी जोर दिया कि पूर्व सैनिकों के बच्चों की शिक्षा, परिवार की सुरक्षा और रोजगार के अवसर सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। राज्यपाल ने बताया कि यह संगठन अब राज्य के 11 जिलों में सक्रिय है।

देश की सेवा के लिए तैयार

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि पूर्व सैनिकों में राष्ट्र प्रथम होता है। देश पर जब भी कोई संकट आता है तो पूर्व सैनिक भी सेवा देने को तैयार रहते हैं। यह भावना उनमें कूट-कूट कर भरी रहती है कि राष्ट्र प्रथम है। केंद्र सरकार पूर्व सैनिकों के कल्याण एवं उनके उत्थान के लिए संकल्पित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सैनिकों को मान सम्मान देने का काम किया है। वीर सैनिकों को आदर भाव से सम्मानित किया है। साथ ही कहा कि पूर्व सैनिकों की समस्याओं पर केंद्र सरकार गंभीर है और जल्दी उन समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

हिंदपीढ़ी इलाके से लापता दो सगी बहनों के अपहरण की आशंका

PHOTON NEWS RANCHI : हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र की रहने वाली दो नाबालिग लड़कियां शनिवार की शाम से गायब हैं। पुलिस और मोहल्ले वाले दोनों नाबालिग लड़कियों की तलाश में जुटे हुए हैं। सोशल मीडिया सहित दूसरे प्लेटफार्म पर भी दोनों की तस्वीर जारी कर जानकारी साझा करने का आग्रह किया गया है। वहीं, दूसरी तरफ परिजनों ने अपहरण की आशंका जताते हुए हिंदपीढ़ी थाने में मामला दर्ज करवाया है। रांची के हिंदपीढ़ी ग्वाला टोली की दो नाबालिग लड़कियां अपने घर से अचानक गायब हो गई है। लड़कियों के परिजनों का आरोप है कि एक ऑटो चालक के द्वारा दोनों का अपहरण कर लिया गया है। मामला सामने आने के बाद रांची पुलिस दोनों लड़कियों की तलाश में जुटी हुई है। युवतियों की पहचान रहनुमा प्रवीण (20) और अमरीना असगर (18)

के रूप में हुई है। परिजनों के द्वारा बताया गया है कि दोनों नाबालिग लड़की शनिवार को आधार कार्ड ठीक कराने के लिए अपने घर से कांटाटोली स्थित मंगल टावर गयी थी। लड़की के परिजनो में बताया कि दोपहर एक बजे आधार कार्ड ठीक कराने के बाद दोनों लड़कियां एक ऑटो से हिंदपीढ़ी स्थित अपने घर जाने के लिए बातचीत की। इस बीच ऑटो चालक ने दोनों लड़कियों को हिंदपीढ़ी पहुंचाने के बजाय दूसरे मार्ग में ले गया। दोनों लड़कियों को संदेह हुआ तो उनमें से एक ने अपने पिता को फोन कर घटना की जानकारी दी। पिता ने बताया कि बातचीत होने के दौरान चालक ने उनकी बेटियों से मोबाइल छीन लिया। इसके बाद दोनों बेटियों से उनकी बातचीत नहीं हुई। घटना की जानकारी मिलने के बाद हिंदपीढ़ी, सदर थाना और खादगढ़ा टीओपी की पुलिस दोनों लड़कियों की खोजबीन में जुटी हुई है। रांची के कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि दोनों लड़कियों की तलाश की जा रही है।

प्रशिक्षण के दौरान प्रखंड की समस्याओं को आईएएस अधिकारी ने जाना

RANCHI : रविवार को कांके प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य पांडेय की भारतीय प्रशासनिक सेवा की एक माह प्रशिक्षण अवधि पूरे होने पर विदाई दी गई। आदित्य पांडेय ने प्रखंड विकास पदाधिकारी का प्रभार विजय कुमार को सौंपा। पांडेय स्वतंत्र रूप से एक माह कांके प्रखंड में बीडीओ के पद पर कार्य किए। उन्होंने कहा कि अल्प समय में ग्रामीणों से कार्यालय में तथा क्षेत्र में मिलकर समस्याओं को जाना और त्वरित निष्पादन के कार्य का अनुभव प्राप्त किया। ग्रामीण क्षेत्रों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को प्रतियोगिता हेतु तैयारी के लिए पुस्तकालय में अच्छी पुस्तकों की उपलब्धता तथा अच्छा माहौल बनाने की आवश्यकता है। मौके पर जिला से परियोजना पदाधिकारी डॉक्टर ऋतुराज सहित प्रखंड के कर्मी पशुपालन पदाधिकारी सुदीप्ता बरियार, प्रखंड सांख्यिकी पर्यवेक्षक रंजन गुप्ता, प्रखंड कृषि पदाधिकारी नंदेश्वर दास आदि उपस्थित थे।

पंचायत सचिवालय में रहें पंचायतों के सचिव, कांग्रेस ने उठाई मांग

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को कांग्रेस भवन में राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक हुई। इसमें पंचायत सचिवालय में पंचायत सचिवों के रहने की मांग उठाई गई। बैठक में झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने 73 और 74वें संविधान संशोधन के तहत पंचायत राज और नगर निकाय व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा देने के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के योगदान की सराहना की और आरजीपीआरएस के सभी सदस्यों को जमीनी स्तर पर कार्य करने के लिए बधाई दी। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी श्रीवेला प्रसाद ने नगर निकाय चुनाव की तैयारियों पर चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं को सक्रिय रहने की सलाह दी और कुछ टास्क भी सुझाए।

बैठक में शामिल कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

नियमावली में संशोधन का देंगे सुझाव

इसके बाद राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुनीत शर्मा ने बताया कि संगठन जल्द ही पंचायती राज मंत्री से मुलाकात करेगा और पंचायत सचिवालय में पंचायत सचिवों को रखा जाए, इस संबंध में सरकार का ध्यान आकर्षित किया जाएगा। इससे पंचायत सचिवों को मिलने वाले मकान किराया भत्ते में बचत होगी। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि झारखंड पंचायती राज नियमावली 2001 में संशोधन के लिए कुछ सुझाव सरकार के सामने रखे जाएंगे, ताकि त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था के जनप्रतिनिधियों को अधिक लाभ मिल सके। डॉ. प्रदीप कुमार बालमुचू ने इस संगठन को कांग्रेस की नींव बताते हुए कहा कि यह संगठन अपने दायित्वों को बखूबी निभा रहा है। बैठक में सतीश पॉल मुजनी, रियाजुल अंसारी, डॉ. अमित झा, जॉनसन मिंज, अंजनी रंजन, ज्ञान सिंह दोरायबुरू, रितेश तामसोय, समीर सुंडी, त्रिभुवन, फणीश्वर नाथ नीलेश, देवलाल कुमार, संतोष राय, पवन कुमार, विवेक विशाल, योगेंद्र यादव, कंचन देवी, अमृतेश कुमार, आनंद कुमार और अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

ठंड से बचाव के लिए अमन यूथ सोसाइटी ने गरीबों में बांटे कंबल

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को अमन यूथ सोसाइटी और निवर्तमान वार्ड 22 की पार्षद नाजिया असलम के सौजन्य से ठंड से बचाव के लिए गरीबों व जरूरतमंद लोगों में कंबल वितरण किया गया। यह कार्यक्रम अमन कम्युनिटी हॉल में हुआ। इसमें बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। पूर्व वार्ड पार्षद और अमन यूथ सोसाइटी के संरक्षक मो असलम ने कहा कि एक सप्ताह पहले नगर निगम के द्वारा वार्ड पार्षद के माध्यम से 140 कंबल का वितरण किया गया था, जो इतनी बड़ी आबादी के लिए पर्याप्त नहीं थे। इसीलिए हमने सोचा कि सर्दी बढ़

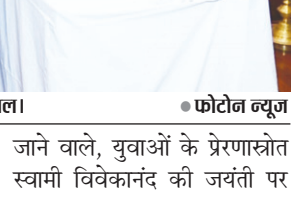

रही है और गरीबों को ठंड से बचाने के लिए कंबल वितरण करना जरूरी है। इस उद्देश्य से आज गरीबों, वृद्धों और जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए। कंबल प्राप्त करने के बाद लोगों ने मो असलम और अमन यूथ सोसाइटी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की शुरूआत महिला सामाजिक कार्यकर्ता हुस्ना बेगम ने महिलाओं को कंबल देकर की।

दबोचा गया टीएसपीसी का एरिया कमांडर सुनील मुंडा

RANCHI : राजधानी रांची में स्प्लिंटर ग्रुप के खिलाफ पुलिस ने एक्शन तेज कर दिया है। इस कड़ी में उग्रवादी संगठन टीएसपीसी के एरिया कमांडर सुनील मुंडा सहित दो को गिरफ्तार किया गया है। सुनील मुंडा उर्फ भरतजी हाल के दिनों में रांची के ग्रामीण इलाके में आतंक का पर्याय बना हुआ था। गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से कई हथियार भी बरामद किए गए हैं। रांची के बुढ़मू, खलारी, ठाकुरगांव और मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्रों में काम करने वाले कारोबारियों के लिए दहशत का पर्याय बने टीएसपीसी के एरिया कमांडर भरतजी को रांची पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

नेशनल खेलने नहीं जाएगी झारखंड की स्क्वैश टीम, नाम हटाने से खिलाड़ी निराश

PHOTON NEWS RANCHI : उत्तराखंड में खेले जाने वाले स्क्वैश चैंपियनशिप के लिए अब झारखंड से टीम नहीं जाएगी। सेलेक्शन ट्रायल के बाद खिलाड़ियों को नहीं भेजने को लेकर एसोसिएशन ने एक पत्र जारी किया है। अब केवल एक खिलाड़ी को नेशनल लेवल पर परफार्मेंस रैंकिंग का हवाला देते हुए चैंपियनशिप में खेलने के लिए बुलाया गया है। इससे बाकी के चुने गए खिलाड़ी निराश हैं। खिलाड़ियों का कहना है कि झारखंड की टीम नेशनल लेवल पर अब आगे नहीं खेल पाएगी। इससे वे लोग आने वाले टूर्नामेंट में

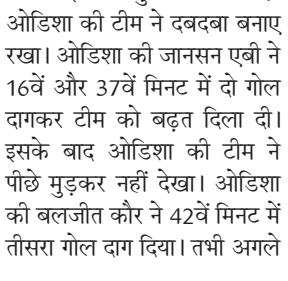

भी पार्टिसिपेट नहीं कर सकेंगे। चूंकि उनके पास नेशनल में खेलने का अनुभव भी नहीं होगा। इसी के आधार पर नेशनल टीम में जगह मिलती है। वहीं इस मामले में स्क्वैश के स्टेट सेक्रेटरी वरूण कुमार ने कहा कि नेशनल चैंपियनशिप में पार्टिसिपेट करने वालों की रैंकिंग के आधार पर खिलाड़ियों को चुना जाता है। इसमें केवल एक खिलाड़ी को नेशनल कमिटी ने बुलाया है। हालांकि वह नेशनल खेलने वाली 32 खिलाड़ियों वाली टीम में नहीं है। 30 दिसंबर 2024 को झारखंड राज्य स्क्वैश टीम के सेलेक्शन के लिए ट्रायल का आयोजन रांची के क्रॉस कोर्ट में हुआ था। ट्रायल झारखंड स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में रांची जिला स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन ने आयोजित किया था। ट्रायल में राज्य भर के 50 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया था।

जिला स्कूल मैदान में राष्ट्रीय पुस्तक मेला की तैयारियां शुरू

RANCHI : झारखंड की शैक्षिक और सांस्कृतिक नगरी रांची के जिला स्कूल मैदान में रविवार को भूमि पूजन के साथ लगने वाले 10 दिवसीय राष्ट्रीय पुस्तक मेला की तैयारियां जोरझशोर से शुरू हो गई हैं। यहां 17 से 26 जनवरी तक पुस्तक मेले का आयोजन किया जायेगा। यहां एक ही छत के नीचे हर आयु वर्ग के पाठकों के लिए हिन्दी, अंग्रेजी की पुस्तकें उपलब्ध होंगी। समय इंडिया, नई दिल्ली किताबों को पाठकों से जोड़ने की मुहिम के तहत यह पुस्तक मेला लेकर आया है। पुस्तकों से रूबरू होने की समयावधि प्रातः 11 बजे से रात 7.30 बजे तक की होगी।

स्मरण : राज्यपाल संतोष गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया नमन

जयंती पर याद किए गए स्वामी विवेकानंद

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को राजधानी रांची में स्वामी विवेकानंद की जयंती पर कई कार्यक्रम आयोजित हुए। उन्हें नमन किया गया। इस मौके पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विवेकानंद की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन किया है। राज्यपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर रविवार को लिखा है कि सभी देशवासियों को राष्ट्रीय युवा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। साथ ही कहा है कि स्वामी विवेकानंद के आदर्श हमें सिखाते हैं कि हर युवा के भीतर बदलाव लाने की शक्ति है। आइए, इस दिन पर हम अपनी जिम्मेदारियों को समझें और एक समृद्ध, शक्तिशाली और

स्वामी विवेकानंद को नमन करते राज्यपाल। ● फोटोन न्यूज

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का संकल्प लें। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर रविवार को लिखा है कि देश की समृद्ध संस्कृति को विश्व पटल पर ले जाने वाले, युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद की जयंती पर शत-शत नमन। आज राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर सभी को बधाई, शुभकामनाएं और जोहार।

बाबूलाल मरांडी सहित अन्य नेताओं ने किया याद

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी सहित अन्य नेताओं ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें नमन किया है। मरांडी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि महान युगद्रष्टा और युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें सादर नमन। साथ ही राष्ट्रीय युवा दिवस की आप सभी को शुभकामनाएं। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने युग प्रवर्तक, हिंदू, हिंदुत्व और हिंदुस्तान को दुनिया में प्रतिष्ठित करने वाले, आध्यात्मिक गुरू और युवाओं से प्रेरणापुंज स्वामी विवेकानंद की जयंती पर कोटिशः प्रणाम किया है। उन्होंने सभी को राष्ट्रीय युवा दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने

भी सोशल मीडिया पर स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें नमन किया है। उन्होंने कहा है कि युवाओं के प्रेरणास्रोत एवं महान विचारक स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन। उन्होंने कहा कि आज राष्ट्रीय युवा दिवस पर युवाओं को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों और सिद्धांतों का अनुसरण करते हुए अपनी प्रतिभा एवं ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग कर देश तथा समाज की प्रगति में योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए।

महिला हॉकी इंडिया लीग मैच में ओडिशा ने दिल्ली को 4-0 से हराया

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को मोरहाबादी स्थित जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में महिला हॉकी इंडिया लीग का शानदार आगाज हुआ। मैच को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह देखने को मिला। शाम से ही दर्शकों की एंट्री शुरू हो गई थी। रंगारंग कार्यक्रम के बीच पहला मैच दिल्ली एसजी पाइपर्स और ओडिशा वॉरियर्स के बीच खेला गया। इसमें शुरूआत से ही ओडिशा की टीम ने दबदबा बनाए रखा। ओडिशा की जानसन एबी ने 16वें और 37वें मिनट में दो गोल दागकर टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद ओडिशा की टीम ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। ओडिशा की बलजीत कौर ने 42वें मिनट में तीसरा गोल दाग दिया। तभी अगले

● जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में खेला गया पहला मैच ● मैच का उद्घाटन सीएम हेमंत की पत्नी कल्पना सोरेन ने किया

मिनट में फ्रीक मोइस ने 43वें मिनट में एक और गोल कर टीम को 4-0 की बढ़त दिला दी। ओडिशा की टीम के 4-0 से आगे होने के बाद दिल्ली की टीम ने पूरा जोर लगाया। लेकिन, एक भी गोल नहीं कर पाई। लीग का उद्घाटन सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने किया। उन्होंने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि झारखंड को हॉकी के लिए जाना जाता है। यहां की बेटियां हॉकी में नाम रोशन कर रही हैं। इस दौरान आतिशबाजी ने सभी का दिल जीत लिया। पूरा स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा हुआ था।

शहरनामा

वीरेंद्र ओझा

कुर्सी पर रखा रुमाल

अब तक हम यही जानते थे कि ट्रेन या बस में लोग रुमाल रखकर कहीं टहल आते थे, लेकिन राजनीति में भी किसी सीट या कुर्सी पर रुमाल रखा जाता है, अब पता चल रहा है। अपने सूबे में इस बात की जोरों से चर्चा हो रही है कि कोल्हान की दो सीटों पर रुमाल ही रखा गया था, जिस पर असली दावेदार बैठने वाला है। अब असली दावेदार कब बैठेगा, यह कहना मुश्किल है। छह माह या एक वर्ष भी लग सकते हैं।

आपको बता दें कि जिसकी चर्चा हो रही है, उसमें दोनों सीट अपने सगे के लिए रखी गई है। एक में आधा दर्जन बार विस की यात्रा कर चुके बैठे हैं, तो दूसरी कुर्सी पर आधा दर्जन बार यात्रा करने वाले वेटिंग लिस्ट में हैं। यह चर्चा एक सप्ताह से ज्यादा जोर पकड़ी है। हर हाल में घी थाली में गिरेगा।

गुड समरिटान बनी खाकी

आमतौर पर खाकी वर्दी धारी ही संकट के समय मदद करते रहते है, इसमें कोई नई बात नहीं है। लेकिन, हाल ही में एक ऐसी घटना हुई, जिसमें खाकी एक घंटे में कौन कहे, आधे घंटे में ही घायल को लेकर अस्पताल

पहुंच गई। यही नहीं, इलाज कराकर उसे वहीं छोड़ दिया, जहां वह घायल हुआ था। अब इस मामले में उच्चस्तरीय जांच की मांग की जा रही है कि आखिर व्यक्ति सड़क दुर्घटना में कैसे घायल हुआ। शुरू में घायल ने बताया था कि उसका सिर डंडे से फूट गया। उसके सिर से खून भी काफी बह रहा था। इलाज कराने के बाद जब वह लौटा, तो उसने बताया कि वह खुद ही सड़क पर गिर गया था। गौर करने वाली बात है कि वह बाइक सवार हेलमेट नहीं पहना था, इसलिए सिर तो फूटना स्वाभाविक था, चाहे जैसे फूटे। डंडे की चोट से या गिरकर।

फल-फूल पर संकट

कोल्हान सहित पूरे झारखंड में फल-फूल पर संकट के बादल हैं। पहले कहा जा रहा था कि पिछले चुनाव में दोनों चिह्न ने अलग होकर लड़ा था, इसलिए उनका बंटाधार हुआ। यही सोचकर इस बार दोनों ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा, लेकिन हश्र पिछली बार जैसा ही या कहें, उससे भी बुरा हो गया। इसके साथ ही उन नेताओं पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं, जिन्होंने चुनाव जिताने के लिए पगड़ी पहनी थी। अब ढूंढने से भी दिखाई नहीं दे रहे हैं। कोल्हान में तो एक-दो की इज्जत बच गई, लेकिन यहां भी पगड़ी पहनने वाले नेता झेंपते नजर आ रहे हैं। लोकल नेता पर तो चुनाव प्रचार के समय से लेकर अब तक बगावत का झंडा बुलंद करने वाले हाथ-पैर धोकर पीछे पड़े हैं। पहले बड़े नेता की सभा में खाली कुर्सी पर पहलवान टाइप नेता को घेरा गया, अब पक्षपात पर सवाल है।

कहां हैं, कुमारजी

अपने शहर में एक तेजतर्रार और दर्जनों उपाधि लेकर चुनाव लड़ने वाले कुमारजी के बारे में पूछा जा रहा है कि अब वे कहां हैं। पहले भी यहां नहीं रहते थे, लेकिन पहले कोई यह बात नहीं पूछता था, क्योंकि चुनाव से एक माह पहले वे छुट्टी लेकर अपने घर आ गए थे। न केवल खूंटा गाड़कर यहां रहे, बल्कि धुआंधार जुबान खर्च किया। उनकी तेज जुबान के आगे कोई नहीं टिक पा रहा था, इससे लगने लगा था कि जुबानी खर्च में तो उनका कोई सानी नहीं है। दूसरे नंबर पर रहे, इसलिए इज्जत वाली हार लेकर चुनावी घर से निकले। उम्मीद की जा रही थी कि वे अब अपना घर छोड़कर यहां से नहीं जाएंगे। अगले पांच साल तक फील्डिंग करते रहेंगे, लेकिन हुआ वही, जो होना था। कुमारजी एक बार फिर भटकने के लिए निकल गए हैं। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है।

सारंडा से 6 तीर-बम बरामद जंगल में किया गया नष्ट

नक्सल विरोधी अभियान के दौरान कोल्हान के जंगलों में कार्रवाई

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा वन क्षेत्र में भाकपा माओवादी नक्सली के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया और अश्विन अपने दस्ते के साथ कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधियों के लिए सक्रिय हैं। पुलिस इनकी गतिविधियों को लेकर कोबरा-209 व 203 बटालियन, झारखंड जगुआर और सीआरपीएफ की 60, 197, 174, 193, 134 और 26 बटालियन के साथ संयुक्त अभियान दल का गठन कर लगातार कार्रवाई कर रही है।

बता दें कि पुलिस ने नक्सलियों का विरोध 10 अक्टूबर 2023 से शुरू किया था। इस अभियान में गोईलकेरा थाना अंतर्गत ग्राम कुईड़ा, छोटा कुईड़ा, मारादिरी, मेरालगड़ा, हाथीबुरू, तिलायबेड़ा, बोयपाईससांग, कटम्बा, बायहातु, बोरोय, लेमसाडीह और टोन्टो थाना अंतर्गत ग्राम हुसिपी, राजाबासा, तुम्बाहाका, रेगड़ा, पाटातोरब, गोबुरू, लुईया के सीमावर्ती क्षेत्रों में संचालित किया जा रहा है। रविवार को इस अभियान में पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोन्टो थाना अंतर्गत तुम्बाहाका और बगान गुलगुलदा के बीच जंगल और पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों द्वारा लगाए गए 6 तीर-आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) बरामद किए। इन विस्फोटकों को बम निरोधक दस्ते की सहायता से सुरक्षित रूप से बराबर कर जंगल में नष्ट कर दिया गया। नक्सलियों की विध्वंसक गतिविधियों को रोकने और क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए सुरक्षा बलों का यह संयुक्त अभियान अभी लगातार जारी है।

बरामद तीर-बम ● फोटोन न्यूज

समाचार सार

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का मंत्री ने किया शिलान्यास

CHAIBASA : राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार व परिवहन विभाग के मंत्री दीपक बिरुवा ने रविवार को हाटगम्हरिया प्रखंड में 12 करोड़ की

लागत से बनने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का शिलान्यास किया। भवन में चिकित्सक, नर्स व चतुर्थ वर्गीय स्वास्थ्य कर्मियों के क्वार्टर की भी व्यवस्था होगी। इससे 24 घंटे स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो पाएगी। इस अवसर पर अंचलाधिकारी ऋषिदेव कमल, जगन्नाथपुर एसडीपीओ रफाएल मुर्मू, जिला परिषद सदस्य प्रमिला पिंगुवा, हाटगम्हरिया थाना प्रभारी अशोक कुमार राय, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष बलवंत गोप, हाटगम्हरिया के प्रसिद्ध शिक्षाविद नंदकुमार साव, कैलाश गुप्ता, अर्जुन साव, विकास गुप्ता आदि मौजूद थे।

प्राधिकार ने मंडल कारा में बंदियों से की मुलाकात

CHAIBASA : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के

निदेर्शानुसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डीएलएसए मौहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा के तत्वाधान में सहायक एलएडीसी रत्नेश कुमार ने मंडल कारा के बंदियों से मुलाकात की। प्राधिकार के सचिव राजीव कुमार सिंह ने बताया कि इसमें वैसे बंदियों का पता लगाने का प्रयास किया, जिनके पास अधिवक्ता नहीं हैं या परिजन उनसे मिलने नहीं आते हैं या उन्हें जमानतदार नहीं मिल रहा हो।

क्रिकेट एकेडमी के प्रीमियर लीग का आगाज

GHATSILA : क्रिकेट एकेडमी ऑफ घाटशिला की ओर से आयोजित

अंडर 15 का केग प्रीमियर लीग सीजन 3 का आगाज राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर कसीदा एथलेटिक्स मैदान में रविवार को हुआ। उद्घाटन मैच कसीदा फाइटर बनाम कॉपर ब्लास्ट कोमसी साइट के बीच खेला गया। उद्घाटन समारोह में तापस चटर्जी, प्रबाल विश्वास, नीलशंकर दत्त, इंद्रजीत घोषाल, काजल बनर्जी, उत्तम सिन्हा, कंचन कर शामिल थे।

देव संस्कृति विद्यालय चंदरी का वार्षिकोत्सव

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर प्रखंड के देव संस्कृति विद्यालय,

चंदरी का वार्षिकोत्सव रविवार को धूमधाम से मनाया गया। इसमें मुख्य अतिथि रांची वीमेंस कॉलेज, रांची के असिस्टेंट प्रोफेसर सह पीपुल्स वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव व समाजसेवी डॉ. विजय सिंह गागराई थे। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने भक्ति गीतों पर कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस मौके पर अनुज चक्रवर्ती, समीर सिंह, सुशांत कुमार, रितिकांत महतो, सरोज महतो, सत्यवती दीदी, डीडी महतो, शशिलता जायसवाल, संतोष कुमार आदि उपस्थित थे।

सड़क सुरक्षा माह के तहत हुआ फुटबॉल मैच

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला में सड़क सुरक्षा जागरूकता के

अंतर्गत चाईबासा में विभिन्न कार्यक्रम हो रहे हैं। इसी कड़ी में रविवार को टाटा कॉलेज मैदान में फुटबॉल मैच का आयोजन किया। इसमें 6 टीमों ने भाग लिया, जिसमें 40 + ग्रुप की 2 टीम तथा युवा वर्ग की 4 टीम थी। 40 + ग्रुप में मॉर्निंग ग्रुप टीम विजेता रही तथा उपविजेता सुनील एंड सुनील टीम रही। युवा ग्रुप में जनरल हॉस्टल की टीम विजेता तथा आदिवासी हॉस्टल की टीम उपविजेता रही।

टाटा-बरकाकाना-टाटा एक्सप्रेस 15 को रहेगी रद्द

JAMSHEDPUR : चक्रधरपुर रेल मंडल के अंतर्गत विकास कार्यों के लिए ब्लॉक लिया जाएगा। इसके कारण ट्रेन संख्या 08151/08152 टाटानगर-बरकाकाना- टाटानगर पैसेंजर 15 दिसंबर को रद्द रहेगी। वहीं ट्रेन नंबर - 22892 रांची-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस 16 जनवरी को अपने निर्धारित मार्ग कोटशिला-पुरुलिया-टाटानगर- खड़गपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग कोटशिला- राजाबेड़ा-जमुनियाटांड़ -आद्रा- मेदिनीपुर-खड़गपुर होकर चलेगी।

टिनप्लेट वर्कर्स यूनियन चुनाव का मतदान आज

JAMSHEDPUR : द गोलमुरी टिनप्लेट वर्कर्स यूनियन चुनाव में सोमवार को मतदान होगा। यूनियन के 30 में से 23 सीटों पर चुनाव हो रहा है। 23 सीटों के लिए 48 प्रत्याशी मुकाबले में है। रविवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान होगा। इसके बाद मतगणना होगी। मालूम हो कि यूनियन के 30 कमेटी सदस्यों के पदों में 7 पदों पर निर्विरोध चयनित हो गए।

स्वामी जी की प्रेरणा से स्वावलंबी बना भारत : सरयू

मात्र 39 साल की आयु में विवेकानंद ने सनातन के लिए किए असाधारण कार्य

PHOTON NEWS JSR: जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का नाम लेने मात्र से ही एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। आज भारत स्वावलंबी हुआ है तो स्वामी जी के उपदेशों पर अमल करने के कारण ही ऐसा हो पाया है। दरअसल, भारत के विकास के मूल में स्वामी जी का आधार है। उन्होंने 39 वर्ष की आयु में देश और विदेश में सनातन धर्म को प्रतिष्ठित करने के लिए जो कार्य किया, वह असाधारण है। वह स्वामी जी की जयंती के अवसर पर स्वर्णरेखा क्षेत्र विकास ट्रस्ट द्वारा टेल्को भुवनेश्वरी मंदिर परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद उद्यान में माल्यार्पण सह बौद्धिक विचार कार्यक्रम में अपने विचार रख रहे थे। सरयू राय ने कहा कि

भुवनेश्वरी मंदिर, टेल्को स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण करते सरयू राय

यह कहा जाता है कि स्वामी जी ने जेआरडी टाटा के साथ एक जहाज में यात्रा करने के दौरान उन्हें यह सुझाव दिया था कि टाटा स्टील की स्थापना इस भूमि पर करनी चाहिए। तब जाकर भारत की पहली स्वदेशी कंपनी के रूप में टाटा स्टील अस्तित्व में आया। स्वामी जी का योगदान शहर के लिए प्राण तत्व है। उन्होंने कहा कि भुवनेश्वरी देवी मंदिर की तलहटी पर बना यह स्थान भी इस आध्यात्मिकता को और बल प्रदान करेगा। इस हमें सजाना और संवारना चाहिए।

निकट भविष्य में ठाकुर जी और मां शारदा को भी यहां स्थापित करने का प्रयास होगा। यहाँ से निकलने वाली किरणें अध्यात्म को आम लोगों के बीच सरल-सुलभ बनाने व मां भुवनेश्वरी एवं श्री कृष्ण की कृपा से विवेकानंद के संदेश को आम जन तक पहुंचाने में कारगर होगा।

भाजपा ने किया स्वामी विवेकानंद को याद

CHAIBASA : भाजपा की जिला कमेटी ने रविवार को रवींद्र भवन में स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई। जिला अध्यक्ष संजय पांडे के नेतृत्व में विवेकानंद की आदमकद प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में भाजपा के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने भी अपने विचार रखे और स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को जीवन में उतारने की प्रेरणा दी। स्वामी विवेकानंद के जीवन पर आधारित विचार गोष्ठी भी हुई।

हिंदू पीठ ने धूमधाम से मनाई विवेकानंद जयंती

बिष्टुपुर में युवाओं को सबोधित करते यामिनी रंजन मिश्रा ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : हिंदू पीठ ने रविवार को बिष्टुपुर स्थित अपने प्रांगण में स्वामी विवेकानंद की 162वीं जयंती मनाई, जिसमें मुख्य अतिथि लोजपा छात्र संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष यामिनी रंजन मिश्रा ने उपस्थित सैकड़ों युवाओं को संबोधित किया।

हिंदू पीठ के युवा अध्यक्ष प्रकाश दुबे के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम में भाजपा नेता गुंजन यादव व अमित अग्रवाल ने मुख्य वक्ता के रूप में युवाओं को संबोधित करते हुए स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों को युवाओं के समक्ष रखा। युवाओं के बीच जिस तेजी से नशे की दस्तक उनके जीवन में बढ़ती जा रही है उससे बचते हुए बचते हुए कैसे अपने जीवन में आगे बढ़ सकते हैं, पर रोशनी डाली।

हिंदू पीठ के अध्यक्ष अरुण सिंह ने हिंदुत्व की लड़ाई लड़ने वाले युवाओं की सहभागिता को सबके सामने रखा।

गोइलकेरा क्रिकेट लीग का होगा विस्तार : जगत माझी

GOILKERA : शहीद देवेंद्र माझी मेमोरियल गोइलकेरा क्रिकेट लीग के पांचवें संस्करण का उद्घाटन रविवार को गोइलकेरा के हाई स्कूल ग्राउंड में हुआ। मनोहरपुर के विधायक जगत माझी ने बैलून उड़ाकर टूर्नामेंट की शुरूआत की। टूर्नामेंट के पहले मैच में पोड़ाहाट पैंथर्स ने किंग स्टार कोयल को 33 रनों से पराजित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों के विकास के लिए हमारी सरकार कृतसंकल्प है। इसके लिए गोइलकेरा क्रिकेट लीग का विस्तार किया जाएगा। इससे पहले ग्राउंड में ही अतिथियों द्वारा शहीद देवेंद्र माझी की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद 20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष झामुमो नेता अकबर खान और पार्टी के प्रखंड

गुब्बारे उड़ाते विधायक जगत माझी

अध्यक्ष मनसुख गोप भी खिलाड़ियों को संबोधित किया। टूर्नामेंट में प्रखंड की आठ टीमों के बीच 35 मुकाबले खेले जाएंगे। इस अवसर पर आयोजन समिति के सचिव प्रिंस खान, उपाध्यक्ष तारिक अनवर, वसीम खान आदि मौजूद रहे।

भोजपुरी आइडल के ऑडिशन में 52 प्रतिभाओं ने दिखाया हुनर

JAMSHEDPUR : भोजपुरी संस्कृति मंच के तत्वावधान में भोजपुरी आइडल सीजन-2 का ऑडिशन रविवार को हुआ। साकची के मिल एरिया स्थित भरत सिंह के कार्यालय परिसर में 52 प्रतिभाओं ने सुरों का जादू बिखेरा। प्रतिभागियों का मूल्यांकन जज नंदकिशोर पांडे, सुनील सहाय व मनोज सिंह ने किया। इस दौरान मंच के संयोजक सह गीतकार तोमर सत्येंद्र सिंह, शत्रुघ्न सिंह, शक्ति सिंह, गोपी सिंह, संतोष शर्मा, जयमंगल झा व राजीव कुमार भी उपस्थित थे।

रवींद्र संगीत सम्मेलन में कलाकारों ने बांधा समां

साकची स्थित रवींद्र भवन में संगीत प्रस्तुत करते कलाकार ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : टैगोर सोसाइटी के तत्वावधान में चल रहे तीनदिवसीय वार्षिक रवींद्र संगीत सम्मेलन का समापन रविवार को हो गया। अंतिम दिन शांतिनिकेतन के रवींद्र संगीत कलाकार देवाधृत चट्टोपाध्याय ने अपनी प्रस्तुति से समां बांध दिया, दूसरे कलाकार के रूप में रंजिनी मुखोपाध्याय ने अपनी प्रस्तुति से संगीत प्रेमियों को लुभाया। तीसरे कलाकार शौनक चट्टोपाध्याय के आवाज की खनक रवींद्र संगीत के बोलों को मानों जीवंत कर रही थी। रवींद्र संगीत सम्मेलन के अंतिम कलाकार के रूप में कोलकाता के कलाकार स्वागतालक्ष्मी दासगुप्ता ने अपनी प्रस्तुति दी। सम्मेलन की उत्कृष्टता के पीछे उन वाद्य कलाकारों का अप्रतिम योगदान रहा, जिन्होंने कलाकारों की लयबद्धता को संगीत वाद्यों से जोड़कर उसमें मानों मिश्री घोल दी।

सीपीआई राहरगोड़ा शाखा के सम्मेलन में ज्वाला सिंह बने सचिव

JAMSHEDPUR : भाकपा, राहरगोड़ा शाखा का 35वां सम्मेलन रविवार को गदड़ा स्थित लक्ष्मीनिवास हॉल में हुआ। इसमें शाखा की 19 सदस्यीय कमेटी का चुनाव भी हुआ, जिसमें सचिव ज्वाला प्रसाद सिंह, सहसचिव रंजन पांडे व कोषाध्यक्ष पी. मजूमदार को चुना गया। सम्मेलन में 25 सदस्यों ने भाकपा की सदस्यता ली। इससे पूर्व सम्मेलन की शुरूआत राहरगोड़ा शाखा के वरीय नेता मुद्रिका सिन्हा ने झंडा फहराकर की। उद्घाटन भाषण सम्मेलन के पर्यवेक्षक आरएस राय ने दिया, जबकि सम्मेलन को सीपीआई के जिला सचिव अंबुज कुमार ठाकुर ने भी संबोधित किया। सम्मेलन में धन्यवाद ज्ञापन छात्र नेता विक्रम कुमार ने किया, जबकि इस दौरान सत्येंद्र सिंह, जयशंकर प्रसाद, निगमानंद पाल, हीरा अरकने, धनंजय शुक्ला, अजय सिंह, रत्नेश सिंह, केके तिवारी, संतोष शर्मा आदि मौजूद थे।

पुष्य नक्षत्र, मकर राशि और शनि देव का बन रहा खास योग, स्वर्णरेखा नदी के तट पर होगी भव्य आरती

मकर संक्रांति कल, 19 साल बाद बन रहे कई शुभ संयोग

PHOTON NEWS JSR : स्नान-दान का महापर्व मकर संक्रांति इस बार 14 जनवरी को ही मनाया जावेगा। भगवान सूर्य नारायण 14 जनवरी को दिन में 03:27 बजे धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करेंगे। मकर संक्रांति का पुण्यकाल इस बार दिनभर होगा। इस अवसर पर जमशेदपुर के दोमुहानी में हिंदू संगठनों द्वारा दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसमें भव्य आरती भी होगी।

आचार्य चेतन पाण्डेय ने कहा कि इस बार मकर संक्रांति मंगलवार दिन को पड़ रहा है। शास्त्र के अनुसार मंगलवार को सूर्य की संक्रांति होने से पित्त, कफ और वात के प्रकोप से प्राणियों को पीड़ा होती है। राजाओं में कलह और अवृष्टि

दुर्भिक्ष होने की अधिक संभावना बनती है। इस बार मकर संक्रांति के प्रभाव से राजनीतिक, सामाजिक उथल-पुथल मच सकती है। लगभग 19 वर्ष बाद इस बार मकर संक्रांति पर अद्भुत संयोग बन रहा है। मकर संक्रांति के दिन पुष्य नक्षत्र भोग करेगा। पुष्य नक्षत्र के स्वामी स्वयं शनिदेव हैं और मकर राशि के भी स्वामी शनि देव ही हैं। यह संयोग स्नान और दान के लिए बहुत ही फायदेमंद माना गया है।

आचार्य ने कहा कि 14 जनवरी को सुबह 10:29 तक पुनर्वसु नक्षत्र है। इसके बाद पुष्य नक्षत्र प्रवेश करेगा। उन्होंने कहा कि इस बार मकर संक्रांति 12 में तीन राशियों के लिए अत्यंत शुभ और लाभकारी समय लेकर आ रहा है। कर्क, तुला और मीन राशि के जातकों के लिए इस बार मकर संक्रांति विशेष लाभदायक होगा। सूर्यनारायण के मकर राशि में प्रवेश के साथ ही पिछले छह माह से चला आ रहा दक्षिणायन का समापन होगा और उत्तरायण प्रारंभ होगा। उत्तरायण को देवताओं का प्रभात बेला कहा गया है। उत्तरायण होते ही हिंदू धर्मावलंबियों के सभी प्रकार के मांगलिक और शुभ कार्य प्रारंभ हो जाते हैं। आचार्य ने कहा कि मकर संक्रांति के दिन भगवान भास्कर की पूजा विशेष लाभकारी मानी जाती है। इस दिन तिल का दान को विशेष महत्व दिया गया है। मकर संक्रांति के दिन भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद ॐ सूर्याय नमः, ॐ भास्कराय नमः, ॐ मित्राय नमः, ॐ भानवे नमः, ॐ खगाय नमः, ॐ पूषने नमः, ॐ मरिचये नमः, ॐ आदित्याय नमः, ॐ सवित्री नमः, ॐ अर्काय नमः, ॐ हिरण्यगर्भाय नमः भगवान सूर्य के अन्य नामाक्षर मंत्रों का जाप कर सकते हैं।

मकर संक्रांति का शुभ मुहूर्त

इस बार मकर संक्रांति माघ महीने के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाएगा। कई वर्ष के बाद इस बार यह संयोग आया है जब मकर संक्रांति का त्योहार माघ महीने में मनाया जाएगा। ऐसे में इस वर्ष मकर संक्रांति पर स्नान-दान का बहुत लाभप्रद माना गया है। आचार्य पंडित चेतन पाण्डेय ने कहा कि बृहद् ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि संक्रांति दिन में हो तो इसका पुण्य कल दिनभर माना गया है। ऐसे में इस बार मकर संक्रांति का पुण्य काल सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक रहेगा। इस दरम्यान कभी भी स्नान-दान किया जा सकता है।

मकर संक्रांति 2025 के शुभ मुहूर्त :

मकर संक्रांति के दिन की पूजा विधि और विशेष मुहूर्त

प्रतिवर्ष की तरह वर्ष 2025 में मकर संक्रांति पर्व 14 जनवरी को मनाया जा रहा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार यह सूर्यभगवान और शनिदेव का त्योहार क्योंकि शनिदेव की की मकर राशि में सूर्यदेव का इस दिन गोचर होता है। और, इस दिन पर सूर्य दक्षिणायन पक्ष छोड़कर उत्तरायणपथ से निकलकर गमन करते हैं। इस दिन से दिन बड़े होने लगते हैं। इस दिन व्रत और दान यानी विशेष कर तिल के दान का काफी महत्व माना गया है। इस दिन पूजा करने के बाद जब तक गाय और गरीबों को दान नहीं दिया जाता, तब तक व्रत रखना चाहिए। इस दिन पूजा के बाद तिल-गुड़ की मिठाइयां बांटते हैं।

-सूर्य 14 जनवरी मंगलवार को सुबह 09:03 बजे मकर राशि में प्रवेश करेगा।

-मकर संक्रांति का पुण्य काल- सुबह 09:03 से शाम 05:46 तक।

-मकर संक्रांति का महा पुण्य काल- सुबह 09:03 से सुबह 10:48 तक।

शुभ मुहूर्त

अमृत काल: प्रात: 07:55 से सुबह 09:29 बजे तक।

अभिजीत मुहूर्त: दोपहर 12:09 से दोपहर 12:51 तक।

विजय मुहूर्त: दोपहर 02:15 से दोपहर 02:57 तक।

गोधूलि मुहूर्त: शाम 05:43 से शाम 06:10 तक।

मकर संक्रांति पूजा विधि

संक्रांति के दिन पुण्य काल में दान, स्नान व श्राद्ध करना शुभ माना जाता है।

इस दिन तीर्थों में या गंगा स्नान और दान करने से पुण्य प्राप्ति होती है।

मकर संक्रांति के दिन पावन नदियों में श्रद्धापूर्वक स्नान करें।

इसके बाद, पूजा-पाठ, दान और यज्ञ क्रियाओं को करें।

प्रात:नहा-धोकर भगवान शिव जी की पूजा तेल का दीपक जलाकर करें।

भोलेनाथ की प्रिय चीजों जैसे धतूरा, आक, बिल्व पत्र इत्यादि को अर्पित करें।

भविष्यपुराण के अनुसार सूर्य के उत्तरायन या दक्षिणायन के दिन संक्रांति व्रत करना चाहिए।

इस व्रत में संक्रांति के पहले दिन एक बार भोजन करना चाहिए।

संक्रांति के दिन तेल तथा तिल मिश्रित जल से स्नान करना चाहिए।

इसके बाद सूर्य देव की स्तुति करनी चाहिए। ऐसा करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।

संक्रांति के पुण्य अवसर पर अपने पितरों का ध्यान और उन्हें तर्पण अवश्य प्रदान करना चाहिए।

सूर्यदेव को अर्घ्य दें। आदित्य हृदय स्तोत्र का 108 बार पाठ करें।

मकर संक्रांति के शुभ मुहूर्त में सिद्ध सूर्य यंत्र को सूर्य मंत्र का जप करके पहनने से सूर्यदेव तरक्की की राह आसान बना देते हैं।

तिल युक्त खिचड़ी, रेवड़ी, लड्डू खाएं एवं दूसरों को भी खिलाएं।

ब्राह्मण को गुड़ व तिल का दान करें और खिचड़ी खिलाएं।

वेदों में वर्जित कार्य- जैसे दूसरों के बारे में गलत सोचना या बोलना, वृक्षों को काटना और इंद्रिय सुख प्राप्ति के कार्य इत्यादि कदापि नहीं करना चाहिए।

जरूरतमंद को कंबल, वस्त्र, छाते, जूते-चप्पल इत्यादि का दान करें।

मकर संक्रांति मंत्र

मकर संक्रांति के दिन सूर्यदेव की निम्न मंत्रों से पूजा करनी चाहिए

- ॐ सूर्याय नम:, ॐ आदित्याय नम:, ॐ सप्तार्चिषे नम:।

मकर संक्रांति:

इसी दिन खुलता है स्वर्ग का द्वार!

मूलत: सूर्य उपासना का अति प्राचीन पर्व मकर संक्रांति प्रतिवर्ष 14 या 15 जनवरी को पूरे उल्लास के साथ सम्पूर्ण भारत सहित कई अन्य देशों में भी किसी न किसी रूप में मनाया जाता है। इसी दिन से वसंत ऋतु की शुरूआत होती है खरीफ की फसलें कट चुकी होती हैं और खेतों में रबी की फसलें लहलहा रही होती हैं खेत में सरसों के फूल मनमोहक लगते हैं। इसीलिए यह पर्व सम्पूर्ण भारत में फसलों के आगमन की खुशी के रूप में भी मनाया जाता है। मकर संक्रांति पर्व 14 अथवा 15 जनवरी को ही मनाए जाने के पीछे सूर्य की भूमिका का विशेष महत्व है। माना जाता है कि इसी दिन सूर्य देवता इन्द्रधनुषी रंग से मेल खाते अपने सात घोड़ों वाले रथ पर सवार होकर मकर राशि में प्रवेश करते हुए अपनी उत्तर दिशा की यात्रा आरंभ करते हैं जो हमारे जीवन को उजाले से भरने तथा अंधकार से छुटकारे का प्रतीक है। मान्यता है कि इसी दिन सूर्य अपने पुत्र शनिदेव से नाराजगी भुलाकर उनके घर गए थे। कहा जाता है कि महाराज भगीरथ ने अपने पूर्वजों के लिए मकर संक्रांति के ही दिन तर्पण किया था। मकर संक्रांति के दिन सूर्य की कक्षा में होने वाले परिवर्तन यानी सूर्य के दक्षिणायन से उत्तरायण में आने को अंधकार से प्रकाश की ओर परिवर्तन माना जाता है। सूर्य प्राय: 14 या 15 जनवरी को ही मकर राशि में प्रवेश करता है इसीलिए उसी दिन मनाए जाने वाले पर्व को 'मकर संक्रांति' कहा जाता है।

यह हिन्दू पर्व भारत के अलग-अलग राज्यों में भी अलग-अलग तरीकों और नामों से मनाया जाता है। उत्तर भारत में इसे लोहड़ी खिचड़ी पर्व पतंगोत्सव इत्यादि नामों से जाना जाता है जबकि मध्य भारत में इसे संक्रांति कहा जाता है। दक्षिण भारत में यह त्यौहार 'पोंगल' उत्सव के रूप में मनाया जाता है। मकर संक्रांति को उत्तरायण माघी खिचड़ी पौष संक्रांति भोगाली बिहू शिशुर सेंक्रांत आदि नामों से भी जाना जाता है। नेपाल में इसे माघे संक्रांति या माघी संक्रांति व खिचड़ी संक्रांति श्रीलंका में पोंगल या उझवर तिरूनल बांग्लादेश में पौष संक्रांति थाईलैंड में सोंगकरन म्यांमार में थिंयान कम्बोडिया में मोहा संगक्रान तथा लाओस में पि मा लाओ नाम से मनाया जाता है। कहा जाता है कि मकर संक्रांति से ही दिन तिल-तिल करके बढ़ता है अर्थात् इस दिन से दिन की अवधि रात के समय से अधिक होने लगती है यानी दिन लंबे होने लगते हैं जिससे खेतों में बोए हुए बीजों को अधिक रोशनी अधिक उष्मा और अधिक ऊर्जा मिलती है जिसका परिणाम अच्छी फसल के रूप में सामने आता है। इसलिए इस अवसर का खासतौर से किसानों के लिए तो बड़ा महत्व है।

मकर संक्रांति में 'मकर' शब्द जहां मकर राशि को इंगित करता है वहीं 'संक्रांति' शब्द का अर्थ है संक्रमण अर्थात प्रवेश करना। मकर संक्रांति के दिन सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है। एक राशि को छोड़कर दूसरी राशि में प्रवेश करने की इस विस्थापन क्रिया को ही संक्रांति कहा जाता है। सूर्य हर माह एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करता है अर्थात् एक-एक करके वर्षभर में कुल 12 राशियों में प्रवेश करता है। सूर्य एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करता है तो उसे 'संक्रांति' कहा जाता है।

पृथ्वी की गोलाकार आकृति और अक्ष पर भ्रमण की वजह से दिन और रात होते हैं। जब पृथ्वी का कोई भाग सूर्य के सामने आता है उस समय वहां दिन होता है जबकि पृथ्वी का जो भाग सूर्य के सामने नहीं होता वहां रात होती है। यह पृथ्वी की दैनिक गति कहलाती है। पृथ्वी सूर्य की एक परिक्रमा 12 महीने में पूरी करती है जिसे पृथ्वी की वार्षिक गति कहा जाता है। इस वार्षिक गति के आधार पर ही दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग समय पर अलग-अलग ऋतुएं होती हैं।

हिन्दू शास्त्रों में मकर संक्रांति को पुण्यदायी पर्व माना गया है। इस दिन श्राद्धकर्म तथा तीर्थ स्नान करना फलदायी माना गया है। इस दिन लाखों श्रद्धालु विभिन्न तीर्थ स्थलों पर पवित्र स्नान करते हैं और तिल से बने पदार्थों का दान करते हैं। गंगासागर पर तो इस अवसर पर तीर्थस्नान के लिए लाखों लोगों का हुजूम उमड़ पड़ता है जो इस पर्व की महत्ता को परिलक्षित करता है। मान्यता है कि इस दिन देशभर के किसी भी पवित्र तीर्थ संगम स्थल या गंगा अथवा यमुना के तट पर स्नान करने से आध्यात्मिक शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक ऊर्जा मिलती है। कहा जाता है कि इसी दिन स्वर्ग का द्वार भी खुलता है और इस विशेष दिन को सुख-समृद्धि का दिन माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मकर संक्रांति के दिन पवित्र नदियों में स्नान दान पूजा इत्यादि करने से पुण्य प्रभाव हजारों गुना बढ़ जाता है। मकर संक्रांति पर्व 'पतंग महोत्सव' के रूप में भी मनाया जाता है। दरअसल इस दिन लोग न केवल अपने घर की छतों पर या खुले मैदानों में पतंग उड़ाते हैं बल्कि देश के कई हिस्सों में पतंग उडाने की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती हैं। चूंकि कड़ाके की ठंड के इस मौसम में सूर्य का प्रकाश शरीर के लिए स्वास्थवर्द्धक स्फूर्तिदायक और त्वचा व हड्डियों के लिए अत्यधिक लाभदायक माना जाता है इसीलिए मकर संक्रांति के दिन पतंग उड़ाने के पीछे कुछ घंटे सूर्य के प्रकाश में बिताना मुख्य कारण माना जाता है।

मकर संक्रांति के बारे में 25 पौराणिक तथ्य और सत्य

सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने के समय को मकर संक्रांति कहते हैं। यह ऋतु परिवर्तन, फसल कटाई और बुवाई, उत्तरायण का त्योहार है लेकिन इसके साथ ही इसके साथ कई पौराणिक तथ्य भी जुड़ें हैं साथ ही कई परंपराएं भी इसके साथ जुड़ी हुई है। जानिए इस संबंध में 25 खास जानकारी।

1. हिन्दू धर्मशास्त्रों के अनुसार मकर संक्रांति के दिन सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण गति करने लगते हैं। हालांकि इस बात को लेकर मतभेद हैं।
2. इस दिन से देवताओं का छह माह का दिन आरंभ होता है, जो आषाढ़ मास तक रहता है।
3. इसी दिन सूर्य अपने पुत्र शनि के घर एक महीने के लिए जाते हैं, क्योंकि मकर राशि का स्वामी शनि है।
4. मकर संक्रांति के दिन ही गंगाजी भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होती हुई सागर में जाकर मिली थीं।
5. इसी दिन महाराज भगीरथ ने अपने पूर्वजों के लिए तर्पण किया था इसलिए मकर संक्रांति पर गंगासागर में मेला लगता है। इसीलिए तभी से तर्पण प्रथा भी प्रचलित हुई।
6. इस दिन भगवान विष्णु ने असुरों का अंत करके युद्ध समाप्ति की घोषणा की थी। उन्होंने सभी असुरों के सिरों को मंदार पर्वत में दबा दिया था। इसलिए यह दिन बुराइयों और नकारात्मकता को खत्म करने का दिन भी माना जाता है।
7. महाभारत काल में भीष्म पितामह ने अपनी देह त्यागने के लिए सूर्य के उत्तरायण होने का ही इंतजार किया था। कारण कि उत्तरायण में देह छोड़ने वाली आत्माएं या तो कुछ काल के लिए देवलोक में चली जाती हैं या पुनर्जन्म के चक्र से उन्हें छुटकारा मिल जाता है।
8. सूर्य की सातवीं किरण भारत वर्ष में आध्यात्मिक उन्नति की प्रेरणा देने वाली है। सातवीं किरण का प्रभाव भारत वर्ष में गंगा-जमुना के मध्य अधिक समय तक रहता है। इस भौगोलिक स्थिति के कारण ही हरिद्वार और प्रयाग में माघ मेला अर्थात मकर संक्रांति या पूर्ण कुंभ तथा अर्द्धकुंभ के विशेष उत्सव का आयोजन होता है।
9. सूर्य संस्कृति में मकर संक्रांति का पर्व ब्रह्मा, विष्णु, महेश, गणेश, आद्यशक्ति और सूर्य की आराधना एवं उपासना का पावन व्रत है, जोतन-मन-आत्मा को शक्ति प्रदान करता है।
10. संत-महर्षियों के अनुसार इसके प्रभाव से प्राणी की आत्मा शुद्ध होती है। संकल्प शक्ति बढ़ती है। ज्ञान तंतु विकसित होते हैं। मकर संक्रांति इसी चेतना को विकसित करने वाला पर्व है। यह संपूर्ण भारत वर्ष में किसी न किसी रूप में आयोजित होता है।
11. विष्णु धर्मसूत्र में कहा गया है कि पितरों की आत्मा की शांति के लिए एवं स्व स्वास्थ्यवर्द्धन तथा सर्वकल्याण के लिए तिल के छ: प्रयोग पुण्यदायक एवं फलदायक होते हैं- तिल जल से स्नान करना, तिल दान करना, तिल से बना भोजन, जल में तिल अर्पण, तिल से आहुति, तिल का उबटन लगाना।
12. सूर्य के उत्तरायण होने के बाद से देवों की ब्रह्म मुहूर्त उपासना का पुण्यकाल प्रारंभ हो जाता है। इस काल को ही परा-अपरा विद्या की प्राप्ति का काल कहा जाता है। इसे साधना का सिद्धिकाल भी कहा गया है। इस काल में देव प्रतिष्ठा, गृह निर्माण, यज्ञ कर्म आदि पुनीत कर्म किए जाते हैं। मकर संक्रांति के एक दिन पूर्व से ही व्रत उपवास में रहकर योग्य पात्रों को दान देना चाहिए।
13. रामायण काल से भारतीय संस्कृति में दैनिक सूर्य पूजा का प्रचलन चला आ रहा है। मकर संक्रांति सूर्यपूजा का विशेष दिन है। राम कथा में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम द्वारा नित्य सूर्य पूजा का उल्लेख मिलता है।
14. प्रचलन से मकर संक्रांति के साथ तिल, गुड़, पतंग, गिल्ली डंडा खेलाना आदि कई परंपराएं जुड़ी चली गई।
15. मकर संक्रांति के दिन सूर्य को अर्घ्य देने का खास महत्व है।
16. मकर संक्रांति के दिन पवित्र नदी में स्नान का भी महत्व है।
17. मकर संक्रांति के दिन दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है।
18. मकर और कर्क संक्रांति को छोड़कर संक्रान्ति दिन या रात्रि दोनों में हो सकती है। दिन वाली संक्रान्ति पूरे दिन भर पुण्यकाल वाली होती है।
19. बारह संक्रांतियां 7 प्रकार की, 7 नामों वाली हैं, जो किसी सप्ताह के दिन या किसी विशिष्ट नक्षत्र के सम्मिलन के आधार पर मानी गई हैं। ये हैं- मन्दा, मन्दाकिनी, ध्वांक्षी, घोरा, महोदरी, राक्षसी एवं मिश्रिता।
20. नक्षत्र पर आधारित संक्रांतियां- ध्रुव, मृदु, क्षिप्र, उग्र, चर, क्रूर या मिश्रित कही गई है जिसका अलग अलग फल बताया जाता है।
21. कालांतार में संक्रांति का देवीकरण हो गया और वह साक्षात? दुर्गा कही जाने लगी। जैसे अब वो किसी न किसी वाहन, उप वाहन आदि पर सवार होकर आती है।
22. प्रत्येक संक्रांति के दान भी अलग अलग बताए गए हैं। मेष में भेड़, वृषभ में गायें, मिथुन में वस्त्र, भोजन एवं पेय पदार्थ, कर्क में घृतधेनु, सिंह में सोने के साथ वाहन, कन्या में वस्त्र एवं गौएं, नाना प्रकार के अन्न एवं बीज, तुला-वृश्चिक में वस्त्र एवं घर, धनु में वस्त्र एवं वाहन, मकर में ईंधन एवं अग्नि, कुम्भ में गौएं जल एवं घास, मीन में नए पुष्प दान किए जाने का उल्लेख मिलता है।
23. मकर संक्रांति के सम्मान में अब 3 दिनों या एक 1 दिन का उपवास भी रखा जाता है। जो व्यक्ति तीन दिनों का उपवास रखता है उसकी मनचाही इच्छा पूर्ण होती है। एक दिन का उपवास करने वाला पापों से मुक्ति हो जाता है।
24. मकर संक्रांति को हर प्रांत में अलग अलग रूप में मनाया जाता है। जैसे तमिलनाडु या संपूर्ण दक्षिण भारत में पोंगल के रूप में इसे मनाते हैं। पोंगल तमिल वर्ष का प्रथम दिवस है। असम में माघ बिहू के रूप में, पंजाब, हरियाणा और जम्मू कश्मीर में लोहड़ी के रूप में और गुजरात में उत्तरायण के रूप में इसे मनाते हैं। सिंध में या सिन्धी समाज लाल लोही के रूप में मनाता है। उत्तर प्रदेश और बिहार में खिचड़ी पर्व के रूप में इसे मनाते हैं। केरल में मकर ज्योति के रूप में मनाते हैं।
25. मकर रेखा दक्षिणी गोलार्द्ध में भूमध्य रेखा के समानांतर 23' 23' 22' पर, पश्चिम से पूरब की ओर खींची गई काल्पनिक रेखा है। मकर रेखा के उत्तर में तथा कर्क रेखा के दक्षिण में स्थित क्षेत्र उष्ण कटिबन्धीय क्षेत्र कहलाता है। 22 दिसम्बर को सूर्य जब मकर रेखा पर लम्बवत चमकता है तो उसके बाद वह उत्तरायण गति करने लगता है। मकर संक्रांति के दिन यह पूर्णत: उत्तरायण हो जाता है।

लोहड़ी के त्योहार का धार्मिक और सामाजिक महत्व

खुशहाली के आगमन का प्रतीक माने जाने वाले लोहड़ी का पर्व पंजाब में खासतौर पर पारम्परिक रीति-रिवाज के साथ मनाया जाता है। लोहड़ी पर्व से जुड़ी एक बड़ी बात यह भी है कि मूल रूप से सिखों के इस त्योहार के दिन का निर्धारण हिंदू पंचांग/कैलेण्डर से होता है।

लोहड़ी पर झूम उठते हैं किसान

हर साल के जनवरी माह के दूसरे सप्ताह में मनाया जाने वाला यह पर्व किसानों के लिए विशेष रूप से उत्साह लेकर आता है क्योंकि इस पर्व तक उनकी वह फसल पक कर तैयार हो चुकी होती है जिसको उन्होंने अपनी अथक मेहनत से बोया और सींचा था। इस दिन जब लोहड़ी जलाई जाती है तो उसकी पूजा गेहूं की नयी फसल की बालों से ही की जाती है। जाति बंधनों से मुक्त होकर यह पर्व समूचे उत्तर भारत खासकर पंजाब और हरियाणा में काफी धूमधाम से मनाया जाता है। राजधानी दिल्ली में भी इस पर्व की धूम खूब रहती है। मकर संक्रांति से एक दिन पहले पड़ने वाले इस पर्व पर लोग मस्ती में रहते हैं तथा नाच गाकर अपनी खुशियों का इजहार करते हैं।

इस बार लोहड़ी पर्व की वैसी छटा नहीं

पंजाब में तो इस पर्व पर अलाव जलाकर भांगड़ा नृत्य किया जाता है और मूंगफली, रेवड़ी तथा गजक का प्रसाद बांटा जाता है। इस दिन पंजाबी गायकों की काफी मांग रहती है और विभिन्न इलाकों में वह अपनी गायकी से लोगों को झूमने पर मजबूर कर देते हैं। हालांकि इस बार कोरोना संक्रमण के चलते लगे तमाम प्रतिबंधों की वजह से सामूहिक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित नहीं किये जा रहे हैं। लोग इस बार अपने परिवार के साथ ही लोहड़ी पर्व मना रहे हैं।

लोहड़ी से जुड़ा धार्मिक महत्व

देखा जाये तो दिल्ली, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में जहां इस पर्व को मस्ती भरे अंदाज में मनाया जाता है वहीं पंजाब में इस पर्व का धार्मिक महत्व भी होता है। इस दिन सुबह से ही विभिन्न गुरुद्वारों में श्रद्धालु एकत्रित होना शुरू हो जाते हैं। इसके साथ ही इस दिन अंधेरा होते ही लोहड़ी जलाकर सात चक्कर लगाकर अग्नि पूजा करते हुए तिल, गुड़, चावल और भुने हुए मक्के की आहुति दी जाती है। इस सामग्री को तिलचौली कहा जाता है। आग में तिल डालते हुए, ईश्वर से धनधान्य से भरपूर होने का आशीर्वाद मांगा जाता है। ऐसा माना जाता है कि जिसके घर पर भी खुशियों का मौका आया, चाहे विवाह के रूप में हो या संतान के जन्म के रूप में, लोहड़ी उसके घर जलाई जाएगी और लोग वहीं एकत्र होंगे। इस अवसर पर लोग मूंगफली, तिल की गजक और रेवड़ियां आपस में बांटकर खुशियां मनाते है।

पारम्परिक रीति-रिवाज

लोहड़ी पर्व से जुड़ी परम्परा के अनुसार, इस दिन पंजाब में बहुएं घर-घर जाकर लोकगीत गाकर लोहड़ी मांगती हैं और दुल्ला भट्टी के गीत गाती हैं। इस गीत के पीछे यह मान्यता है कि महराजा अकबर के शासन काल में दुल्ला भट्टी एक लुटेरा था लेकिन वह हिंदू लड़कियों को गुलाम के तौर पर बेचे जाने का विरोधी था। उन्हें बचा कर वह उनकी हिंदू लड़कों से शादी करा देता था। गीतों में उसके प्रति आभार व्यक्त किया जाता है।

लोहड़ी से जुड़ी बड़ी बात

पंजाब में नई बहू और नवजात बच्चे के लिए लोहड़ी का विशेष महत्व होता है। इस दिन रेवड़ी और मूंगफली वितरण के साथ ही मक्के की रोटी और सरसों के साग का भोज भी आयोजित किया जाता है। पंजाब के गांवों में तो इस दिन इस तरह के दृश्य आम होते हैं कि परम्परागत वेशभूषा पहले सिख पुरुष और स्त्रियां ढोल की थाप पर लोकप्रिय भांगड़ा नृत्य कर खुशियां मनाते हैं। बच्चों को भी उनका साथ देते देखा जा सकता है। स्त्रियां तो इस अवसर पर अपनी हथेलियों और पांवों पर आकर्षित करने वाली आकृतियों वाली मेहंदी भी रचाती हैं।

खुशियों का संदेशवाहक पर्व है लोहड़ी

लोहड़ी पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लोहड़ी के दिन सुबह से ही रात के उत्सव की तैयारियां आरंभ हो जाती हैं और रात के समय लोग अपने-अपने घरों के बाहर अलाव जलाकर उसकी परिक्रमा करते हुए उसमें तिल, गुड़, रेवड़ी, चिड़वा, पॉपकॉर्न इत्यादि डालते हैं और माथा टेकते हैं। उसके बाद अलाव के चारों ओर बैठकर आग सेंकते हैं। तब शुरू होता है गिद्दा और भंगड़ा का मनोहारी कार्यक्रम, जो रात्रि में देर तक चलता है और कहीं-कहीं तो पूरी-पूरी रात भी चलता है।

उत्तर भारत में मनाया जाने वाला प्रमुख पर्व है लोहड़ी। पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश में खासतौर से पंजाबी समुदाय में तो इस पर्व पर एक अलग ही उत्साह देखा जाता है। यह ऐसा त्यौहार है, जो आधुनिक युग के व्यस्तता भरे माहौल में सुकून भरे कुछ पल लेकर आता है और लोग सारी व्यस्तताएं भूलकर भरपूर जोश और उल्लास के साथ इस पर्व का भरपूर आनंद लेते हैं। पंजाब तथा जम्मू कश्मीर में तो लोहड़ी पर्व मकर संक्रांति के रूप में ही मनाया जाता है। सिंधी समाज में भी मकर संक्रांति से एक दिन पहले लोहड़ी के रूप में 'लाल लाही' नामक पर्व मनाया जाता है। लोहड़ी को लेकर कुछ लोककथाएं भी प्रचलित हैं। मान्यता है कि कंस ने इसी दिन लोहिता नामक एक राक्षसी को श्रीकृष्ण का वध करने के लिए भेजा था, जिसे श्रीकृष्ण ने खेल-खेल में ही मार डाला था और उसी घटना की स्मृति में यह पर्व मनाया जाने लगा। लोहड़ी पर अग्नि प्रज्जवलित करने के संबंध में एक लोककथा यह भी है कि दक्ष प्रजापति की पुत्री सती के योगाग्नि दहन की स्मृति में ही इस दिन अग्नि प्रज्जवलित की जाती है। लोहड़ी को लेकर सर्वाधिक प्रचलित कथा दुल्ला भट्टी नामक डाकू से संबंधित रही है, जिसे ह्यपंजाबी रॉबिनहुडह्ल का दर्जा प्राप्त है।

जिस प्रकार होली जलाई जाती है, ठीक उसी प्रकार लकड़ियां एकत्रित कर लोहड़ी के अवसर पर अलाव जलाये जाते हैं और अग्नि का तिलों से पूजन किया जाता है। जिस दिन यह पर्व मनाया जाता है, उस दिन कड़ाके की ठंड होती है और उत्तर भारत में अधिकांश जगहों पर घने कोहरे के बीच तापमान प्रायः शून्य से पांच डिग्री के बीच होता है लेकिन इतनी ठंड के बावजूद इस पर्व के प्रति लोगों का उत्साह देखते बनता है। लोहड़ी के पावन अवसर पर लोग घरों के बाहर अलाव जलाकर यह पर्व धूमधाम से मनाते हैं। इस पर्व का संबंध उस उत्सव से भी माना गया है, जिसमें सर्दी को अलविदा कहते हुए सूर्यदेव का आव्हान करते हुए कहा जाता है कि वह इस माह अपनी किरणों से पृथ्वी को इतना गर्म कर दे कि ठंड से किसी को कोई नुकसान न पहुंचे और लोग आसानी से सर्दी के मौसम का मुकाबला कर सकें। माना जाता है कि इसी दिन से सर्दी कम

होने लगती है। लोग अपने घरों के बाहर अलाव जलाकर ठंड से बचाव करने के साथ-साथ अग्नि की पूजा भी करते हैं ताकि उनके घर में अग्निदेव की कृपा से सुख-समृद्धि का साम्राज्य स्थापित हो सके।

हरियाणा व पंजाब में जिस घर में नई शादी हुई हो अथवा संतान (लड़के) का जन्म हुआ हो या शादी की पहली वर्षगांठ का मौका हो, ऐसे परिवारों में लोहड़ी का विशेष महत्व होता है। इन परिवारों में लोहड़ी के अवसर पर उत्सव जैसा माहौल होता है। आसपास के लोगों के अलावा रिश्तेदार भी इस उत्सव में सम्मिलित होते हैं। घर में अथवा घर के बाहर खुले स्थान पर अग्नि जलाकर लोग उसके इर्द-गिर्द इकट्ठे होकर आग सेंकते हुए अग्नि में मूंगफली, गुड़, तिल, रेवड़ी, मक्का के भुने हुए दानों इत्यादि की आहूति देते हैं और रातभर भंगड़ा, गिद्धा करते हुए मनोरंजन करते हैं तथा बधाई देते हैं।

लोहड़ी का संबंध सुन्दरी नामक एक ब्राह्मण कन्या और दुल्ला भट्टी नामक कुख्यात डाकू से जोड़कर देखा जाता रहा है। दुल्ला भट्टी अमीरों का धन लूटकर निर्धनों में बांट दिया करता था। कहा जाता है कि गंजीबार क्षेत्र, जो इस समय पाकिस्तान में है, में एक ब्राह्मण रहता था, जिसकी सुन्दरी नामक एक बहुत खूबसूरत बेटी थी, जो इतनी खूबसूरत थी कि उसके सौन्दर्य की चर्चा गली-गली में होने लगी थी। जब उसके बारे में गंजीबार के राजा को पता चला तो उसने ठान लिया कि वह सुन्दरी को अपने हरम की शोभा बनाएगा। तब उसने सुन्दरी के पिता को संदेश भेजा कि वह अपनी बेटी को उसके हरम में भेज दे। इसके लिए ब्राह्मण को तरह-तरह के प्रलोभन भी दिए मगर ब्राह्मण अपनी बेटी को राजा की रखैल नहीं बनाना जाता था। उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे? जब उसे कुछ नहीं सूझा तो उसे जंगल में रहने वाले कुख्यात डाकू दुल्ला भट्टी का ख्याल आया, जो गरीबों व शोषितों की मदद करने के लिए हमेशा तत्पर रहता था। घबराया ब्राह्मण अपनी बेटी सुन्दरी को लेकर उसी रात उसके पास पहुंचा और विस्तार से सारी बात बताई। दुल्ला भट्टी ने ब्राह्मण की व्यथा सुन उसे सांत्वना दी और रात को ही एक योग्य ब्राह्मण लड़के की तलाश कर सुन्दरी को अपनी ही बेटी मानकर उसका कन्यादान अपने हाथों से करते हुए उस युवक के साथ सुन्दरी का विवाह कर दिया।

गंजीबार के राजा को इसकी जानकारी मिली तो वह बौखला उठा। उसके आदेश पर उसकी सेना ने दुल्ला भट्टी के ठिकाने पर धावा बोल दिया किन्तु दुल्ला भट्टी और उसके साथियों ने राजा को बुरी तरह धूल चटा दी। दुल्ला भट्टी के हाथों गंजीबार के शासक की हार होने की खुशी में गंजीबार में लोगों ने अलाव जलाए और दुल्ला भट्टी की प्रशंसा में गीत गाकर भंगड़ा डाला। कहा जाता है कि तभी से लोहड़ी के अवसर पर गाए जाने वाले गीतों में सुन्दरी व दुल्ला भट्टी को विशेष तौर पर याद किया जाने लगा।

लोहड़ी से पहले ही बच्चे इकट्ठे होकर लोहड़ी के गीत गाते हुए घर-घर जाकर लोहड़ी मांगने लगते हैं। इस दिन उत्सव के लिए लकड़ियां व उपले एकत्र करने के लिए भी बच्चे कई दिन पहले ही जुट जाते हैं। वैसे समय बीतने के साथ-साथ अब घर-घर से लकड़ियां मांगकर लाने की परम्परा समाप्त होती जा रही है। बहुत से स्थानों पर लोग अब लकड़ियां व उपले बच्चों के जरिये मांग-मांगकर एकत्र कराने के बजाय खरीदने लगे हैं।

लोहड़ी के दिन सुबह से ही रात के उत्सव की तैयारियां आरंभ हो जाती हैं और रात के समय लोग अपने-अपने घरों के बाहर अलाव जलाकर उसकी परिक्रमा करते हुए उसमें तिल, गुड़, रेवड़ी, चिड़वा, पॉपकॉर्न इत्यादि डालते हैं और माथा टेकते हैं। उसके बाद अलाव के चारों ओर बैठकर आग सेंकते हैं। तब शुरू होता है गिद्दा और भंगड़ा का मनोहारी कार्यक्रम, जो रात्रि में देर तक चलता है और कहीं-कहीं तो पूरी-पूरी रात भी चलता है। अगले दिन प्रातः अलाव ठंडा होने पर मौहल्ले के सभी लोग इसकी राख को 'ईश्वर का उपहार' मानते हुए अपने-अपने घर ले जाते हैं। यह पर्व सही मायने में समाज में प्रेम व भाईचारे की अनूठी मिसाल कायम करता है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

पद पर हावी राजनीति

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने बड़े. बदलाव किए हैं, जिसमें अब बिजनेसमैन, आईएएस व आईपीएस सरीखे अधिकारी भी विश्वविद्यालय के कुलपति बन सेकेंगे। इस चयन का अधिकार केवल चांसलर का होगा, जिसमें सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। अभी तक शिक्षाविद के तौर पर दस का कार्यकाल आवश्यक था, परंतु अब वे इसके पात्र होंगे, जो संबंधित फील्ड़ के विशेषज्ञ, शोध, उद्योग व लोकप्रशासक का अनुभव हो, जिसमें दस साल काम किया हो तथा उनका ट्रैक रिकॉर्ड. अच्छा हो। कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर पहले भी सरकार पर उंगलियां उठती रही हैं। अब जब उद्योगपतियों व ब्यूरोक्रेट्स की नियुक्ति के मार्ग प्रशस्त किए जा रहे हैं तो चयन को लेकर और भी संदेह उपज सकते हैं। सत्तापक्ष के इशारे पर उसके वफादारों पर पद बंटवारे की आशंकाओं से मुक्त नहीं रहा जा सकता। निःसंदेह उद्योगपतियों को कुलपति जैसे सम्मानित पद पर सुशोभित करने से आर्थिक लाभ मिलने की गुंजाइश बढ़ सकती है। जैसे कि ब्यूरोक्रेट अपने अनुभवों का बेहतरीन इस्तेमाल कर नये मार्ग इजात कर सकते हैं। मगर चयन समितियों के गठन पर उठने वाले सवालों को रोकना भी सरकार और यूजीसी की बड़ी जिम्मेदारी होगी। राज्यपालउन्हीं सिफारिशों पर मुहर लगाता है, जो राज्य सरकारों द्वारा प्रेषित होती हैं। उपने उम्मीदवार को कुलपति चुनने पर राज्यपालों की भी राज्य सरकारों से सीधा टकराव की स्थितियां देखने में आती रही हैं। चूंकि राज्यपाल केंद्र द्वारा नियुक्त होते हैं, इसलिए वे विश्वविद्यालयों के प्रशासन में सीधी दखलंदाजी को आजाद हैं। नये नियमों की अवहेलना करने वाले विश्वविद्यालयों के प्रति यूजीसी का रवैया क्या हो सकता है, यह आने वाला वक्त तय करेगा। क्योंकि जिन राज्यों में विपक्ष की सरकारें हैं, वहां विवाद की स्थितियों को रोकना नामुमकिन होगा। वे स्पष्ट रूप से इसे संघ का एजेंड़ा मानते हैं। जैसे कि केरल के मुख्यमंत्री ने शुरूोआत ही इस मसौदे की आलोचना से की है। सरकार तथा आयोग को ऐसे सम्मानित पदों का शुद्ध राजनीतिकरण करने की बजाए दरम्याना रवैया इख्तियार करने का प्रयास करना होगा।

चिंतन-मनन

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है।

लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का।

श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यो से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्त्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं। अतः किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

भारत और तालिबान के नये रिश्ते

डॉ. दिलीप चौबे

देश सचिव विक्रम मिस्त्री और अफगानिस्तान में तालिबान शासन के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के बीच दुबई में गत बुधवार को हुई बैठक से इस क्षेत्र में नये समीकरण बन रहे हैं। अगस्त 2021 में तालिबान के शासन में आने पर भारत में गहरी चिंता व्यक्त की जा रही थी। यह आशंका व्यक्त की जारी थी कि तालिबान से जुड़े हथियारबंद गुट अब कश्मीर का रुख करेंगे। इस क्षेत्र से अमेरिका की वापसी और उसकी हार पाकिस्तान के लिए एक रणनीतिक जीत मानी जा रही थी।

पाकिस्तान में सैन्य और राजनीतिक राजनीतिक विशेषज्ञ खुशी जाहिर कर रहे थे कि भारत को अफगानिस्तान से बेदखल करने में सफलता मिल गई है। इस चुनौतीपूर्ण समय में भारत ने रणनीतिक धैर्य का परिचय दिया। अपनी सारी चिताओं के बावजूद अफगानिस्तान को खाद्यान्न और दवाइयों जैसी मानवीय सहायता मुहैया कराई। मोदी सरकार का पक्ष था कि वह भले ही तालिबान शासन को मान्यता नहीं देती, लेकिन अफगानिस्तान अवाम के साथ सदियों पुराने दोस्ती के रिश्तों को महत्त्व देती है। क्षेत्रीय मंच शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के दो अन्य महत्त्वपूर्ण सदस्य देशों रूस और चीन ने तालिबान शासकों के प्रति अपेक्षाकृत अनुकूल रवैया अपनाया था। रूस मध्य एशिया में शांति और स्थिरता कायम रखने में अफगानिस्तान की भूमिका को महत्त्व देता है जबकि चीन अफगानिस्तान में दुर्लभ खनिज संपदा को हासिल करना चाहता है। इन खनिज संसाधनों पर अमेरिका और पश्चिमी देशों की नजर है। चीन के लिए अफगानिस्तान में अपने रणनीतिक हितों को पूरा करना आसान है। वाखान गलियारे के जरिए दोनों देश आपस में जुड़े हुए हैं। वास्तव में यह गलियारा चीन को अरब सागर तक पहुंचने का एक वैकल्पिक मार्ग भी उपलब्ध कराता है। इस संपर्क सुविधा में ईरान स्थित चाबहार बंदरगाह की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। चाबहार के जरिए अफगानिस्तान होते हुए मध्य एशिया और चीन तक व्यापारिक आवागमन संभव है। यही कारण है कि भारत और चीन के रणनीतिक हितों में साझेदारी है। वैसे चीन को काराकोरम राजमार्ग के माध्यम से पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह तक पहुंच हासिल है। लेकिन इस क्षेत्र में आतंकवादी हमलों के कारण चीन का चुनौतियों का सामना है।

तालिबान के सत्ता में आने के पहले अफगानिस्तान में भारत की व्यापक राजनयिक मौजूदगी थी। काबुल में दूतावास के अलावा देश के प्रमुख शहरों में भारत के वाणिज्य दूतावास थे। इसके जरिए भारत पाकिस्तान पर अंकुश रखता था। यह देखने वाली बात होगी कि नये हालात में तालिबान किस सीमा तक भारत को अपनी राजनयिक मौजूदगी कायम करने की अनुमति देता है। पाकिस्तान चार वर्ष पूर्व जिसे अपनी जीत मान रहा था वह उसकी हर में तब्दील होता हुआ दिखाई दे रहा है। तालिबान अपने देश की परंपरागत नीति को दोहरा रहे हैं कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच की डूरण्ड सीमा कृत्रिम है। तालिबान का यह रूप पाकिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बड़ी चुनौती है। हाल में दोनों देशों के बीच हुआ सैन्य संघर्ष बड़ा रूप ले सकता है।

बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के नाम पर हुए तख्ता पलट को भी पाकिस्तान अपनी जीत मान रहा था। सेना और इस्लामी कट्टरपंथियों की कठपुतली के रूप में सत्ता में बैठे मोहम्मद युनूस को अमेरिका के बाइडन प्रशासन का पूरा समर्थन हासिल था। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप के शासन संभालने के बाद मोहम्मद युनूस के लिए समस्या खड़ी हो सकती है। पाकिस्तान की सरकार हजारों किलोमीटर दूर स्थित बांग्लादेश के जरिए भारत के लिए परेशानी पैदा करने का ख्वाब देख रहा है, लेकिन अब उसके पड़ोस में ही अफगानिस्तान के रूप में उसके लिए कहीं बड़ी चुनौती दरपेश है।

चाबहार बंदरगाह पर केंद्रित घटनाक्रम राष्ट्रपति ट्रंप से सत्ता संभालने के बाद नया रूप ले सकता है। यदि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने के लिए इस्त्राइल कोई एकतरफा कार्रवाई करता है तो पश्चिम एशिया में नया संघर्ष शुरू हो सकता है। दूसरी और राष्ट्रपति ट्रंप ईरान के खिलाफ प्रतिबंधों का सहारा लेते हैं तो भारत को इनसे जूझना होगा।

बेमेल के इंडिया गठबंधन को बिखरना एवं टूटना ही था

ललित गर्ग

नरेन्द्र मोदी को सत्ता से उखाड़ फेंकने का ऐलान करने वाला एवं आरएसएस की संविधान विरोधी और विभाजनकारी विचारधारा के खिलाफ बिगुल बजाने के लिये बना बेमेल का इंडिया गठबंधन बनने के सवा साल के अंदर ही बिखर एवं खत्म हो गया लगता है, जब से यह गठबंधन बना तभी से इसमें गहरे मतभेद नजर आते रहे, मुद्दों एवं नीतियों में गहरा बिखराव देखने को मिलता रहा। जितने दल उतनी बातें। अब न मुद्दा एक रहा न मंच। कभी ईवीएम पर अलग-अलग राय तो कभी सम्भल पर, कभी अडानी पर घमासान तो कभी सीटों के तालमेल को लेकर मतभेद। कभी गठबंधन के नेतृत्व को लेकर विवाद तो कभी विचारों को लेकर विरोधाभास। कभी गठबंधन का नेता बदलने की मांग तो कभी संसद में अपनी अपनी डफली और अपना अपना राग। इन गहरी खाइयों एवं गड्ढ़ों वाले इंडिया गठबंधन ने हरियाणा एवं महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में ही उलटी गिरती करना शुरू कर दिया था, अब दिल्ली विधानसभा चुनाव में यह पूरी तरह से बिखर गया है। अब तो दबी जुबान से बोले जाने वाले तीखे बोल सार्वजनिक हो चले हैं। इंडिया गठबंधन को लेकर गठबंधन से जुड़े नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था, चुनाव खत्म हो चुका है तो गठबंधन भी खत्म हो गया।

इनदिनों बिहार और दिल्ली में सियासी पारा कड़ाके की ठंड में भी गर्म है। वजह है कि दोनों ही राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। दिल्ली में 5 फरवरी को वोटिंग है एवं साल के अंत तक बिहार में कौन राज करेगा इसकी तस्वीर भी साफ हो जाएगी। लेकिन इससे पहले दिल्ली एवं बिहार में राजनीतिक सरगर्मियों एवं तीखी बयानबाजी के बाद इंडिया गठबंधन टूट के कगार पर पहुंच गया। दिल्ली चुनाव में ह्यआपह्ल और कांग्रेस के बीच की दूरी और सहयोगी दलों के रुख के बाद गठबंधन की टूट तय हो गयी है और इस बात की पुष्टि गठबंधन के नेताओं से बयानों से हो रही है। वैसे तो इंडिया गठबंधन की नाव कांग्रेस के हरियाणा और महाराष्ट्र में हारने के बाद ही हिचकोले लेने लगी थी, लेकिन दिल्ली चुनाव ने तो उसे लगभग डुबा ही दिया है। कांग्रेस के हाथ का साथ छोड़ इंडिया गठबंधन के सभी दल केजरीवाल के झाड़ू के पीछे खड़े हो गए हैं। ममता की तृणमूल हो या अखिलेश यादव की सपा, उद्धव की शिवसेना हो या इंडिया के बाकी दल, सभी कांग्रेस से दूरी बनाते हुए केजरीवाल के साथ खड़े हो गये हैं। कहा जाता है कि राजनीति में कोई स्थाई दोस्त या दुश्मन नहीं होता, इसलिए राजनीति के बनते-बिगड़ते रिश्तों का यह इंडिया गठबंधन सीरियल नये-नये एपिसोड दिखा रहा है। लगातार चुनावी नाकामियों से पैदा हुई बेचैनी गठजोड़ पर भारी पडती रही। इस तरह एक-दूसरे के खिलाफ असंतोष, दोषारोपण और बयानबाजी विपक्ष एकता के लिए घातक सिद्ध हुई।

इंडिया गठबंधन के घटक दलों ने लोकसभा चुनाव में भले ही अपने लक्षित उद्देश्यों को पाने में तनिक सफलता हासिल की थी, उसने जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड में भी विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ा। लेकिन हरियाणा में कांग्रेस ने ह्यआपह्ल से मिलकर चुनाव लड़ने से मना कर दिया था। अब यही काम ह्यआपह्ल ने दिल्ली में किया, क्योंकि वह राजधानी को अपना गढ़ मानती है। कांग्रेस भी दिल्ली की अपनी राजनीतिक जमीन छोड़ने को तैयार नहीं, क्योंकि उसने लंबे समय तक यहां शासन किया है। कांग्रेस यह भी जानती है कि दिल्ली में ह्यआपह्ल के प्रति किसी तरह की नरमी बरतने से वह अपनी बची-खुची राजनीतिक जमीन वैसे ही गंवा देगी, जैसे अन्य राज्यों में गंवा चुकी है। लेकिन इसी बीच यह भी बड़ा तथ्य है कि दिल्ली में ह्यआपह्ल एवं कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ती तो यह भाजपा के लिये बड़ी चुनौती थी, अब भाजपा की दिल्ली में जीत की संभावनाएं बढ़ गयी है। एक बड़ा तथ्य यह भी है कि इंडिया गठबंधन के अधिकांश घटक कांग्रेस के वोट बैंक पर कब्जा करके उभरे हैं। यदि कांग्रेस अब केवल मोदी को पछाड़ने के लिये गठबंधन धर्म निभाती है तो जिन चंद राज्यों में उसकी प्रभावी उपस्थिति है, वहां भी वह कमजोर हो जाएगी। दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन के घटक दल भी इससे परिचित हैं कि यदि उन्होंने अपने गढ़ों में कांग्रेस के प्रति उदारता एवं सहानुभूमि बरती तो वह उनके उस वोट बैंक को अपने पाले में कर सकती है, जिसे उन्होंने कभी उससे ही छीना था। वास्तव में इंडिया गठबंधन इन्हीं विरोधाभासों के कारण, राजनीतिक जोड़तोड, मजबूरियों एवं विवशताओं के चलते टूट-बिखर गया है।

महाराष्ट्र चुनाव के दौरान भी इंडिया गठबंधन के घटक दलों में तालमेल की कमी देखने को मिली थी। बंगाल में पहले ही कांग्रेस और टीएमसी एक-दूसरे के विरुद्ध हैं। इसी तरह, दिल्ली में ह्यआपह्ल और कांग्रेस में गठजोड़ नहीं हो पाया। यह कैसा गठबंधन है, जिसमें इतने अंतर्विरोध एवं असहमतियां हों। जहां पार्टियां आम चुनाव में साथ हों, लेकिन राज्यों के चुनाव में आमने-सामने। ऐसे में इन दलों के समर्थकों की उलझन की सहज की कल्पना की जा सकती है और इससे गठबंधन की मूल विचारधारा पर प्रश्न खड़े होने भी स्वाभाविक थे। गठबंधन की सफलता के लिये नीति एवं नियत में एकजुटता जरूरी है। गठबंधन तभी सफलता से चलता है, जब सारे पक्ष थोड़ा-थोड़ा त्याग करें और किसी बड़े लक्ष्य को सामने रखे। क्षेत्रीय पार्टियों की बहुलता और अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग क्षेत्रीय पार्टियों की प्रधानता के चलते भी इस तरह के गठबंधन को लंबे समय तक चला पाना मुश्किल था। चुनावी हार और सत्ता से बाहर होने की स्थिति में तो ऐसे गठबंधन को संभालना लगभग असंभव ही हो गया था। ऐसी स्थितियों में इंडिया गठबंधन का अंतिम सांसें गिनना स्वाभाविक ही रहा है।

भारतीय राजनीति के अतीत में न जाने कितनी बार विपक्षी एकता के प्रयास हुए, लेकिन वे एक सीमा से आगे नहीं बढ़ सके। ऐसे गठबंधनों की सरकारें भी बनी और वे गठबंधन सरकारें कुछ सीमा तक सफल भी हुई। लेकिन किसी भी गठबंधन की सफलता के लिए यह आवश्यक होता है कि उनके पास कोई साझा उद्देश्य हो और नीतिगत स्पष्टता भी हो। स्पष्टता के इसी अभाव के चलते इंडिया गठबंधन अपने लिए कोई न्यूनतम साझा कार्यक्रम नहीं तैयार कर सका। ऐसे गठबंधन की सफलता की एक अनिवार्यता यह भी है कि नेतृत्व करने वाले दल का प्रभुत्व हो, गठबंधन नेता की प्रभावी छवि हो, उसकी स्पष्ट नीति एवं नियत हो, सिद्धान्त एवं विचार भी मजबूत हो, लेकिन इंडिया गठबंधन में ऐसा नहीं रहा, भले ही लोकसभा चुनाव से पहले बहुत जोर-शोर से इंडिया गठबंधन की बैठकें आयोजित हुई हो, पर अब गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी को न गठबंधन की चिंता है और न उसे किसी समन्वय बैठक की जरूरत महसूस हो रही है। कुछ दिन पहले तक कुछ क्षेत्रीय दल इंडिया गठबंधन का नया नेता चुनना चाहते थे, पर इन क्षेत्रीय दलों को यह भी पता है कि कांग्रेस के बिना उनके गठबंधन का कोई खास वजूद नहीं रहने वाला है। बहरहाल, आम लोगों के नजरिये से देखें, तो कई लोग कुछ ठगा हुआ महसूस कर रहे होंगे और इसका असर यह होगा कि भविष्य में बनने वाले किसी भी ऐसे विपक्षी गठबंधन को जनता का विश्वास जीतने एवं गठबंधन को सफल बनाने में मुश्किल आएगी।

इंडिया गठबंधन ने केन्द्र में सरकार बनाने एवं मोदी को परास्त करने की होड़ के साथ बड़ी एकजुटता के साथ बड़े-बड़े वादे किए थे, उन वादों का क्या हुआ? कमजोर बुनियाद पर खड़े इस गठबंधन का यही हश्र होना था, अब भाजपा को मौका मिल गया है। भाजपा नेता कहने लगे हैं कि हमने पहले ही कहा था, ये सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भय से एक साथ आए हैं। हालांकि, यह राजनीति है और यहां दलों की अपनी जरूरतों के हिसाब से गठबंधन बनते-बिगड़ते रहते हैं। आज की राजनीति में यह असामान्य बात नहीं है। लोकसभा चुनाव में विपक्ष का मुख्य मकसद भाजपा को हराना था और इंडिया गठबंधन का मकसद भी यहीं तक सीमित था। लेकिन अब ममता बनर्जी हों या उद्धव ठाकरे या अखिलेश यादव हो या केजरीवाल,

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Manipur needs 'truth & reconciliation', not political apologies

Official apologies can be powerful instruments to heal societal wounds, rectify policies and reignite hope for future unity. They can conclusively redress and reassure the disaffected to invest in another chance to normalise. However, for an apology to work, it needs to be sincere and not political.One of the most restorative apologies in modern history is Kniefall von Warschau or the 'Warsaw Kneel', with West German Chancellor Willy Brandt's sudden and spontaneous gesture of genuflection before a war memorial in Poland to symbolically atone for Germany's past with Poland. Brandt reflected on the poignant moment: "At the abyss of German history and under the weight of millions of murdered people, I did what people do when language fails."The impact of the sincere apology without any unnecessary context or defensiveness was immediate. The clear courage and dignity in Brandt's apology overcame the murky past and ushered in a new era of trust.

Recently, the deeply fractured, polarised and largely unacknowledged realm of Manipur re-entered the national imagination with a supposed 'apology' by its Chief Minister, who has presided over its slide since violence erupted in May 2023.

Questions about the sincerity of the apology abound. Did it tantamount to taking ownership and accountability? Was it unequivocal? Did it resort to rote whataboutery and blame-shifting? Did it include acknowledging missteps and, therefore, rectification of outlook? Or, was it just a mealy-mouthed political statement, essentially implying more of the same, going forward?The CM's statement clearly lacked both personal ownership (as it pandered to generalities) and empathy, as he said perfunctorily, "Whatever happened has happened. We have to forgive and forget the past mistakes and make a new beginning." As if on cue, and seemingly oblivious to reality, he added incredulously: "The Centre provided enough security personnel and funds"!This begs the question that if there was no shortage of support from the Centre, why has the situation deteriorated dangerously? Was it, then, shortage of governance intent or capabilities? Either way, an unforgivable shortcoming, if any sincerity was implicit. The final straw came with the CM blaming the previous governments (from opposition parties) for the prevailing situation, thereby effectively absolving himself and his governance from the need for any remorse.Weeks earlier, the Union Home Ministry had issued its annual report on Manipur which highlighted a laundry list of measures taken, including personnel, financial, material, and detailed an earlier visit by the Home Minister to end the strife and disaffection. The language was almost self-patting, "The central government took a series of immediate and sustained actions to handle the situation."

But what was not mentioned in the report or in the CM's purported 'apology' was the fact that the societal divide has only worsened and the resultant violence increased.As the face and perception of Meitei majoritarianism (against minority Kukis), the CM could have been more specific in defining who he sought to 'forgive' and what he wanted others to 'forget' in his ostensible 'apology'. After all, it was only a political 'apology'.With no major restructuring or reimagining of the governance structure in Manipur envisaged, what it needs desperately to heal the societal divide (beyond more security personnel and fencing of borders, which must be done, in any case) is some honest soul-cleansing, a la 'Truth and Reconciliation', as was done in the aftermath of the ended Apartheid (White Rule) in South Africa, when portents of bloody revenge were inevitable.With a complex, polarised and contested past (much like Manipur), South Africa, too, could have regressed to an explosive us-versus-them rhetoric, but for the sagacity and wisdom of the leadership under 'Africa's Gandhi', ie Nelson Mandela.Like the inclusive spirit of unity-in-diversity, as enshrined in the constitutional "Idea of India", the South African leadership had chosen to valourise and posit their own civilisational concept of 'Ubuntu', which is predicated on the interconnectedness of humankind. This approach is especially important as it offers a fresh and real chance to come clean by seeking forgiveness over prosecution, unlike the spirit prevailing in a solely militaristic approach, as is visible in Manipur.

China bracing for tougher US sanctions

Assessments by prominent Chinese academics reflect that China's leadership is preparing for US pressure on multiple fronts

With barely a fortnight before Donald Trump takes over as US President, Chinese President Xi Jinping is bracing for some tough years ahead. China is anticipating a marked deterioration in bilateral relations, toughened by more sanctions. Beijing's riposte promises to be a blend of hard and conciliatory measures. It has, in fact, been preparing for a period of very strained ties since at least June 2020.While there has lately been a noticeable softening of rhetoric in statements by Chinese leaders and in China's official media, Chinese analysts and military think tanks assess that the country will confront a period of very strained ties. As Xi Jinping told China's top communist leadership on the last day of 2024, "the journey of Chinese modernisation" wouldn't be just sunny skies, but also "choppy waters, and even dangerous storms."

Earlier, China's Ministry of Commerce had declared it would hit back at sanctions imposed by the US and the EU. In early December 2024, China announced a ban on exports of three minerals — gallium, germanium and antimony — to the US, thereby escalating tech trade restrictions between the two countries. The three minerals are essential for a range of military applications. Last week, it imposed sanctions on 10 US companies, including Lockheed Martin and Raytheon.At the same time, quite visible in recent weeks has been the change in the tone and tenor of statements made by Chinese leaders.The People's Daily, official newspaper of the Chinese Communist Party (CCP), has published articles highlighting the benefits of good relations for both countries. On December 31, it published a special commentary calling for increasing the areas of cooperation. It welcomed the renewal of the bilateral agreement on sci-tech cooperation and asserted that this "not only serves the interests of both peoples but also facilitates their joint efforts in addressing global challenges". It emphasised that "China-US cooperation can lead to fruitful results that are beneficial to both countries and the rest of the world."Separately reinforcing this message, Xi Jinping and his wife Peng Liyuan sent New Year's greetings to teachers and students of a Washington state school. Their message highlighted that "during the Second World War, China and the United States fought together for peace and justice, and the friendship between the two peoples stood the test of blood and fire and is growing ever stronger".

Other Chinese leaders, including Foreign Minister Wang Yi and Ambassador to the US Xie Feng, have recently expressed similar sentiments. China has also sought to maintain bilateral linkages, like sister city and academic ties, despite the sharp downturn in relations.Assessments by prominent Chinese academics, however, reflect that China's leadership is preparing for US pressure on multiple fronts. Wang Yong, Professor at Peking University's School of International Studies, said that US Secretary of State-designate Mark Rubio may "do everything in his power to suppress and curb China's development" and could play up the Taiwan issue and form military alliances in the Asia-Pacific or Indo-Pacific regions.

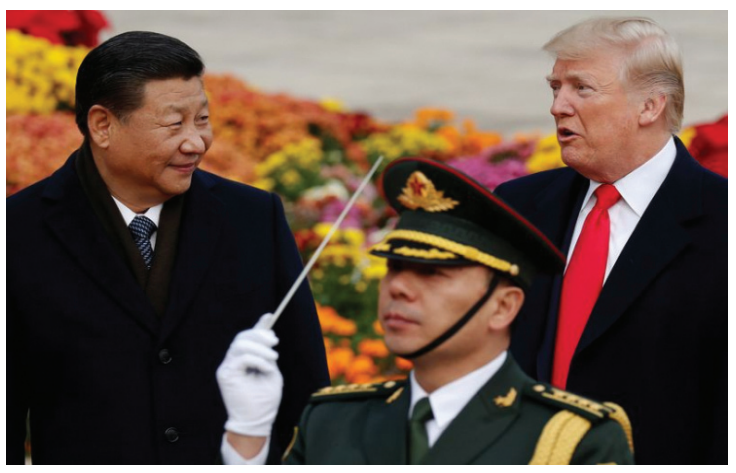

Wu Xinbo, Director of the Centre for American Studies at Fudan University, suggested that the US may "challenge China's national interests more often, and even breach our limit on many important issues."Zheng Yongnian, an expert in international relations and Dean of the Qianhai Institute for International Affairs at the Chinese University of Hong Kong (Shenzhen), wrote that Asia faced an "unprecedented" danger of war and that the strong US desire to pivot to Asia and NATO's strategic shift toward China had destabilised Asia.

In reality, though, Beijing had begun preparing for a serious confrontation with the US since at least July 2020. In an unusual and revealing article, Zhou Li, a former career diplomat and Vice-Minister of the CCP's important International Liaison Department, has listed six measures that China requires to take to respond to the anticipated "full escalation of the struggle." These include decoupling from the US dollar and internationalisation of the renminbi, rapidly boosting food production to prepare against reduction of food exports, like soybean, to China, preparing for medical contingencies, etc.

The latest confirmation that China is prepared for a confrontation with the US is the article by People's Liberation Army (PLA) Colonel Wen Weiying, Associate Professor at the Military Management College of the National Defense University (NDU). It warned: "As the US strategic suppression of China becomes more severe, US sanctions against China will enter a more 'crazy' stage." Colonel Wen Weiying asserted that "China must coordinate and integrate resources from all parties", step up independent innovation and R&D and "break the unjust attempt of the United States to isolate and block the Chinese economy with sanctions." He noted that US sanctions against China focussed on areas of cutting-edge technology, such as electronic information, ships, aerospace, nuclear, satellite, electronic technology, artificial intelligence, semiconductors, quantum computing and unmanned facilities. He acknowledged that the US sanctions in recent years had seriously damaged China's national security, national interests, economic security and development.

Colonel Wen Weiying recommended opposing US sanctions and protectionism. He said that Beijing must be prepared to respond to the imposition of further sanctions by the new Trump administration with hard-hitting retaliatory sanctions. He said countries with close ties to the US and which have advanced and hi-technology would be the targets and pointed out that China had huge cash reserves.

Sanctions against China will likely be accompanied by a sharp deterioration in China-US relations. It will not only have deleterious economic repercussions for China but also impact China politically. China's global ambitions will be adversely affected and Xi Jinping's authority could be severely undermined.

Courting Taliban

India takes Afghan route to rile Pakistan

It has taken India a while to realise that the Taliban are going nowhere. They are here to stay, for better or worse, and it's worthwhile to engage with them rather than wait interminably for the restoration of democracy in Afghanistan. New Delhi is no longer insisting that the regime should protect the rights of all sections of the Afghan society, especially women, children and minorities. Such lofty aspirations don't really matter when there are geopolitical points to be scored. There is a lot of catch-up to be done as China and Russia have been quick off the blocks on the Afghan front. The Taliban, though still deprived of international legitimacy, are making their presence felt by gaining the support of key regional players. Every ally counts as Pakistan has upped the ante against Afghanistan over alleged sheltering of terror groups.The meeting between India's Foreign Secretary Vikram Misri and Taliban's acting Foreign Minister Amir Khan Muttaqi in Dubai

marks a pivotal moment for bilateral ties as well as multilateral equations. New Delhi has signalled that its strategic and economic interests will take precedence over everything else. Last year, India had thumbed its nose at the US-led West by signing a 10-year deal with sanctions-hit Iran to operate the Chabahar port. The move was aimed not only at boosting India's trade links with Afghanistan and Central Asia but also bypassing the ports of Karachi and Gwadar in Pakistan.

Chabahar figured in the Misri-Muttaqi talks too, with its potential use for sending humanitarian aid to Afghanistan being vital for New Delhi's goodwill mission.For all intents and purposes, India has granted recognition to the Taliban regime, though it will not say that in so many words. What's more, New Delhi has pulled off a diplomatic triumph by pushing an insecure Islamabad into a corner.

Alcohol intake entwined with cancer risk

t's critical to guard against industry lobbies that try to stall health-related regulations

The new year has begun with a new health warning. America's Surgeon General Vivek Murthy has released an advisory, pointing to a direct link between alcohol consumption and increased cancer risk. Alcohol consumption is the third leading preventable cause of cancer in the US. Alcohol, the advisory says, increases risk for at least seven types of cancer (breast, colorectum, esophagus, liver, oral cavity, throat and voice box), regardless of the type of alcohol consumed. As much as 16.4 per cent of the breast cancer cases in the US are attributable to alcohol consumption. For certain cancers, such as breast, mouth and throat, the advisory warns that "the risk of developing cancer may start to increase around one or fewer drinks per day". Even small amounts of alcohol can contribute to chronic conditions like liver cirrhosis. An individual's risk of developing cancer due to alcohol consumption, however, depends on several biological, environmental and social factors.The advisory follows the 2023 statement of the World Health Organisation (WHO) on the risks and harms associated with drinking alcohol, based on a systematic evaluation of scientific evidence. Alcohol is responsible for a substantial disease burden directly, and accounts for a sizeable number of alcohol-related road accidents. The WHO statement published in The Lancet Public Health concluded, "When it comes to alcohol consumption, there is no safe amount that does not affect health."Back in the 1980s, the International Agency for Research on Cancer classified alcohol as a 'Group 1 carcinogen'. This is the highest-risk category of cancer-causing substances that includes tobacco, radiation and asbestos. Ethanol causes cancer through biological

mechanisms as it breaks down in the body. Therefore, any beverage containing alcohol (be it beer, wine or whiskey) poses a health risk. In its statement, the WHO pointed out that the risk increases substntially with the amount of alcohol going up.This evidence busts the myth that some alcoholic drinks, particularly red wine, are beneficial for health if consumed in moderation. For decades, the alcohol industry has propped up cardiologists to promote the idea that wine in moderation is good for the heart's health without any credible scientific study to back such claims.On the other hand, data from the WHO's European Region shows that half of all alcohol-attributable cancers are caused by what is generally considered 'light' and 'moderate' consumption like a bottle of wine or two bottles of beer per week. As per the WHO, there are no studies that demonstrate beneficial effects of light and moderate drinking on heart disease or diabetes or studies that outweigh the cancer risk associated with such levels of consumption. Carina Ferreira-Borges, an expert on alcohol and illicit drugs at the WHO, has said, "The only thing that we can say for sure is that the more you drink, the more harmful it is. In other words, the less you drink, the safer it is."When there is scientific evidence about the ill effects of a commonly produced and consumed commodity that also yields substantial revenue for governments, what are the available options to reduce the harm? The WHO's statement on alcohol distils available scientific evidence and also presents policy options available to governments. It is for the governments to act. One of the most obvious options to reduce alcohol consumption is to make people aware of the potential harm through warning labels on alcohol bottles. This is among the measures Murthy has suggested for the US and what some European countries are planning to do. Murthy has also called for a reassessment of the guideline limits for alcohol consumption to account for cancer risk.

The warning labels under consideration by various countries are of many types — with messages against general harm to health, harms of excessive use and abuse and those for specific groups (underage people, pregnant women, etc.). For instance, the warning Ireland plans to introduce in 2026 says, "Drinking alcohol causes liver cancer". In 2019, India mandated more generic warnings that say "Consumption of alcohol is injurious to health" for hard liquor and "Be safe, don't drink and drive" for low-alcohol beverages.Apart from warning labels, restrictions on alcohol marketing are in place in India. Alcohol advertising is banned in newspapers, radio and television, though surrogate advertising continues in many ways, taking advantage of loopholes in advertising regulations. In recent years, surreptitious advertising through social media and digital platforms is posing new challenges.Like in the case of warnings on tobacco labels, industry and pro-industry groups argue that health warning labels are of little use in reducing consumption. But available evidence — as reported in a recent review published in The Lancet — points out that warning labels on alcohol products are useful in many ways. They can enhance awareness of alcohol-related harms, contribute to the denormalisation of alcohol use and help people make informed decisions, thereby promoting public health. The effectiveness of health labels depends on their design and content. At present, there is no standardisation of health warning labels and the content is very general, which may not help people make informed decisions.

India has implemented regulations on warning labels on alcohol products for about five years now. We are yet to know how effective this exercise has been. We need continuous research on the design and content of warning messages, and consumer feedback on the same. Unlike tobacco products, where health warnings occupy a good part of the packaging and are more graphic, warnings on liquor bottles occupy tiny space and are vague. Along with health warnings, additional measures like regulation of alcohol sale on highways, curbing sale to underage consumers and drunken driving need to be implemented more stringently.It is critical to guard against industry lobbies that are constantly trying to stall health-related and other regulations in India. We need more champions of public health like Murthy to reduce the healthcare burden due to alcohol.

Market Cap Of Top 50 APAC Firms Hits Record 8.1 Trillion In 2024, India Third

New Delhi. Led by technology companies, the total market capitalisation of top 50 firms in the Asia-Pacific (APAC) region surged to $8.1 trillion in 2024, reflecting a 20.6 per cent year-on-year increase, according to a new report. Geographically, India was third (after China and Japan) with seven companies accounting for $914 billion, according to the report by GlobalData. The equity markets in the country soared to record highs last year, firmly establishing the nation with a market capitalisation of $5.29 trillion this year, which was the fourth largest market cap globally after the US, China and Japan. Benchmark indices Nifty and Sensex hit all-time highs of 26,277.35 and 85,978.25, respectively, last year.

APAC markets ended 2024 on a cautious note as optimism for the new year diminished amid the rising trade risks from Donald Trump's presidency and China's faltering economic recovery," said Murthy Grandhi, company profiles analyst at GlobalData.

Taiwan Semiconductor Manufacturing Company (TSMC) retains its position as APAC's largest company, boasting a remarkable market cap of $850.3 billion, a 69.7 per cent year-on-year (YoY) growth. According to the report, the global demand for semiconductors and Taiwan's critical role in chip production has fuelled TSMC's growth.

Samsung Electronics, despite ranking seventh, experienced a sharp 40.5 per cent decline in market cap, as it faced headwinds in the high-bandwidth memory (HBM) chips segment, a vital component for AI processors.

Bharti Airtel climbed to 30th spot with 52.6 per cent growth, reflecting the expansion of its digital and telecommunications services in emerging markets. Hon Hai Precision Industry (Foxconn), known for its role in Apple's supply chain, made a notable entry into the top 50, ranking 50th with a 65.1 per cent YoY growth, said the report.

"Equity markets in early 2025 will likely to be influenced by key policy decisions," according to Grandhi. NSE's market cap increased by 21 pc to Rs 438 lakh crore in 20242024 has been a historic year for the Indian stock market as the market cap of the National Stock Exchange (NSE) increased by 21 per cent on YoY (year-on-year) basis to Rs 438.9 lakh crore ($5.13 trillion) as of December 31, 2024, from Rs 361.05 lakh crore ($ 4.34 trillion) on Decembr 29, 2023.A total of 301 companies have been listed on the NSE in 2024. Out of these, 90 were mainboard and 178 were SME companies. At the same time, 33 companies have been directly listed. In 2024, IPOs of 90 mainboard companies came. All these companies raised a total amount of Rs 1.59 lakh crore. The average IPO size among mainboard companies was Rs 1,772 crore.

India adds record renewable energy capacity of about 30 GW in 2024

NEW DELHI. India logged a record high renewable energy capacity addition of about 30 GW in 2024, more than 113 per cent higher than 13.75 GW recorded in 2023, according to the Ministry of New & Renewable Energy data. This assumes significance in view of India's ambitious plan to have 500 GW of renewable energy capacity in the country by 2030.

Besides, India needs to add an average of 50 GW of renewable energy capacity per annum over the next six years to achieve its target."Exponential growth from 13.75 GW in 2023 to around 30 GW in 2024, resulting in achieving nearly 218 GW now underscores India's growing commitment to clean energy and its progress in building a greener future," New & Renewable Energy Minister Pralhad Joshi said in a post on X.

According to the ministry data, India had 35.84 GW of renewable energy capacity as of March 31, 2014.

Since the fiscal year 2014-15, when the NDA government took the reins at the Centre, India recorded the highest renewable capacity addition of 18.48 GW in 2023-24.The government is eyeing adding 50GW of renewable energy capacity addition per annum to achieve its target of 500GW by 2030.

Microfinance delinquencies nearly double to over Rs 28,000 crore in a year

NEW DELHI. India's microfinance sector is experiencing a notable rise in delinquencies, particularly in the top ten states, despite the banking sector's celebration of a 12-year low in non-performing assets (NPAs). Microfinance loans to low-income groups saw a significant surge in portfolio at risk (PAR) — loans with an overdue of 31-180 days — doubling to `28,154 crore by September 2024 from `14,617 crore a year ago.The delinquencies in the 31-180 days overdue category work out to 6.8 per cent of the total portfolio of `4.14 lakh crore exposure of microfinance firms, including banks and NBFCs, as of September 2024 as against 3.8 per cent of `3.84 crore portfolio in September 2023, says a report.

The incremental rise in the 31-180 days PAR category of microfinance institutions stood at `8,117 crore for the quarter ended September, taking the overall incremental rise in PAR to `13,468 crore for the 12 months ended September, according to a CRIF High Mark report. PAR was 4.6 per cent of advances in June 2024.

Bihar, UP, Tamil Nadu, and Odisha accounted for 62 per cent of the incremental delinquency, with Bihar reporting a `1,715 crore rise in delinquency for the three months ended September 2024. Bihar was followed by UP with a rise of `1441 crore in PAR, Tamil Nadu `1,009 crore and Orissa `995 crore, the report said.Several factors contributed to this decline in portfolio quality. MFIs were lending to over-leveraged borrowers and they taking on too much debt, leading to repayment difficulties. Further debt-waiver campaigns by states and politicians to waive off debts have disrupted the repayment cycle. There was high field-staff attrition with frequent changes in field staff, affecting the quality of loan disbursal and collection.Elections and extreme weather conditions hindered loan recovery efforts. This rise in delinquencies may push up the credit cost for NBFC-MFIs, potentially impacting the microfinance sector's growth.

The slowdown in the economy has also contributed to the indebtedness and stress in the microfinance sector. The Reserve Bank of India has set a common household limit of `300,000 for loans to qualify as microfinance. This limit applies to all entities in the microfinance sector.

SEBI watchful of 'pump & dump' trades in index heavyweights

MUMBAI. Market regulator SEBI is "watchful" of instances of market players trying to manipulate one segment to profit in another, specifically when a few stocks have high weighting in the index, a senior official said on Saturday."When you have indices which have huge weighting on a few handful of stocks, even if there is no manipulation happening, the fear that some people might be manipulating the cash market to derive or drive the derivatives markets and increase volatility is not healthy," SEBI whole-time member Ananth Narayan said here on Saturday addressing the concerns of possible manipulation in the cash market, which could lead to volatility or activity in the derivatives market to profit some people. While practices of taking bets in both cash and derivatives is not unusual as it is used for hedging or higher profit, the regulator is watchful of any 'pump and dump' under the garb of such trades, he told at a seminar by the SEBI-run National Institute of Securities Markets.

"A burst of activity by a large player in one market to profit in the other market - a lot of buying followed by a lot of selling in order to profit in the derivatives market. Likewise, marking the close where just at the time of expiry, if there is a lot of activity in cash market to try and get a particular close, these are standard manipulative practices that every regulator in the world watches out for."

"One of the questions that we have is when you have indices trading in futures and options, purely for trading in F&O, not for benchmarks, for mutual funds, not for anything else, should there be restrictions on how much of weighting the top stock, the top three stocks, etc. should have. Now, this is a matter of discussion," he added.

Tax Deduction Limit To Rs 5 Lakh; Carpet Area Parameter For Affordable Housing: Realtors' Demand From Budget 2025

NEW DELHI. The real estate in the country is at the cusp of scripting new records with housing sales spiralling up across cities. As per ANAROCK report, the inventory pile-up is already declining and new projects are taking shape. "In the North, Delhi-NCR's unsold inventory declined from approx. 2 lakh units by Q1 2018-end to approx. 86,420 units by Q1 2024-end. In the South, Bengaluru, Hyderabad & Chennai saw collective unsold stock decrease by 11% in this period; Bengaluru saw a 50% decline; in Hyderabad, inventory rose almost 4X amid increased new supply," said an ANAROCK report released in May last year.As the Narendra Modi government prepares to present its second budget of its third tenure, realtors are optimistic about a favorable approach from Finance Minister Nirmala Sitharaman this time.

The real estate players are expecting a slew of changes in the current provisions not only to boost sales but also to help homebuyers gain big.

Manoj Gaur, President- CREDAI NCR and CMD, Gaurs Group said that real estate mirrors the country's economic progress in many ways and thus, it needs special attention. "We expect the government to infuse new vigour into India's economic development. One of the major demands of the sector is the rationalisation of stamp duty, which has increased significantly in recent years and is causing a big financial burden on buyers," he said.

The decline in affordable housing projects has been yet another major concern not only among the sector but even for states and central governments as well. Experts want the government to address this issue by reworking the parameters of affordable housing to reflect the current reality.

"Instead of focusing on price cap (the current Rs 40/45 lakh limit is too little, given the pricing trends and variance in land cost from one town/city to another), it should emphasise carpet area, that is, 60 sqm in the metros and 90 sqm in non-metro cities. Incentivising real estate developers in the form of income tax rebates to undertake affordable housing projects can provide a fillip to affordable housing and help the country realise its mission of 'Housing for All'," said Gaur.

India Stock Outlook: Inflation Data, Q3 Earnings On Investors Radar

Mumbai. Indian stock markets are expected to remain sensitive to market triggers such as corporate earnings, key macroeconomic data, including CPI and WPI inflation, and foreign fund outflows amid the ongoing corrective phase, according to the market experts.The market experts believe that market participants will keenly watch India's CPI data for December 2024, which is scheduled for release on January 13. The data is expected to guide market expectations for interest rate decisions and economic sentiment ahead of the RBI's February policy review, as per the market experts.

Observing the investors sentiment for the upcoming week, Ajit Mishra, SVP, Research, Religare Broking Ltd, stated that the market focus will shift to corporate earnings, with key players like HCL Tech, Reliance, Infosys, Axis Bank, and Wipro set to announce results."Key macroeconomic data, including CPI and WPI inflation, will also be closely watched.

Moreover, ongoing foreign fund outflows and cues from US markets are expected to impact sentiment," said Mishra.Manish Goel, Founder and Director, Equentis Wealth Advisory Services Pvt Limited, stated,The December WPI data, set for release on January 14, 2025, will provide critical insights into price movements in food, fuel, and manufacturing, following November's moderation to 1.89 percent."As per Goel, key sectors such as FMCG, agriculture, and energy could witness notable impacts as inflation shapes consumer behaviour, input costs, and corporate profitability. He further added that the market participants are now closely watching the RBI's upcoming monetary policy decision in February, as any rate cuts could help revive demand by making borrowing cheaper, potentially boosting spending and investment to stabilise economic growth in the coming months.

According to the experts, IT, FMCG, and select pharma sectors appear relatively resilient, while broader markets and other sectors are likely to remain under pressure.After two weeks of consolidation, the stock markets saw a roughly 2.5 per cent loss, prolonging the current corrective period.Sentiment was tempered by poor quarterly updates and mounting worries about HMPV virus outbreaks in India.Although indices attempted to recover mid-week, late-session selling dragged the Nifty and Sensex to weekly lows of 23,431.5 and 77,378.91, respectively.

Work-life balance: The debate continues

BENGALURU. Larsen & Toubro chairman SN Subrahmanyan's 90-hour-week comment has once again brought back the work-life balance debate. In an internal meeting, he told employees, "I regret I am not able to make you work on Sundays." Infosys founder Narayana Murthy also had pitched for a 70-hour work week that ignited the heated debate. Ola CEO Bhavish Aggarwal too had supported Murthy's comment saying he is 'fully in sync' with his direction to the youth.

The growing debate on the issue necessarily points to widening generational rifts in enterprises, points out human resource experts.Enterprise leadership today holds a varying mix of baby boomers, generation X-ers and millennials, and it shows when recurring issues like work from home and flexibility re-emerge, says Kamal Karanth, co-founder of Xpheno, a specialist staffing firm.

"The definitions of effort, intensity, consistency and productivity keep evolving with generations, and the resultant frictions are here to stay. Even if you keep the opinions aside, it seems mandatory for all leaders to know that there's a thin line between 'within and without' of enterprises," he adds.The founder of Xpheno points out that it's safe to assume that what happens in townhalls and reviews can and may find its way out for public consumption in a highly digitally invaded world of work. It would be, hence, prudent to address the internal audience with the same caution and poise as addressing an external audience.

Employees' wellbeing

In its Talent Trends 2024 report, Michael Page found that for people in all age groups, work-life balance remains top priority. The report said in India 41% of respondents would refuse a promotion to maintain wellbeing.

The death of a young woman at EY and the untimely deaths of several business leaders including Table Space founder Amit Banerji in recent times highlight the importance of health in high-stress professions.Rishad Premji, executive chairman, Wipro Limited, recently at an event emphasised the importance of work-life balance. He said organisations are never going to work at it for you and that the concept of work-life has also changed.

While some have supported the idea of long hours of work, others such as Rajiv Bajaj and Harsh Goenka went against the L&T chief's comment. RPG Group chief Harsh Goenka said, "Working hard and smart is what I believe in, but turning life into a perpetual office shift? That's a recipe for burnout, not success. Work-life balance isn't optional, it's essential."Helios Capital founder Samir Arora said in the beginning one has to work harder than others to learn, get noticed and get ahead.

PPF Interest Rate In 2025: How To Open PPF Account, Check Investment Limits, Tenure, Eligibility Criteria, And Withdrawal Rules

This scheme is one of India's most trusted investment options and is backed by the government. The PPF comes under the umbrella of small savings schemes, with interest rates reviewed quarterly.

NEW DELHI. The Public Provident Fund (PPF) is a popular fixed-income savings scheme in India. This scheme is one of India's most trusted investment options and is backed by the government. The PPF comes under the umbrella of small savings schemes, with interest rates reviewed quarterly.

PPF Interest Rate 2025 In January

Notably, the government has kept the interest rates unchanged for this quarter in 2025. Hence, the savings in Public Provident Fund (PPF) will continue to attract an interest rate of 7.1 per cent in January – March 2025. However, the rates are subject to quarterly revisions by the government. Let's have a quick look on the unmatched features of the PPF for those seeking a reliable savings scheme.

How To Open PPF Account? Step 1: Open your internet banking or mobile banking app and log in.

Step 2: Click on the 'Open a PPF Account' option.

Step 3: If the account is for self, click on the 'Self Account' option. If you are opening the account on behalf of a minor, select the 'Minor Account' option. Step 4: Type in how much you want to deposit each year

Step 5: Submit the form and enter the OTP sent to your phone to finish the process.

PPF: Investment Limits And Tenure You can invest as little as Rs 500 annually in your PPF account, with a maximum limit of Rs 1.5 lakh per year. The scheme features a 15-year lock-in period, and upon maturity, it can be extended indefinitely in 5-year blocks by submitting an extension form. This flexibility makes it an ideal long-term option for wealth building.

PPF Taxation:

PPF investments up to Rs 1.5 lakh qualify for tax deductions under Section 80C of the Income Tax Act. Adding further, the returns are entirely tax-free, making it a highly tax-efficient investment choice.

PPF Eligibility Criteria: A PPF account can be opened by any resident Indian adult. Adding further, guardians have the provision to open accounts on behalf of minors or individuals with unsound minds, ensuring accessibility for all. Furthermore, there is no age limit for opening a PPF account. You can open a PPF account at a bank, post office, or online. PPF Withdrawal Rules You can make withdrawals from your PPF account after five years, following certain rules. When the account matures, you can withdraw the full amount, keep the balance to earn interest, or extend the account in 5-year blocks, with or without adding more money.

AAP's Delhi model sets blueprint for developed India, says author Jasmine Shah

Shah, who has been associated with Kejriwal's party and the Delhi Government since 2016, said health is another sector the AAP government is working on in Delhi.

NEW DELHI. The AAP's Delhi model has been talked about and followed across the country, and this is a road map for India to become a developed country, said Delhi Model's author Jasmine Shah on Saturday.

"We overhauled the education system by focussing on the development of infrastructure and changing the syllabus as well. We ensured that each government-run school should have toilets and clean water like basic facilities for students," said Shah while launching his book launch in Mumbai.

Further talking about the "overhauling" of the education system in the national system, he said the Delhi government has sent the school teachers abroad for training.

"Delhi is the only state that does it; therefore, many students from private schools are flocking to government-run schools. Our school students are getting admissions in elite colleges like IIT on their merit," said Shah, who had been an adviser to former deputy chief minister of Delhi, Manish Sisodia.Building on his argument, the author also said the AAP, after coming to power in Delhi, primarily worked on health and education. He even claimed that the AAP-led government had increased the budget in both education and health sectors while in other states, it was reduced.

Shah, who has been associated with Kejriwal's party and the Delhi Government since 2016, said health is another sector the AAP government is working on in Delhi."We started Mohalla Clinic in every part of Delhi where health services are provided at minimum cost.

We are not only giving the treatment but ensuring that the medicines at minimum cost should be provided. Therefore, the majority of medical tests and medicines are extended at free of cost to needy and poor people.

We also took the decision that any person who gets injured in road accidents in Delhi will be treated immediately in nearest private hospitals," Shah added.

Delhi's Air Quality Improves After Light Rain, But Remains 'Poor'

New Delhi. Delhi and its neighbouring cities received light rain on Saturday evening, which improved the air quality to 'poor' on Sunday morning and provided some relief from the dense fog that was blanketing parts of the national capital region for the past few days.Delhi on Saturday recorded a low of 7.7 degrees Celsius, while the maximum temperature settled at 17 degrees Celsius, three notches below the season's average, as per the India Meteorological Department (IMD).The thick layer of fog on Saturday led to the delay of at least 45 trains.

Cold wave conditions continue in other parts of north India, including Himachal Pradesh and Jammu and Kashmir, with temperatures falling below freezing point.

Delhi and its neighbouing cities such as Ghaziabad and Noida received rain on Saturday evening.

The IMD has predicted a generally cloudy sky with light rain on Sunday.On Saturday, Delhi-NCR woke up to dense fog in some areas, which led to 45 trains running late, however, flight operations at Indira Gandhi International Airport (IGI) remained mostly normal.

The Air Quality Index of Delhi, which was in the range of 'severe' to 'very poor' for the last few days, improved to the 'poor' category on Sunday morning.As per Centre's Sameer app, Delhi's overall AQI at around 5 a.m. on Sunday stood at 285.An AQI between 0 and 50 is considered "good," 51-100 "satisfactory," 101-200 "moderate," 201-300 "poor," 301-400 "very poor," and 401-500 "severe".Cold wave continued in Himachal Pradesh, with the local meteorological department predicting moderate rain in low-lying plains and snow in isolated areas in middle and high hills, including Shimla and Manali, on Saturday and Sunday.

A fresh western disturbance is likely to affect northwest India from the night of January 14, 2025, the MeT said and also predicted light rain and snow in isolated places in middle and high hills on Thursday and Friday.

Talking about the anti-pollution measures in the national capital, currently GRAP I, II and III are in effect.CAQM in compliance with Supreme Court's earlier order, invoked actions under Stage III of GRAP on Thursday.The centre's air quality panel said, "The AQI of Delhi which was recorded as 297 on January 8, 2025, exhibited a sharp increasing trend and has been recorded as 357 at 4 p.m. on January 9 owing to calm winds and foggy conditions."

CAQM added, "The Sub Committee on GRAP hereby decide to invoke all actions under StageIII ('Severe'Air Quality of Delhi) of revised Schedule of GRAP, with immediate effect in right earnest by all the agencies concerned in Delhi-NCR, in addition to the Stage-I and II actions already in force."

Encounter erupts between security forces, Naxals in Chhattisgarh's Bijapur

New Delhi. An encounter broke out between security personnel and Naxalites in Chhattisgarh's Bijapur district on Sunday morning.According to police sources, the gunfight started in a forest when a joint team of security personnel was out on an anti-Naxalite operation. The police team included personnel from the District Reserve Guard (DRF), Special Task Force (STF) and the district force were involved in the operation.Intermittent exchange of fire was still underway, sources said, adding further details were awaited.

The security forces have stepped up their anti-Naxal operations in Chhattisgarh. On January 4, five Naxalites were killed in an encounter with security forces in Chhattisgarh's Bastar district.

The gunfight broke out in a forest in south Abujhmaad along the border of Narayanpur and Dantewada districts when a joint team of security personnel was out on an anti-Naxalite operation. In the operation, five Naxalites were killed by the security forces.Later on January 6, eight District Reserve Guard (DRG) personnel and a driver were killed after Naxals blew up their vehicle using an improvised explosive device (IED) in the state's Bijapur district. The blast occurred on the Bedre-Kutru Road in the district when the security team was returning from an anti-Naxal operation.

The Narendra Modi-led central government has vowed to end Naxalism in the country by March 31, 2026.In his address at the Agenda Aaj Tak in December 2024, Shah said, "Only two districts in Chhattisgarh remain under Naxal influence" and they will be freed by March 31, 2023.

Audi Crash Kills 1 In Delhi: How Driver Was Caught In 12 Hours

New Delhi. A 28-year-old man was killed in a hit-and-run accident involving an Audi and an Ertiga in Delhi on Saturday. The Delhi Police solved the case and arrested the missing driver of the Audi within 12 hours of the incident.

The accident occurred around 6:30 am on Ring Road, in front of the World Trade Centre in Bhikaji Cama Place. The victim, identified as Sukhjeet Nanda, a resident of Haryana's Hisar was driving a Maruti Suzuki Ertiga from Dhaula Kuan toward South Extension when his car

was struck by a speeding silver Audi sedan. According to eyewitness accounts and police reports, the Audi jumped the road divider and collided with the Ertiga head-on.Following the crash, the Audi driver fled the scene, leaving behind wreckage and a critically injured victim. Mr Nanda was rushed to the AIIMS Trauma Centre, where doctors pronounced him dead on arrival.

Upon receiving information about the incident, officials from Safdarjung Enclave Police Station were dispatched to the scene. An FIR was registered and a special team was formed to track down the driver of the Audi.

The police analysed footage from over 50 CCTV cameras installed along a stretch of nearly 60 kilometres, tracing the Audi's movements from the crash site to various parts of the city. The probe found that the Audi was registered to one Paras Pathania, a 25-year-old resident of Pushkar Enclave in Paschim Vihar.

By the afternoon of January 11, police arrested Paras Pathania at his residence. Pathania has been living in Delhi since April 2024 after relocating from Canada. where he had resided since 2018.

Prashant Kishor, YouTuber get notices for 'baseless' allegations against exam body

New Delhi. The Bihar Public Service Commission (BPSC) has issued legal notices to Prashant Kishor, the founder of the Jan Suraaj Party, and YouTuber Faizal Khan, popularly known as Khan Sir, over their comments on alleged irregularities in the Combined Competitive Examination (CCE).The commission accused Khan of spreading misinformation about the normalisation of scores in the BPSC exam, which it claims incited protests by aspirants. The notice also alleges that Khan Sir used terms like "besharam" (shameless) and "baklol" (someone who is stupid) to describe the commission during the demonstrations.Khan has been asked to provide evidence for his claims within 15 days or face legal action. He told reporters, "I will keep fighting for the cause of students," adding that he will consult his lawyers before responding.Prashant Kishor, meanwhile, has been asked to substantiate his allegations that government jobs in Bihar are sold for amounts ranging from Rs 1 crore to Rs 1.5 crore, with the total value of the alleged corruption exceeding Rs 1,000 crore. In interviews, Kishor described the matter as a major scandal. The BPSC has given him seven days to produce evidence.The controversy emerged following allegations of a question paper leak during the December 13 exam, which was attended by over 12,000 candidates in Patna. While the government has denied the allegations, it ordered a re-exam for the affected candidates.Protests have intensified, with students demanding the cancellation of the exam. Independent MP Pappu Yadav has called for a state-wide bandh on January 12. Congress student wing leader Varun Choudhary joined the demonstrations, observing a silent vigil.

Steve Jobs' Wife Laurene Powell Offers Prayers At UP Temple Ahead Of Maha Kumbh Visit

New Delhi. Laurene Powell Jobs, the wife of late Apple co-founder Steve Jobs, visited the Kashi Vishwanath Temple in Varanasi on Saturday before heading to Prayagraj for Maha Kumbh. Ms Lawrence was accompanied by Swami Kailashanand Giri Ji Maharaj of Niranjani Akhara to the temple.Wearing an Indian attire (a pink suit and a white 'dupatta' on her head), Ms Laurene offered prayers from outside the sanctum sanctorum at the Kashi Vishwanath Temple."She followed the traditions of the temple...As per our Indian tradition, in Kashi Vishwanath, no other Hindu can touch the Shivling. That's why she was made to see the Shivling from outside," Kailashanand Giri said.

He also mentioned that they prayed for the successful completion of the Maha Kumbh without any obstacles or difficulty."Today, we have come to Kashi to pray to Mahadev that the Kumbh is completed without any obstacles... I came here to invite Mahadev.

Our disciple Maharshi Vyasanand is with us from America. Tomorrow he is becoming a Mahamandaleshwar in my Akhara," he added.Ms Laurene, who was renamed as 'Kamala', will attend the upcoming Maha Kumbh in Uttar Pradesh's Prayagraj. According to Kailashanand Giri, she will stay in Kumbh and is also planning to take a dip in Ganga.

'Maha Kumbh', the grand mela, is scheduled to begin on January 13 and conclude on February 26 in Prayagraj. It is held once every 12 years. On Saturday, a major water laser show showcasing key events related to the Maha Kumbh was inaugurated by the Industrial Development Minister, Nand Gopal Gupta Nandi, at the Yamuna Bank Ghat in Prayagraj. The show, prepared at a cost of nearly Rs 20 crore, was held for 45 minutes.

IAS Prashant Kumar Singh appointed as new chief secretary of Manipur

NEW DELHI. The Appointments Committee of the Cabinet has approved the repatriation of Prashant Kumar Singh, an Indian Administrative Service officer of the 1993 batch, to his parent cadre in Manipur.Singh will take over as the Chief Secretary of the state, following the recent appointment of Vineet Joshi, the previous Chief Secretary, as Higher Education Secretary at the Centre.Singh, who belongs to the Manipur cadre, was serving as Secretary of the Ministry of New and Renewable Energy earlier.

He has held several key positions in the past, including Chief Executive Officer of the Government e-Marketplace, an initiative under the Ministry of Commerce and Industry.Singh holds a degree in Electrical Engineering from the Indian Institute of Technology, Delhi, and a master's degree in Public Policy and Sustainable Development from TERI University, New Delhi.The new Chief Secretary assumes his role amid a challenging period for Manipur, which has been grappling with prolonged ethnic and political tensions.

Wife can claim maintenance despite not living with husband: Supreme Court

New Delhi. In a significant judgement, the Supreme Court has ruled that a woman can be given the right to maintenance from her husband even after she has not complied with the decree to cohabit with her spouse if she has valid and sufficient reason to refuse to live with him.A bench of Chief Justice Sanjiv Khanna and Justice Sanjay Kumar settled the legal dispute over the question whether a husband, who secures a decree for restitution of conjugal rights, stands absolved of paying maintenance to his wife by virtue of law if his wife refuses to abide by the said decree and return to the matrimonial home.The bench said there can be no hard and fast rule in this regard and it must invariably depend on the circumstances of the case.

It said the question as to whether noncompliance with a decree for restitution of conjugal rights by a wife would be sufficient in itself to deny her maintenance, owing to Section 125(4) of CrPC has been addressed by several high courts but no consistent view is forthcoming, as their opinions were varied and conflicting.After analysing various judgements of the high courts and the apex court, the bench said, "Thus, the preponderance of judicial thought weighs in favour of upholding the wife's right to maintenance under Section 125 CrPC and the mere passing of a decree for restitution of conjugal rights at the husband's behest and non-compliance therewith by the wife would not, by itself, be sufficient to attract the disqualification under Section 125(4) CrPC."The bench said it would depend on the facts of the individual case and it would have to be decided on the strength of the material and evidence available, whether the wife still had valid and sufficient reason to refuse to live with her husband, despite such a decree."There can be no hard and fast rule in this regard and it must invariably depend on the distinctive facts and circumstances obtainingin each particular case."In any event, a decree for restitution

of conjugal rights secured by a husband coupled with non-compliance therewith by the wife would not be determinative straightaway either of her right to maintenance or the applicability of the disqualification under Section 125(4) CrPC," it said.The bench gave the authoritative pronouncement, in the case of an estranged couple from Jharkhand, who entered into the wedlock on May 1, 2014 but parted ways in August, 2015.

The husband moved the family court in Ranchi for restitution of conjugal rights and claiming that she left her matrimonial home on August 21, 2015 and did not return thereafter despite repeated efforts to bring her back.His wife, in her written submission before the family court, alleged that she was subjected to torture and mental agony by her husband, who demanded Rs 5 lakh dowry for purchasing a four wheeler.She alleged that he had extramarital relations and she had suffered a miscarriage in January 1, 2015 but her husband did not come to see her from his workplace.The wife further claimed that she was willing to return to her matrimonial home on the condition that she should be allowed to use the washroom in the house, as she was not allowed to do so earlier, and she should also be allowed to use an LPG stove to prepare food, as she had to do so by using wood and coal.The family court on March 23, 2022, gave a decree for restitution of conjugal rights while noting that the husband wanted to live with her.

NEWS BOX

Greenland's leader says his people don't want to be Americans, but open to negotiations

COPENHAGEN. Greenland's prime minister said Friday that the mineral-rich Arctic territory's people don't want to be Americans, but that he understands U.S. President-elect Donald Trump's interest in the island given its strategic location and he's open to greater cooperation with Washington.

The comments from the Greenlandic leader, Múte B. Egede, came after Trump said earlier this week that he wouldn't rule out using force or economic pressure in order to make Greenland — a semiautonomous territory of Denmark — a part of the United States. Trump said that it was a matter of national security for the U.S.

Egede acknowledged that Greenland is part of the North American continent, and "a place that the Americans see as part of their world." He said he hasn't spoken to Trump, but that he's open to discussions about what "unites us.""Cooperation is about dialogue. Cooperation means that you will work towards solutions," he said.Egede has been calling for independence for Greenland, casting Denmark as a colonial power that hasn't always treated the Indigenous Inuit population well.

"Greenland is for the Greenlandic people. We do not want to be Danish, we do not want to be American. We want to be Greenlandic," he said at a news conference alongside Danish Prime Minister Mette Frederiksen in Copenhagen.Danish Prime Minister Mette Frederiksen and her Greenland's counterpart Mute B. Egede, left, meet the media in the Mirror Hall at the Prime Minister's Office, at Christiansborg in Copenhagen.

Powerful Winter Storm That Dumped Snow In US South Maintains Icy Grip

Atlanta. Flight cancellations piled up and state officials warned of continuing dangerous roads on Saturday in the wake of a winter storm that closed schools and disrupted travel across parts of the southern US.

A storm that brought biting cold and wet snow to the South was moving out to sea off the East Coast on Saturday, leaving behind a forecast for snow showers in the Appalachian Mountains and New England. But temperatures are expected to plunge after sundown Saturday in the South, raising the risk that melting snow will refreeze, turning roadways treacherously glazed with ice.

"I definitely don't think everything's going to completely melt," said Scott Carroll, a National Weather Service meteorologist in Atlanta. "Especially the secondary roads will probably still have some slush on them. Major roads were mostly clear, but few ventured out early Saturday. The Atlanta Hawks postponed the pro basketball game they were supposed to host Saturday afternoon against the Houston Rockets, citing icy conditions.

Major airports, including Atlanta and Charlotte, North Carolina, continued to report disruptions. While flights were operating, airlines cancelled and delayed more flights after Friday's weather slowed airline travel to a crawl. By Saturday afternoon, about 1,000 flights in and out of Hartsfield-Jackson Atlanta International Airport were cancelled or delayed, according to tracking software FlightAware.

Sarah Waithera Wanyoike, who lives in the Atlanta suburb of Lilburn, was starting her second day at Atlanta's airport on Saturday. Wanyoike arrived at the world's busiest airport before sunrise Friday to catch an Ethiopian Airlines flight, on the way to her job in Zimbabwe.

The plane boarded after a delay on Friday, but never left, discharging passengers back to the gate after taxiing around and never taking off for six hours. Wanyoike said her luggage remained stuck on the plane and she dared not try to go home because she was told to be back at the gate before dawn Saturday.

"People slept with their babies on the floors last night," Wanyoike said. Delta Air Lines, the largest carrier at the Atlanta airport, said late Friday that it was "working to recover" on Saturday, saying cancellations would be worst among morning flights because of crews and airplanes that weren't where they were supposed to be after the airline cancelled 1,100 flights on Friday.

South Korean President Yoon to skip first impeachment trial hearing over safety concerns

World. South Korea's impeached President Yoon Suk Yeol will not attend the first hearing of his impeachment trial citing safety concerns, his lawyer was quoted as saying by South Koean news agency Yonhap News.The Constitutional Court is set to hold the hearing on Tuesday to decide whether Yoon will be removed from office or reinstated."The officials in the Corruption Investigation Office and the police are

trying to enforce illegal and invalid arrest warrants through unlawful methods, raising serious concerns about personal safety," Yoon's lawyer Yoon Kab-keun said in a statement.

The Corruption Investigation Office for High-ranking Officials (CIO) is also planning a new attempt to arrest the president over a separate case linked to his failed attempt to declare martial law in early December. An earlier arrest attempt on January 3 ended in a standoff lasting several hours at Yoon's highly secured residence in central Seoul.

Child Star Rory Sykes Dies After Water Was "Switched Off" During Los Angeles Wildfires

Rory Callum Sykes, former 'Kiddie Kapers' actor, died of carbon monoxide poisoning, his mother announced on social media.

World. Rory Callum Sykes, a former child star from Australia has become the latest casualty of Los Angeles wildfires after the blaze ripped through his family's Malibu property, according to a social media post by his mother, Shelly Sykes. The 32-year-old who rose to fame when he appeared on the 1998 British TV series Kiddy Kapers and later became a motivational speaker on living with disabilities, reportedly died of carbon monoxide despite Ms Sykes' best attempts to save her son."It is with great sadness that I have to announce the death of my beautiful son @Rorysykes to the Malibu fires yesterday. I'm totally heartbroken," Ms Sykes, wrote on X (formerly Twitter)."He was a British-born Australian living in America, a wonderful son, a gift born on mine and his grandma's birthday 29 July 92."According to Ms Skyes, her son, who was born with cerebral palsy, was staying in a cottage on the family's 17-acre Mount Malibu TV Studio estate. As Ms Skyes tried to use water to douse the fire, she discovered it had been turned off.

"I couldn't put out the cinders on his roof with a hose because the water was switched off. Even the 50 brave firefighters had no water all day," wrote Ms Sykes.She rushed off to get help from the local fire department but returned to find the cottage had been destroyed. "He [Rory] said, 'mom leave me' and no mom can leave their kid. And I've got a broken arm, I

couldn't lift him, I couldn't move him," Ms Sykes told Australia's 10 News First.

Australia's foreign minister, Penny Wong, said the government's "thoughts are with the family of Rory Sykes at this tragic time". "We continue to engage with Los Angeles authorities, who are working to confirm his death. Dfat is in close contact with his family and is providing consular assistance to them."

Los Angeles wildfires

Since the wildfires started, they have ripped through over 30,000 acres of Los Angeles County in just a few days, killing 10 people in the process. The LA wildfires are poised to become one of the costliest natural disasters in US history, with estimated losses already surpassing $135 billion.The total losses could reach as high as $150 billion, making it one of the most expensive wildfires the country has ever seen, BBC has reported.

Though wildfires occur naturally, scientists claim that human-caused climate change is altering weather and changing the dynamics of the blazes. Two wet years in Southern California have given way to a very dry one, leaving ample fuel dry and primed to burn.

Indian-origin Anita Anand drops out of Canada PM race, won't seek re-election as MP

Ottawa. Anita Anand, the Indian-origin Transport Minister of Canada, has dropped out of the race to replace Justin Trudeau as the next Prime Minister.In her announcement, which came just days after Trudeau said that he was resigning as the Prime Minister and chief of the ruling Liberal Party, Anand also confirmed that she would not seek re-election as MP from Oakville, Ontario.

"Now that the Prime Minister has made his decision to move on to the next chapter, I have determined the time is right for me to do the same," she said in a statement on Saturday.

Born to a Tamil father and a Punjabi mother, the 57-year-old Anand has held several portfolios in Trudeau's cabinet. Since she was inducted into Trudeau's cabinet, Anand has handled key ministries like Public Services and Procurement and Defence. She was also made the President of the Treasury Board in 2024.

As Defence Minister, Anand played a key role in leading global efforts to provide aid to Ukraine amid its ongoing war with Russia.Two other prominent frontrunners, Foreign Minister Melanie Joy and Finance Minister Dominic LeBlanc, also announced their decision to opt out of the race last week.Before entering politics in 2019, Anand was a visiting lecturer at Yale University and a law professor at the University of Toronto.

Speaking of her roots, she said that many had written her off, saying that someone of Indian descent cannot win Oakville. "Yet Oakville rallied behind me not once but twice since 2019, an honour that I will hold in my heart forever."Her parents, who were both doctors, immigrated to Canada. Anand's grandfather was a freedom fighter from Tamil Nadu.

Greenland PM's reachout to Trump: Don't want to be Americans, but ready to talk

World. Greenland's Prime Minister Mute Egede said he is "ready to talk" with US President-elect Donald Trump, who has expressed interest in taking control of the mineral-rich Arctic island.A semi-autonomous territory of Denmark, Greenland is rich in natural resources, including oil, gas, and rare earth elements. Its strategic location in the Arctic, where global powers like Russia and China are expanding their influence, has further heightened its importance.

Trump, who takes office on January 20, has called acquiring Greenland an "absolute necessity," citing its strategic and economic potential. He has not ruled out military or economic measures, including tariffs against Denmark, to achieve this goal.

Amid this back-and-forth, Egede reaffirmed Greenland's commitment to self-determination and independence."We don't want to be Danes. We don't

want to be Americans. We want to be Greenlandic... of course, it's the Greenlandic people who decide their future," Egede said during a press conference in Copenhagen as Danish Prime Minister Mette Frederiksen looked on.Egede acknowledged Greenland's geographic and strategic proximity to North America, saying it's "a place that the Americans see as part of their world."While he hasn't spoken with Trump, the Greenlandic leader expressed openness to discussions about greater cooperation with Washington on "things that bring us together".

"...We're ready to talk. I think we are both ready to increase our dialogue and reach out," he stated.

Pro-independence Egede signalling openness to dialogue with the US may be a bid to undermine Denmark, which he has cast as a colonial power with a history of mistreating the indigenous Inuit population.

"We have a desire for independence, a desire to be the master of our own house... This is something everyone should respect," Egede said.At the same time, he made it clear that the push for independence doesn't mean severing ties with Denmark entirely.

Greenland, the world's largest island, was a Danish colony until 1953. In 2009, it gained the right to declare independence through a vote, though it remains self-governing under Danish oversight for foreign affairs and defence.

However, the US plays a significant role in Greenland's defence, operating a military base there under a 1951 treaty.Trump's belligerence has sparked anxiety in Denmark and across Europe, where the idea of a US leader considering force against a NATO ally has raised alarm.

UFO Sighting? Florida Flight Crew Spots "Strange, Glowing Object" At 45,000 Feet Over The Bahamas

World. A flight crew on a private Surjet plane bound for Florida witnessed a bizarre phenomenon while flying over the Bahamas at high altitude. According to the New York Post, the crew - consisting of two pilots and a flight attendant - saw strange, glowing orbs darting around in the night sky, leaving them stunned. The incident occurred on December 23 as they flew back to Fort Lauderdale on an empty plane when they received a transmission from Miami air traffic control.

The flight attendant said she saw the objects appear as white lights in the night sky and transform into green as they observed. Cassandra Martin shared her extraordinary experience with NBC News, revealing that the mysterious object accompanied their plane for approximately 45 minutes before vanishing into the darkness.

"It started as white and then it just got green and almost like an electric some type of energy around it. All of a sudden I heard traffic control say, we have a foreign object, can you please identify it? I looked to the left, and a pilot saw three objects, I only saw one, and I grabbed my phone, I just pressed it to the window to see if I could get a video of what the object was," Ms Martin told NBC Miami.

"I don't know what it was, and then I zoomed in as much as the phone allowed me to. And the object was white, and it turned slightly green, almost kind of like it had an electric field around it of some sort, and it stayed with us for about 45 minutes and then we didn't see it again, and we were about 43, 45 thousand feet and it was way above us," she added.The object's high altitude and irregular "zig-zag" movements, as described by Ms Martin, effectively eliminate the likelihood that it was a drone or a weather balloon, respectively.

I think we were astonished, and it was something that you really can't explain but I don't have the qualifications to know what that is. Was it a little bit eerie? Yes, because again, we were pretty high up and whatever we saw was even higher than us and it had the capabilities just to zigzag and change colour, so that was a little daunting, to say the least," Ms Martin explained.

How China Marked 5th Anniversary Of First-Ever Covid Death

Beijing. The fifth anniversary of the first known death from Covid-19 passed seemingly unnoticed in China Saturday, with no official remembrances in a country where the pandemic is a taboo subject.On January 11, 2020, health officials in the central Chinese city of Wuhan announced that a 61-year-old man had died from complications of pneumonia caused by a previously unknown virus.The disclosure came after authorities had reported dozens of infections over several weeks by the pathogen later named SARS-CoV-2 and understood as the cause of Covid-19.

It went on to spark a global pandemic that has so far killed over seven million people and profoundly altered ways of life around the world, including in China.

On Saturday, however, there appeared to be no official memorials in Beijing's tighly controlled official media.The ruling Communist Party kept a tight leash on public discussion throughout its zero-Covid policy, and has eschewed reflections on the hardline curbs since dramatically ditching them at the end of 2022.

On social media, too, many users seemed unaware of the anniversary.A few videos circulating on Douyin -- the Chinese version of TikTok -- noted the date but repeated the official version of events.

'Time passes'

And on the popular Weibo platform, users who gravitated to the former account of Li Wenliang -- the whistleblower doctor who was investigated by police for spreading early information about the virus -- did not directly reference the anniversary."Dr. Li, another year has gone by," read one comment on Saturday. "How quickly time passes."There was also little online commemoration in Hong Kong, where Beijing largely snuffed out opposition voices when it imposed a sweeping national security law on the semi-autonomous city in 2020.

Unlike other countries, China has not built major memorials to those who lost their lives during the pandemic.Little is known about the identity of the first Covid casualty except that he was a frequent visitor to a Wuhan seafood market where the virus is thought to have circulated during the initial outbreak.Within days of his death, other countries reported their first cases of the disease, showing that official efforts to contain its spread had failed.

China was later criticised by Western governments for allegedly covering up the early transmission of the virus and effacing evidence of its origins, though Beijing has vehemently maintained it acted decisively and with full transparency.

According to the WHO, China has officially reported nearly 100 million Covid cases and 122,000 deaths to date, although the true number will likely never be known.

In 2023, Beijing declared a "decisive victory" over Covid, calling its response a "miracle in human history".

NEWS BOX

No cherry-picking bilaterals: BCCI cracks the whip after Test series loss

New Delhi . The Board of Control for Cricket in India has cracked the whip on top India players after the 1-3 loss in the Border-Gavaskar Trophy. According to sources quoted by news agency PTI, any player in the Indian team will not be allowed to pick and choose the bilateral series that they want to.

The move will affect the top India players who play all three formats of cricket. While India have tried to segregate the T20I and ODI sides after their 2024 World Cup win, there are several common denominators in the teams. This might also affect players like Rohit Sharma and Virat Kohli, who in the past have rested citing workload concerns.

Sources privy to the matter have stated that the players have to give medical reasons in case they want to skip any games. The Board has already directed the stars to turn up for domestic engagements with Gambhir stating it firmly that all those who are committed to red-ball cricket must show up for Ranji Trophy matches.

NO KNEE JERK REACTION

On Saturday, January 11, India's disastrous tour of Australia was reviewed by the BCCI in an over two-hour long meeting. The meeting was attended by India Test and ODI captain Rohit Sharma and head coach Gautam Gambhir but the Board decided against any knee-jerk response to the debacle that was largely blamed on the poor form of senior players.The meeting was held at a five-star facility in Mumbai and Board of Control for Cricket in India President Roger Binny and secretary elect Devajit Saikia were in attendance along with Rohit and Gambhir.

There was a detailed discussion on the Border Gavaskar Trophy performance and what all went wrong and the course correction required. But do not expect a hurried decision from the new dispensation of BCCI," a source privy to developments in the Board told PTI on conditions of anonymity.

India surrendered the Border-Gavaskar Trophy for the first time in a decade following the 1-3 loss to Australia. The team was also knocked out of the World Test Championship final in June this year due to the defeat in the five-match series.It is understood that with an important ODI tournament like the Champions Trophy scheduled in another six weeks' time, any immediate reaction would have a negative impact on the team as well as the support staff.Rohit, who drew considerable flak for his underwhelming batting performance in Australia, is also the national ODI captain. The team will get a break only after the Champions Trophy, which concludes on March 9, and the players will then be seen in the colours of their respective IPL franchises after that.

Pickleball serves new business idea, merges passion with profits

New Delhi . It was 6 am when an annoying 'tak, tak, tak' sound from the badminton court of his society woke up Abhishek Madhukar. His curiosity was piqued, as badminton hardly produces any sound. Madhukar, a tennis player from Lucknow, took a look from his balcony and encountered pickleball for the first time. Intrigued by the ease of the sport, he couldn't resist giving it a try. After just a few rounds, he was hooked and what started as a hobby, soon turned into a business venture.And thus, Quadwoke was born, with its aim to be a one-stop solution for everything pickleball, the fast-paced racket sport that is now a rage in India. Once viewed as a pastime for retirees, the American sport, which combines elements of tennis, badminton, and table tennis, has even prompted several professional tennis players to switch loyalties."Whether it be in societies or clubs, the sport is clearly growing. I also found that everyone, from 6 to 70, was playing pickleball, and that's when I realised there was a huge business opportunity here," Madhukar told India Today Digital.

Though the sport is seeing great interest, there are just 1,000 pickleball courts in India. A pickleball court requires just one-fourth the area of a tennis court, and can be constructed by investing just Rs 50,000.

With demand high, pickleball courts are now seeing rents soaring even to Rs 1,800 an hour. Experts believe profits can be made in the first year itself after covering the rental for setting up the courts.Not just the infrastructure required, pickleball equipment costs are minimal too. Players require just a paddle, which starts with a price tag of just Rs 2,500, and a wiffle ball, making it an attractive sport.

PICKLEBALL COURTS SEE BOOM IN INDIAN CITIES

When pickleball was taking baby steps in India, about 3-4 years ago, it had to fight for space with badminton as there were hardly any designated courts for the newbie. Now, courts have started sprouting not only in metros like Delhi and Mumbai, but also in Tier 2 cities like Ahmedabad and Coimbatore.Explaining the boom, Mumbai-based Manish Rao, a member of the Global Pickleball Federation, said unlike tennis, which requires larger spaces and more maintenance, pickleball courts are relatively inexpensive to set up."A single tennis court can be converted into multiple pickleball courts, usually measuring 22 x 40 feet, increasing usage and revenue potential," he told India Today Digital.For concrete courts, the investment is just Rs 40,000-Rs 50,000. The professional surfaces, made of asphalt, will cost Rs 2–3 lakh per court. This low-cost, high-return model is what is attracting investors and tennis players like Madhukar.Quadwoke has already launched its first pickleball facility in Lucknow with cafés and restrooms. It is also sponsoring tournaments and India's upcoming pickleball stars."India is almost 3-4 years behind the US in terms of pickleball infrastructure. Part of the appeal of pickleball is that it is a very non-technical game where you can play with your kids, wife and parents. In the 90s and early 2000s, there used to be picnics that we used to enjoy with our family. This sport allows you to go back to those days," Madhukar said.

MUMBAI: THE MECCA OF PICKLEBALL IN INDIA

Even in metro cities like Mumbai, where space comes at a premium, the sport has gained roots in reputed tennis clubs and gymkhanas as well as in smaller arenas that have courts available on an hourly basis.Most of Mumbai's well-heeled clubs, like Khar Gymkhana, Cricket Club of India (CCI), Bombay Gymkhana, and Willingdon have dedicated pickleball courts now. Some have even converted their pre-existing tennis courts into pickleball courts given the rising demand for the sport."The success story of pickleball courts started in Mumbai around 2 years ago, when companies like Global Sports and some schools built courts and started to rent them out. Initially, the rentals were very low, around Rs 250 per hour. But, when tournaments started growing, it became a huge market. Now, the booking amount is anywhere between Rs 1,200 to Rs 1,800," said Manish Rao of Global Pickleball Federation.Rao, who started playing pickleball in 2014 after a back injury sidelined him from other strenuous sports, is now the world ambassador of the International Federation of Pickleball.Mumbai is India's pickleball capital with most societies and colonies now boasting of pickleball facilities.

South Africa hold no advantage over Australia in WTC Final: Jonty Rhodes

New Delhi . As South Africa gears up for the World Test Championship final against Australia at Lord's, former cricketer Jonty Rhodes has stated that the Proteas' pace attack is unlikely to give them an edge over their Australian counterparts. While South Africa's fast bowlers have been in formidable form, Rhodes believes that Australia is equally adept at handling pace, making it a closely contested match.The summit clash of the 3rd edition of the World Test Championship is scheduled to take place from June 11 to 15, with June 16 set aside as a reserve day if necessary.

Speaking to PTI, Rhodes remarked, "I don't think there is any advantage to South Africa. The Australians are skilled at playing pace bowling and have a strong pace attack themselves. South African batters will face this same challenge at Lord's. So, I wouldn't say we have an advantage. Australians have grown up facing pace and know all about it, but it's going to be an exciting contest."

South Africa's journey to the WTC final has been propelled by their dominant performances, particularly on home soil, where their pace battery—led by Kagiso Rabada and Marco Jansen—has proven to be a match-winning force. Rabada has taken 37 wickets in 8 matches at an average of 19.8, while Jansen has claimed 29 wickets in 7 matches, with both players making significant contributions.Beyond the WTC final, Rhodes believes that South African cricket is on the verge of a resurgence. "Success breeds success," he said. "For a long time, South Africa sat in the middle of the ICC rankings, but now, with the success of the men's and women's teams, we're seeing a renewed enthusiasm for the sport. The success of teams like the Indian men's and women's sides has led to greater popularity and support for the game. I hope South African cricket experiences a similar resurgence, driven by the Test team's performances and tournaments like the SA20."Rhodes, also the fielding coach for the Lucknow Super Giants in the IPL, is optimistic about the future of cricket in South Africa.

AC Milan set to hold discussion with Kyle Walker after player's transfer request

New Delhi .AC Milan has reportedly entered discussions to sign Manchester City's experienced full-back Kyle Walker. The Serie A giants see the 34-year-old as a crucial defensive reinforcement, aligning with their transfer strategy to strengthen the squad during the January window.The potential move follows Walker's request to leave Manchester City in pursuit of a final career challenge abroad. His exclusion from City's 8-0 FA Cup victory against Salford City on January 11 raised questions, which manager Pep Guardiola later clarified, citing Walker's transfer request as the reason behind his absence.According to reports from respected journalists such as Loic Tanzi and Fabrizio Romano, Milan has emerged as a serious contender to secure Walker's services. Despite having 18 months remaining on his current contract with City, Walker's agents are said to have already initiated discussions with Milan representatives.

Walker had previously expressed interest in a transfer at the start of the 2023/24 season amid Bayern Munich's pursuit. Although City convinced him to stay and extended his contract until 2026, the England international now appears resolute about seeking opportunities outside England.

Since joining Manchester City from Tottenham Hotspur for £50 million in 2017, Walker has played an integral role in the club's domestic and European success. His blistering pace, defensive acumen, and leadership on and off the pitch have contributed to City's dominance over recent years. Walker's contributions have earned him 15 major trophies, including six Premier League titles.

While City has yet to receive an official bid from Milan, Walker's departure could signal a strategic shift for Guardiola's squad. For Milan, acquiring a player of Walker's calibre would significantly bolster their defensive capabilities as they contend for silverware in Italy and Europe.

Injured Jasprit Bumrah in doubt for Champions Trophy, will report to NCA: Sources

New Delhi. Star India pacer Jasprit Bumrah's participation in the Champions Trophy is under clouds, sources have told India Today. Bumrah, who is one of India's greatest-ever pacers, is currently injured and has been asked to visit the National Cricket Academy in Bengaluru by the Board of Control for Cricket in India (BCCI).Sources privy to the matter have stated that Bumrah might be named in the Champions Trophy squad, but his availability will be subject to his recovery. Bumrah was injured on Day 2 of the final Test match of the Border-Gavaskar Trophy. The pacer had pulled out of action after bowling just one over after Lunch break. Bumrah was taken for scans and did not come out to bowl in the final innings of the match on Day 3.

"Since he is injured and will report to NCA for his rehab. As of now, we are hoping that he will be fine soon but not very sure about it as far as his selection is concerned," sources privy to the matter told India Today.

"Selectors will take call but sources indicated that he will be in the provisional squad as subject to fitness addition. A final call will be taken soon," the sources added.

BUMRAH'S EXCESSIVE WORKLOAD

The 30-year-old Bumrah bowled more than 150 overs in the Border-Gavaskar Trophy. Earlier, sources had told PTI that Bumrah's back spasm and then the subsequent injury had a direct link to his excessive workload in the series.The BCCI has not put out any official communication in relation tp Bumrah's injury. In fact, it is not yet know what the exact nature of the injury even is.

If Bumrah's injury is in grade 1 category, then it will take a minimum of two to three weeks of rehabilitation before Return to Play (RTP). In case of Grade 2 injury, the recovery can go up to six weeks, while Grade 3, the most severe in nature, requires a minimum three months of rest and rehabilitation programmes.It was expected that Bumrah would not play the T20I bilateral series as this is not the World Cup year, but with the Champions Trophy around the corner, he would have certainly played two if not three ODIs against England.

FA Cup: Manchester City thrash Salford 8-0, Liverpool qualify for Round 4

New Delhi. Manchester City made light work of fourth-tier Salford City with an 8-0 thumping in the FA Cup third round at the Etihad on Saturday, while Liverpool also progressed with a 4-0 win over Accrington Stanley at Anfield.Salford, co-owned by a group of former Manchester United greats including Gary Neville, Ryan Giggs, and Paul Scholes, were no match for a dominant City side, despite their recent form. A much-changed Manchester City line-up showed no signs of complacency, as they swept the League Two outfit aside with clinical finishing and fluid attacking play.

Divin Mubama marked his senior debut with a goal, Jack Grealish ended his year-long goal drought by converting a penalty, and James McAtee netted a second-half hat-trick in a complete performance from Pep Guardiola's men.

It took just eight minutes for City to open the scoring, with Jeremy Doku's direct run and a precise pass finding the onrushing Grealish, whose cut-back was coolly finished by the Belgian to hit the post and into the net. Mubama doubled the advantage with a simple tap-in after another assist from Doku, before Nico O'Reilly added a third shortly before the break, controlling a pass from Doku to steer home his first goal for the club.Grealish got his name on the scoresheet in the 49th minute after winning and converting a penalty following a foul in the box. The floodgates opened as McAtee added three more goals in quick succession, scoring twice from open play and completing his hat-trick with a spot-kick after Doku was fouled in the area.

With the game long out of reach, City cruised to a record-breaking scoreline, and even Doku himself converted a penalty late on to further rub salt in Salford's wounds."I think Man City and Pep have never disrespected anybody, and tonight they showed us why they are who they are and why he is who he is," said Salford boss Karl Robinson, whose team had conceded no goals in their last six matches but were powerless against the Premier League giants.Salford, despite their ambitions to rise up the English football pyramid, could not cope with the pace and technical ability of City's attack. The club's legendary co-owners, including Giggs, Butt, and Scholes, were present in the director's box, while Giggs also took up his role as the club's football director in the technical area."I've told the players, if someone had told me we'd concede eight goals in seven games, I would have taken it. I just didn't expect it to be all in one match," Robinson joked after the final whistle.Guardiola had made nine changes to the team that beat West Ham United last weekend, but the Spanish manager had his key players on standby on the bench should any danger arise. That was never likely, as City were quick to assert control from the opening whistle.

SA 20: Paarl hand 'Royal' thrashing to SunRisers, JoBurg beat Cape Town via DLS

New Delhi. Lhuan-dre Pretorius provided South African cricket with a glimpse into the future after he smashed 97 off 51 balls to power Paarl Royals to a nine-wicket victory over Sunrisers Eastern Cape in the SA20 on Saturday, January 11.The 18-year-old, who is still awaiting his Matric results, was in imperious form as he shared a 132-run opening stand with former England captain Joe Root.Pretorius' power game was on full display as he pulled and drove with authority. The former SA U19 prodigy certainly benefitted from having the experienced Root at the non-striker's end on his SA20 debut.

Root was his customarily composed self as he steered the Royals home with an undefeated 62 off 44 balls (4x4; 1x6) after Pretorius was trapped LBW by Marco Jansen.Pretorius struck 10 fours and six sixes.The defending champions have now slumped to a second successive defeat after their opening loss to MI Cape Town at St George's Park on Thursday night.It all seemed to be going much better at the halfway interval when Sunrisers captain Aiden Markram returned to form with a classy 82 off 49 balls (7x4; 2x6). It was a vintage Markram innings with the skipper hauling out his trademark square drive, while also muscling the ball straight down the ground.Markram initially solidified the Sunrisers innings with Tom Abell (20 off 12 balls) through a 30-run partnership after the loss of both openers Zak Crawley (27 off 18 balls) and Jordan Hermann (10 off 11 balls) in quick succession.But it was the 102-run partnership off only 63 balls with Tristan Stubbs (28 not out off 26 balls) that paved the way for Sunrisers' 175/5.Royals teenage fast bowler Kwena Maphaka (2/35) showed his ability to execute under pressure though as he held his nerve in the final over of the innings by picking up the wickets of both Markram and Marco Jansen. Afghanistan spinner Mujeeb-ur-Rahman also collected 2/27.

SUPER KINGS vs CAPE TOWN

Joburg Super Kings claimed the spoils by six runs via the Duckworth Lewis & Stern method in a rain-affected Betway SA20 clash with MI Cape Town at the Wanderers. With thundershowers prevalent all day on the Highveld, the match was interrupted at various stages. A lengthy stoppage after the dinner interval caused JSK's chase to be reduced to 19 overs with the initial target of 141 revised to 136.The players were then forced to leave the field again with the Super Kings on 82/3 after 11.3 overs - six runs ahead on DLS - at that stage. A persistent downpour prevented the players from returning to field allowing the Super Kings to claim the four match points.Leus du Plooy was unbeaten 23 and Wihan Lubbe (1 not out) were the JSK batters at the crease.Mindful of the rain JSK captain Faf du Plessis had played a solid knock of 30 off 23 balls before he was dismissed courtesy of a spellbinding catch by Dewald Brevis on the cover boundary when he tipped the ball back infield before diving full length.

Triptii Dimri

Hints That A Hero Has Become 'Bitchy' Towards Her: Heroines Never...'

Triptii Dimri became an overnight sensation after she starred in Ranbir Kapoor starrer Animal. In a recent interview with Filmfare, Triptii Dimri hinted that a male actor became 'bitchy' towards her after her newfound fame. This interaction has gone viral across social media platforms and fans took to the comments to guess whom she spoke about.When asked if Triptii's fellow actresses have become 'bitchy' towards her after her success, she denied it and said that it's a myth that actresses get bitchy. However, when asked if an actor had turned 'bitchy', Triptii pretended to zip her lips and did not answer.

One person wrote, "It is also interesting that in the entire interview, she talks about all her co-stars from Babil to Awinash to Rajkummar Rao, except Kartik!" Another person wrote, "Her reaction told everything also she praised her all co-actors (male) but didn't mention 1 co-actor she recently worked with." However, some fans defended Kartik and wrote, "She didn't hint anything. She basically said no comments lol." Another comment read, "Oh God! Tripti-Kartik rumours have now become very boring. Ho gaya yaar ab bas. The same thing is getting stretched without any new tea."This comes in light of reports that Triptii Dimri has been removed from Kartik Aaryan's Aashiqui 3. Aashiqui 3 has reportedly been delayed. At the same time, director Anurag Basu is said to be working on a new love story with Kartik in the lead. The delay came after Triptii Dimri joined the project. Reports say that Triptii, who was initially excited, has now left the film.

A Zoom report mentioned that Triptii Dimri's bold image in Animal made it hard for her to fit into the Aashiqui world, so the makers are now looking for a new face. Official confirmation is still awaited. The filmmakers want someone who can capture the innocence and charm of the Aashiqui franchise.

Mrunal Thakur

Flirts With Singer Bruno Mars: 'I'd Wanna Be Next To You'

Mrunal Thakur's online flirtation with singer Bruno Mars has caught everyone's attention. Bruno Mars took to Instagram recently to drop a dapper photo in a white ganji and matching hat. Looks like Mruno Mars' charm worked on Mrunal Thakur who couldn't resist commenting on the photo.

Bruno Mars shared his image with the caption, "So this your new man? Where'd you meet him, at an all-girls school? – a short story by Bruno Mars." Mrunal Thakur commented, "Well ….. If the world was ending, I'd wanna be next to you!??." Check out the post here:

This is not the first time that Mrunal's online activity has caught everyone's attention this month. Recently, Mrunal faced a rather amusing social media faux pas moment. She responded to a compliment that she believed was shared by popular Pakistani actress Hania Aamir. The 31-year-old actress replied to an X post shared on January 8, which read: "I may be emotional, but for me, @mrunal0801 is the best actor of this generation. She is unparalleled. I don't see any other actress so versatile like her in India."

Mrunal, who mistook it for the Kabhi Main Kabhi Tum actress as it had a verified blue tick, replied to the compliment, saying, "Hania, you made my day. Thank you so much, my dear." While Mrunal failed to realise that it was a fan account of the Pakistani actress, people on the internet quickly recognised that it didn't belong to Hania. In fact, it was a fan account.

They immediately pointed it out to the Super 30 actress and asked her to delete her comment.

Meanwhile, on the work front, Mrunal Thakur is set to enter the action genre with her new film in making. A pivotal part of the film Dacoit starring Adivi Sesh, Mrunal is currently busy shooting for the action drama. Dacoit, an intense and gritty action drama, marks Shaneil Deo's directorial debut. The film will be shot simultaneously in Hindi and Telugu. The storyline follows an angry convict seeking revenge against his former girlfriend after a betrayal. With a gripping narrative and adrenaline-pumping action sequences, the film promises to showcase a never-before-seen avatar of Mrunal.

Shah Rukh Khan, Salman Khan's Bodyguards Earn Rs 2 Crore Yearly? Alia Bhatt's Security Head Reveals Truth

Yusuf Ibrahim has handled security for stars like Shah Rukh Khan, Alia Bhatt, Varun Dhawan and Ranbir Kapoor among others. In a recent chat with Siddharth Kannan, he addressed the rumours about the exorbitant salaries of Bollywood's bodyguards. Does Shah Rukh Khan's bodyguard Ravi Singh earn Rs 2.7 crore per year? Does Salman Khan's bodyguard Shera make Rs 2 per annually?When asked if Ravi Singh takes an annual salary of Rs 2.7 crore, Yusuf said, "See, I told you, we don't come to know how much someone is earning." He added, "Itna possible nahi hai (It's not possible)." Yusuf said that Ravi used to work in his company earlier and since Yusuf couldn't give all his time to Shah Rukh Khan, they put Ravi in charge of the star's security. Ravi then left the company and took over SRK's security. Interestingly, Yusuf started his company by taking charge of SRK's safety.

In the same conversation, when asked about Salman Khan's bodyguard Shera's reported salary of Rs 2 crore per year, Yusuf said, "See, Salman Khan's Shera has his own business, he has his own security company. I think he has multiple businesses. So it is possible that he must be earning it."It was also rumoured that Akshay Kumar's bodyguard, Shreysay Thele, gets paid Rs 1.2 crore every year. Yusuf said, "I don't have his personal information. Calculate monthly — Rs 10 to Rs 12 lakh — it is possible, not possible too. Depends on what billing is going for your shoot, events or promotions. How much is your salary? All these things factor in. How many days a month your star is working, the billing depends on that. All these figures, I feel, just chaap diya hai kisine (someone has just randomly printed these figures)."Yusuf then mentioned that most star bodyguards get paid around Rs 25,00 to Rs 1 Lakh but the celebrities offer to take care of their necessary expenses like medical bills and children's school fees.

Bigg Boss 18: Manas Shah Refutes Dating Chahat Pandey, Says 'No Romantic Connection'

The buzz surrounding Bigg Boss 18 reached new heights recently, with controversies spilling over into the personal lives of the contestants. Amid all this, Salman Khan hinted at a mystery boyfriend in Chahat Pandey's life, sparking a flurry of speculation that the actor vehemently denies. Adding fuel to the fire, self-proclaimed critic Kamaal R Khan (KRK) posted a photo of Chahat with TV actor Manas Shah, implying they were in a relationship. However, Manas Shah has now stepped forward to clear the air in an interview with ETimes.Manas refuted the claims, saying, "Just because a picture of Chahat and me posing together has gone viral, it does not mean I am her mystery man. Chahat is a co-actor and a friend, but we hardly keep in touch. I have no romantic connection with her at all, and these rumours have started without anyone checking the facts."

He also emphasized that he is currently single, adding, "I am single and hoping to settle down in an arranged marriage. I do not have a girlfriend. It's sad how people have assumed I am the boyfriend. The last time I was in the news was during Hamari Bahu Silk, when I raised concerns about revising the 90-day payment structure for TV actors. I am surprised that I am now suddenly being linked with Chahat."Chahat Pandey's mother also weighed in on the matter during her appearance on Bigg Boss 18's family week. She strongly defended her daughter, accusing Avinash Mishra of "character-assassinating" Chahat. She stated that Chahat has never had a boyfriend and declared her daughter would marry as per her own wishes. In a bold move, she challenged the show's makers, offering ?21 lakh if they could prove Chahat's alleged boyfriend exists by revealing his name and photo.

Meanwhile, as Bigg Boss 18 races toward its finale on January 19, the "Ticket to Finale" task has further heated up the competition. Vivian Dsena emerged victorious after facing off against Chum Darang, though he later requested Bigg Boss to transfer the win to Chum as an apology for his aggressive behavior. Other housemates, including Chahat Pandey, Avinash Mishra, Eisha Singh, and others, have been rallying behind their favorites, adding to the intense drama of this season.